जयपुर • कोटा • बीकानेर • उदयपुर • अजमेर • जालोर • हिण्डौनसिटी • चूरू

राष्ट्रदूत

उदयपुर

Rashtradoot

epaper.rashtradoot.com

उदयपुर, शनिवार 29 जून, 2024

सत्यमेव जयते
राजस्थान सरकार

श्री नरेन्द्र मोदी, प्रधानमंत्री

मोदी की गारंटी
भजनलाल सरकार कर रही साकार

श्री भजनलाल शर्मा, मुख्यमंत्री

युवाओं के लिए खुल रहे अवसरों के द्वार

मुख्यमंत्री रोजगार उत्सव

मुख्य समारोह

29 जून, 2024 । प्रातः 11:00 बजे

टैगोर इंटरनेशनल स्कूल ऑडिटोरियम, मानसरोवर, जयपुर

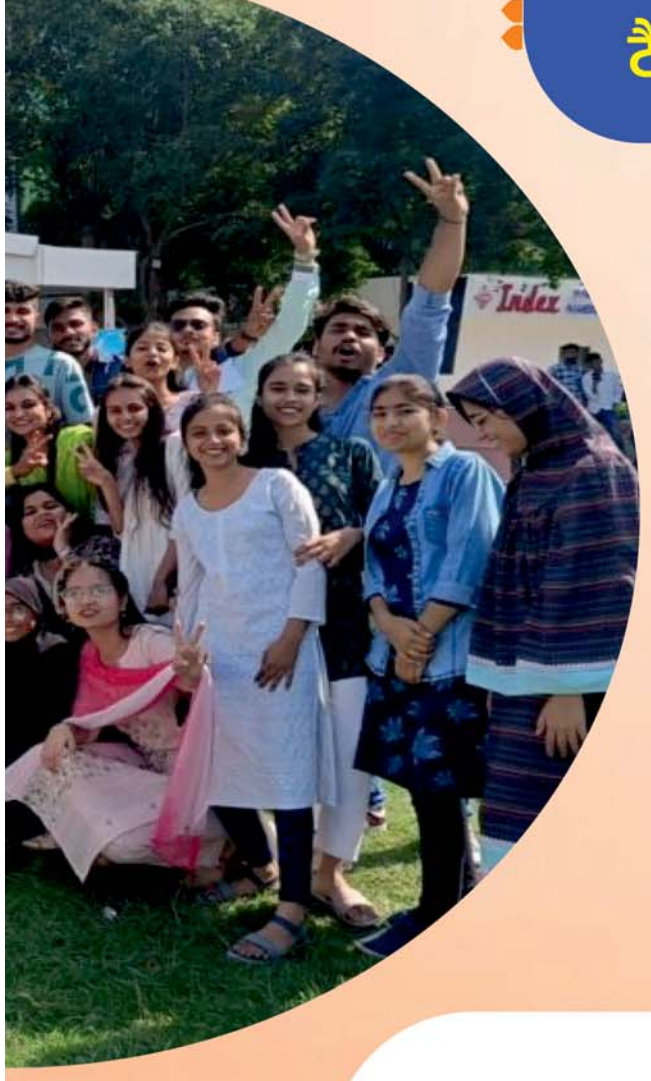

मुख्य अतिथि

श्री भजनलाल शर्मा
माननीय मुख्यमंत्री

अध्यक्षता

कर्नल राज्यवर्धन राठौड़
माननीय मंत्री, कौशल,
नियोजन एवं उद्यमिता विभाग

विशिष्ट अतिथि

श्री मदन दिलावर
माननीय मंत्री,
शिक्षा एवं पंचायती राज विभाग

श्री गजेन्द्र सिंह खींवसर
माननीय मंत्री,
चिकित्सा एवं स्वास्थ्य विभाग

श्री के.के. विश्नोई
माननीय राज्यमंत्री, कौशल,
नियोजन एवं उद्यमिता विभाग

राज्य एवं जिला स्तरीय रोजगार उत्सवों का निरंतर आयोजन

प्रथम रोजगार उत्सव में **20 हजार** से अधिक नवनियुक्त राज्य कार्मिक शामिल

नवनियुक्त कार्मिकों को नियुक्ति पत्र एवं संवाद कार्यक्रम

"राज्य सरकार युवाओं के सपनों को साकार करने और उनके सुनहरे भविष्य के निर्माण के लिए दृढ़ संकल्पित होकर कार्य कर रही है। पारदर्शी, निष्पक्ष एवं समयबद्ध तरीके से भर्ती प्रक्रियाओं को पूर्ण कर सरकारी नौकरियों के रिक्त पदों को भरना हमारी मुख्य प्राथमिकता है। पेपर लीक जैसी घटनाओं को रोकने के लिए राज्य सरकार सख्ती से कार्यवाही कर रही है।"

- भजनलाल शर्मा, मुख्यमंत्री, राजस्थान

कौशल, नियोजन एवं उद्यमिता विभाग, राजस्थान

राजस्थान संवाद

विचार बिन्दु

यदि किसी को भी भूख-प्यास नहीं लगती, तो अतिथि सत्कार का अवसर कैसे मिलता। –विनोबा

बंजर होने से बचानी होगी कृषि भूमि

उपजाऊपन की दृष्टि से सबसे व्यर्थ जमीन को बंजर भूमि कहा जाता है। मरुस्थलीकरण तेजी से फैल रहा है, मिट्टी की उर्वरता लगातार घटती जा रही है। ऐसे में बंजर भूमि का बढ़ना एक चुनौती बनती जा रही है। भूमि के बंजर होने की समस्या ने आज दुनिया के सामने एक बड़ी चुनौती पैदा कर दी है। भारत की बात करें तो यहां उपजाऊ भूमि के बंजर होने का खतरा निरंतर बढ़ता ही जा रहा है। एक रिपोर्ट के अनुसार दुनिया में मात्र 11 प्रतिशत जमीन ही उपजाऊ है। मरुस्थलीकरण का क्षेत्रफल बढ़ता जा रहा है। भारत में कुल 32 करोड़ 90 लाख हेक्टेयर जमीन में से 12 करोड़ 95 लाख 70 हजार हेक्टेयर भूमि बंजर बताई जा रही है। बंजरपन का रकबा साल दर साल बढ़ता ही जा रहा है जिसे सख्ती से रोका नहीं गया तो देश में अनाज का संकट खड़ा हो सकता है। कृषि भूमि का मरुस्थलीकरण और बंजर होने का खतरा धीरे-धीरे करीब एक अरब लोगों की जिंदगी के लिए खतरा बन चुका है। इसी के साथ लाखों तरह की वनस्पति प्रजातियों के भी विलुप्तिकरण का खतरा बन चुका है। खेती पर निर्भर लोग पलायन को मजबूर हैं। अनुमान यह है कि इस सदी के मध्य तक धरती की एक चौथाई मिट्टी बंजर हो चुकी होगी। अभी से इसकी चिंता ना की गई तो, यह संकट बड़े मानवीय संकट में बदल सकता है।

जलवायु परिवर्तन सहित सूखा, बाढ़,जहरीले कीटनाशकों के तेजी से इस्तेमाल, वनों की कटाई, अधिक चराई, खराब सिंचाई और अत्यधिक जल दोहन के कारण भू-जल स्तर में निरंतर गिरावट आने से उपजाऊ धरती मरुस्थल का रूप धारण करती जा रही है। विश्व के समक्ष यह एक बड़ी समस्या है जो दिन प्रतिदिन गहराती जा रही है। हमारे लाख प्रयासों के बावजूद मरुस्थल का फैलाव रोका नहीं जा सका है। इस समस्या की जड़ में एक वजह मानवजनित कारणों को बताया जा रहा है।

नीति आयोग के अनुसार भारत में 67.30 लाख हेक्टेयर भूमि कृषि योग्य भूमि में शर्तिया और लवणता बढ़ने के कारण यह भूमि बंजर हो चुकी है। इस बंजर भूमि में से लगभग 37.70 लाख हेक्टेयर भूमि क्षारीय है। और 29.60 लाख हेक्टेयर भूमि लवणीय है। अभी तक इस बंजर भूमि में लगभग 20 लाख हेक्टेयर क्षारीय भूमि को और लगभग 70 हजार हेक्टेयर लवणीय भूमि को फिर से उपजाउ बनाया जा चुका है। बचे हुए बंजर भूमि को फिर से उपजाऊ बनाने के प्रयास किया जा रहे हैं, लेकिन यह एक बड़ी चुनौती है।

संयुक्त राष्ट्र की एक रिपोर्ट के अनुसार दुनिया हर साल 24 अरब टन उपजाऊ भूमि खो देती है। भूमि की गुणवत्ता खराब होने से राष्ट्रीय घरेलू उत्पाद में हर साल आठ प्रतिशत तक की गिरावट आ सकती है। भूमि क्षरण और उसके दुष्प्रभावों से मानवता पर मंडराते जलवायु संकट के और गहराने की आशंका है। मरुस्थलीकरण, भूमि क्षरण और सूखा बड़े खतरे हैं जिनसे दुनिया भर में लाखों लोग, विशेषकर महिलाएं और बच्चे, प्रभावित हो रहे हैं। इससे निपटने के लिए वैश्विक प्रयासों की महती जरुरत है। मरुस्थल या रेगिस्तान ऐसे भौगोलिक क्षेत्रों को कहा जाता है जहां जलपात (वर्षा तथा हिमपात का योग) अन्य क्षेत्रों की अपेक्षा काफी कम होती है। मरुस्थलीकरण की परिभाषा के अनुसार यह जमीन के खराब होकर अनुपजाऊ हो जाने की ऐसी प्रक्रिया है जिसमें जलवायु परिवर्तन तथा मानवीय गतिवधियों समेत अन्य कई कारणों से शुष्क, अर्द्ध-शुष्क और निर्जल अर्ध-नम इलाकों की जमीन रेगिस्तान में बदल जाती है। इससे जमीन की उत्पादन क्षमता में कमी और ह्रास होता है। एशियाई देशों में मरुस्थलीकरण पर्यावरण सम्बन्धी एक प्रमुख समस्या है।

भारत में कुल भूमि क्षेत्रफल करीब 329 मिलियन हेक्टेयर है। इसमें खेती करीब 144 मिलियन हेक्टेयर में होती है, जबकि लगभग 178 मिलियन हेक्टेयर भूमि बंजर है। इसे सुधारने के लिए लगातार प्रयास किया जा रहा है। वहीं असिंचित एवं डूब से प्रभावित जमीन को भी खेती योग्य बनाया जा रहा है।

मरुस्थलीकरण शुष्क, अर्द्ध शुष्क और शुष्क उप-आर्द्र जैसे विभिन्न क्षेत्रों में भूमि का क्षरण है। मुख्य रूप से, यह मानवीय गतिविधियों और फिर जलवायु परिवर्तन के कारण होता है। इसका मतलब मौजूदा रेगिस्तानों का विस्तार नहीं है, बल्कि यह शुष्क भूमि पारिस्थितिक तंत्र, वनों की कटाई, अधिक चराई, खराब सिंचाई कार्य प्रणाली आदि के कारण होता है जो भूमि की उत्पादकता को प्रभावित करता है।

भारत में कुल भूमि क्षेत्रफल करीब 329 मिलियन हेक्टेयर है। इसमें खेती करीब 144 मिलियन हेक्टेयर में होती है, जबकि लगभग 178 मिलियन हेक्टेयर भूमि बंजर है। इसे सुधारने के लिए लगातार प्रयास किया जा रहा है। वहीं असिंचित एवं डूब से प्रभावित जमीन को भी खेती योग्य बनाया जा रहा है। देश में करीब 71 लाख हेक्टेयर भूमि मृदा ऊसर से प्रभावित है। जबकि पूरे विश्व में यह आँकड़ा लगभग 9520 हेक्टेयर के करीब बताया जाता है। जो मृदा ऊसर से प्रभावित है, इसे भी खेती योग्य बनाने की कवायद चल रही है।

आँकड़े बताते हैं कि भारत में वर्ष 1951 में मनुष्य भूमि अनुपात 0.48 हेक्टेयर प्रति व्यक्ति है, जो दुनिया के न्यूनतम अनुपातों में से एक है। वर्ष 2025 में घटकर यह आंकड़ा 0.23 हेक्टेयर होने का अनुमान है। ऐसे में खेती की मृदा संरक्षण के जरिए एक बड़ी चुनौती से निबटा जा सकता है। ऐसे में उपजाऊ मिट्टी की सुरक्षा के साथ ही अनुपजाऊ मिट्टी को भी कृषि योग्य बनाया जा रहा है।

स्पेस एप्लीकेशंस सेंटर (एसएसी) द्वारा मरुस्थलीकरण और भूमि की गुणवत्ता के गिरते स्तर पर बनाये देश के पहले एटलस के अनुसार भारत के कुल भौगोलिक क्षेत्र का तकरीबन 30 फीसदी हिस्सा मरुस्थल में तब्दील हो चुका है। इसके अलावा देश के 69 फीसदी हिस्से को शुष्क क्षेत्र के तौर पर वर्गीकृत किया गया है। देश के सामने उपजाऊ भूमि के क्षरण का यह एक बड़ा खतरा है जिसे रोकने के लिए सामूहिक प्रयासों की महती जरुरत है। देश में बढ़ रहे मरुस्थलीकरण के आंकड़े बेहद चौंकाने वाले है। बंजरपन बढ़ रहा है और साथ ही मिट्टी का कटाव भी बढ़ रहा है। देश का 30 प्रतिशत भौगोलिक क्षेत्र मरुस्थलीकरण की चपेट में है। तीन मिलियन हेक्टेयर अतिरिक्त भूमि पिछले 15 वर्षों में ख़राब हुई है। देश में प्रति मिनट 23 हेक्टेयर शुष्क भूमि सूखे और मरुस्थलीकरण की चपेट में आ जाती है जिसकी वजह से 20 मिलियन टन अनाज का संभावित उत्पादन प्रभावित होता है। देश का 70 प्रतिशत भौगोलिक क्षेत्र शुष्क भूमि के रूप में है जबकि 30 प्रतिशत जमीन भूक्षरण और 30 प्रतिशत भूमि मरुस्थलीकरण की प्रक्रिया से गुजरती है। भारत सरकार द्वारा विभिन्न योजनाएँ शुरू की गई हैं जैसे प्रधानमंत्री आवास बीमा योजना, मृदा स्वास्थ्य कार्ड योजना, मृदा स्वास्थ्य प्रबंधन योजना, प्रधानमंत्री कृषि सिंचाई योजना प्रति बूंद अधिक फसल, आदि। ये सब भूमि क्षरण को कम करने में मदद कर रहे हैं।

–अतिथि संपादक,
बाल मुकुन्द ओझा
वरिष्ठ लेखक एवं पत्रकार

पानी में मीन पियासी रे!

डॉ. रामावतार शर्मा

संयुक्त राज्य अमेरिका को विश्व का सबसे धनी देश माना जाता है। अमेरिका जाना और वहां जा कर अपना भाग्य चमकाना कितने ही लोगों का सपना है। परंतु कितने लोग हैं जो अमेरिका को तथ्यों पर परखने का प्रयास करते हैं? अभी इसी महीने अमेरिका की प्रसिद्ध पत्रिका टाइम में वहां के एक राज्य केण्टुकी के ग्रामीण इलाकों के बारे में लेख लिखा गया है जो एकदम चौंकाने वाला है। खास बात यह है कि यह लेख वहां की गोरी आबादी के बारे में लिखा गया है। लेख के अनुसार केण्टुकी के ग्रामीण अंचल का जीवन बड़ा कष्टपूर्ण है। इस राज्य की अधिकतर आबादी नशीली दवाओं, हिंसा, पुलिस कस्टडी आदि के चक्र में अपना जीवन बिताती नजर आती है। लेख में एक युवक ने अपने जीवन में इस तरह के वातावरण के कुप्रभावों का जिक्र किया है। 2024 में प्रकाशित एक अमेरिकी पुस्तक 'व्हाइट रूरल रेज' के अनुसार ग्रामीण अमेरिका वृहद अमेरिका के लिए एक बड़ा खतरा है क्योंकि ये असफल एवम मानसिक तौर पर अस्थिर लोग अतिवादी होते हैं और धुर दक्षिण पंथ की तरफ अग्रसर हो कर हिंसा फैलाते हैं। यहां लेखकों द्वारा लोगों को दोषारोपित करना उचित नहीं लगता क्योंकि लोग तो तंत्र के प्रभाव से सार्थक या निरर्थक जीवन की तरफ अग्रसर होते हैं।

इसके विपरीत यदि तथाकथित वामपंथी रूस की तरफ जाएं तो बोल्शेविक क्रांति ने आम नागरिक के जीवन को उठाने की बजाय अति धनी तथा प्रभावशाली ओलिगार्क प्रणाली को जन्म दिया जिसने आज के रूस को पूरी तरह से नियंत्रित कर रखा है। ये ओलिगार्क्स प्राचीन रूसी जार से भी अधिक एश-ओ-आराम का जीवन जी रहे हैं। एक अन्य उदाहरण में 1932-33 के यूक्रेनियन होलोडोमोर का है जो अत्याचारी स्टालिन के मनुष्य निर्मित महा अकाल के रूप में जाना जाता है। सामूहिक खेती के नाम पर सरकारी तंत्र ने मूर्खतापूर्ण तथा दमनकारी निर्णय ले कर यूरोप के इस अन्न भंडार माने जाने वाले क्षेत्र में ऐसी स्थिति पैदा कर दी थी जिसके फलस्वरूप लाखों लोग भूख से मर गए थे। आज फिर यूक्रेन का रूस से युद्ध जारी है। कई पश्चिमी विचारकों का मानना है कि युद्ध बंद होने के बाद रूस के ओलिगार्क्स की तरह यूक्रेन में भी यूरोपियन धन्नासेठ वहां के खेत खलिहानों पर कब्जा कर लेंगे और लोगों का जीवन कष्टदायक ही बना रहेगा।

इधर भारत में भी राष्ट्रीय संपदा गिने चुने औद्योगिक घरानों के हाथों में सिमटती जा रही है और स्थितियां इस तरह की बन रही हैं जहां छोटे एवम् मझोले उद्यमियों का टिका रह पाना कठिन होता जा रहा है। विश्व में हो रहे परिवर्तनों को हम नकार रहे हैं या फिर अनदेखा कर रहे हैं। इस नीति के परिणाम भविष्य में देखने पड़ सकते हैं परंतु तब तक बड़ा नुकसान हो चुका होगा। इतिहास इंगित करता है कि यदि 1940 में ब्रिटेन के प्रधानमंत्री विंस्टन चर्चिल ने हिटलर के शांति प्रस्तावों को स्वीकार कर लिया होता तो न तो लाखों यहूदी मारे जाते, न आज का इजरायल अरब संघर्ष जन्म लेता और ना ही ब्रिटिश साम्राज्य का इतना शीघ्र पतन होता। वास्तविकता को नकारना, अनदेखा करना इसलिए विकसित होता है क्योंकि सरकार और वृहद समाज के बीच कोई संपर्क नहीं होता है। चंद जाति, नस्ल, स्थान एवम् धर्म विशेष के लोगों को सरकार या संगठन में स्थान देकर मान लिया जाता है कि सबकुछ ठीक हो जायेगा परंतु वास्तविकता में ऐसा होता नहीं है।

संचार क्रांति से देश दुनिया के विभिन्न लोग एक दूसरे के संपर्क में आने लगे हैं। ऐसे माहौल में बरगलाने और ध्यान भटकाने वाली नीतियों से अल्पकालीन फायदे तो हो सकता हैं परंतु दीर्घकाल में बिखराव की संभावनाएं बढ़ जाती हैं। वृहद जनमानस समय-समय पर निरंकुशता के फन को कुचलता रहा है, शासक के दंभ अहंकार पर प्रहार करता रहा है परंतु अतिवादी दृष्टिकोण की अपनी शक्ति होती है जो किन्ही विशिष्ट परिस्थितियों में प्रचंड हो सकती है और जनतांत्रिक ताने बाने को नष्ट कर सकती। इसलिए बेहतर होगा कि देश की सरकार में बैठे लोगों का प्रथम उद्देश्य सत्ता में बने रहना मात्र नहीं होना चाहिए बल्कि लगातार बदलती स्थितियों को समझने के लिए व्यापक जनसंपर्क द्वारा लोगों की आवश्यकताओं और भावनाओं का विश्लेषण कर नीतियां निर्मित करनी चाहिए। शासन करना एक जटिल कार्य है इसलिए सत्ता के शिखर पर बैठे लोगों को बड़ी आलोचना सुनने के लिए अपने मानस पटल को खुला रखना चाहिए। जाति और धर्म के सहारे सत्ता में आए लोगों की सार्थक आलोचना भी एक खतरनाक कार्य होता है इसलिए आलोचक चुप हो जाते हैं। शासक भूल जाता है कि आलोचक ही वास्तविक मित्र होता है जबकि समर्थक तो लकीर के फकीर होते हैं जिनसे वोट तो मिलते हैं परंतु उनसे किसी मार्गदर्शन की आशा नहीं की जा सकती है।

–डॉ. रामावतार शर्मा,
(चिकित्सक एवं लेखक)

भारतीय साहित्य का अनुवाद चुनौतीपूर्ण : प्रो. ज्यांग जिंग खुई

हिन्दू कॉलेज में हिंदी विभाग द्वारा काव्यानुवाद की चुनौतियां विषय पर व्याख्यान आयोजित

दिल्ली। हिन्दू कॉलेज में हिंदी विभाग द्वारा "काव्यानुवाद की चुनौतियां" विषय पर व्याख्यान आयोजित हुआ। भारत का साहित्य अत्यंत विपुल और वैविध्यपूर्ण है, उसका चीनी भाषा में अनुवाद किसी चुनौती से कम नहीं है। सूरसागर, गोदान तथा शेखर एक जीवनी जैसी कृतियों का चीनी में अनुवाद करने वाले प्रसिद्ध विद्वान प्रो. ज्यांग जिंग खुई ने कहा कि भारत और चीन भले ही पड़ोसी मुल्क हैं किंतु उनकी संस्कृति और सभ्यता में बुनियादी फर्क है।

उदाहरण देते हुए प्रो. ज्यांग जिंग खुई ने कहा कि चीन के लोग भगवान पर नहीं बल्कि खुद पर, अपने माता-पिता और अन्य लोगों पर ज्यादा भरोसा रखते हैं। भक्तिकालीन साहित्य के अनुवाद करने में यह बुनियादी फ़र्क़ बड़ा प्रभावशाली हो जाता है, क्योंकि इस साहित्य को चीनी लोकमानस के अनुसार अनुवादित करना आसान नहीं होता। प्रो. ज्यांग जिंग खुई ने हिंदू महाविद्यालय के हिंदी विभाग द्वारा आयोजित एक समारोह में काव्यानुवाद की चुनौतियाँ विषय पर बोलते हुए चीन में भारतीय साहित्य के अनुवाद की लम्बी परंपरा की जानकारी दी। उन्होंने कहा कि जू फैनचेंग, ची श्यैनलिन, जिन केमू, लियू अनवु, जिन डिंगहान, हुआंग बाओशेंग और शुए ख छिओ जैसे मूर्धन्य विद्वानों ने चीनी भाषा में उपनिषद, नाट्यशास्त्र, वाल्मीकि रामायण, भगवत् गीता से लेकर कालिदास की अनेक रचनाओं तक के अनुवाद में अपना जीवन समर्पित किया है। बीजिंग विश्वविद्यालय में हिन्दी के आचार्य प्रो. खुई ने कहा कि 2024 वह साल है जब चीन महान कवि रवीन्द्रनाथ ठाकुर की चीन यात्रा की शताब्दी मना रहा है और उनके साहित्य तथा अवदान को श्रद्धा के साथ याद कर रहा है।

- **'भारत और चीन भले ही पड़ोसी मुल्क हैं किंतु उनकी संस्कृति और सभ्यता में बुनियादी फर्क है'**
- **प्रसिद्ध विद्वान प्रो. ज्यांग जिंग खुई ने सूरसागर, गोदान तथा शेखर एक जीवनी जैसी कृतियों का चीनी में अनुवाद किया है**
- **नयी वैश्विक परिस्थितियों में अनुवाद अत्यंत महत्वपूर्ण सांस्कृतिक गतिविधि बन गया है, जो विभिन्न देशों के लोगों को आपसे में जोड़ने का काम करता है : प्रो.अनिल राय**

प्रो. ज्यांग ने काव्यानुवाद की चुनौतियों पर कहा कि पंक्तियों की ध्वन्यात्मकता,लयात्मकता, पंक्तियों के बीच का मौन, शब्द, प्रतीक एवं सबसे ज्यादा भावों के अनुवाद में समस्या आती है। उन्होंने नायिका के सौंदर्य का चीनी भाषा में अनुवाद के समय की अपनी चुनौतियों को साझा करते हुए बताया कि चीनी सभ्यता के लोग किसी स्त्री के बालों को सर्प और आंखों को कमल के फूल की उपमा नहीं समझ पाते हैं। ऐसे में अनुवादक के समक्ष चुनौती प्रस्तुत होती है, क्योंकि चीन के लोगों की आंखें ही प्राकृतिक रूप से प्राय: छोटी होती हैं। अनुवाद की मौलिकता पर केंद्रित एक प्रश्न का उत्तर देते हुए प्रो. जियांग ने कहा कि अनुवाद एक स्वतंत्र, मौलिक एवं रचनात्मक इकाई के रूप में होती है जिसमें अनुवादक अपने भावों और विचारों के अनुरूप ही अनुवाद करता है।

इससे पहले महाविद्यालय परिसर में पहुंचने पर महाविद्यालय की प्राचार्य प्रो. अंजू श्रीवास्तव ने प्रो. ज्यांग जिंग खुई का स्वागत करते हुए कहा कि हिन्दू कॉलेज की पुरानी और समृद्ध परम्परा में भारतीय उपमहाद्वीप तथा एशिया के अनेक देशों के विद्यार्थी जुड़े हैं। उन्होंने कहा कि प्रो. खुई की यह यात्रा इस सम्बन्ध में और अधिक उपादेय होगी जब दोनों देशों के विद्यार्थियों में सांस्कृतिक अध्ययन की गति तेज होगी। आयोजन के विशिष्ट अतिथि दिल्ली विश्वविद्यालय के हिन्दी विभाग के प्रो. अनिल राय ने प्रो. खुई के साथ व्यतीत अपने चीन प्रवास को याद करते हुए अविस्मरणीय अनुभव बताया।

प्रो. अनिल राय ने कहा कि नयी वैश्विक परिस्थितियों में अनुवाद अत्यंत महत्वपूर्ण सांस्कृतिक गतिविधि बन गया है जो विभिन्न देशों के लोगों को आपसे में जोड़ने का काम करता है। हिन्दी विभाग की प्रभारी प्रो. रचना सिंह ने प्रो. खुई तथा उनके शिष्य हे यांग का स्वागत किया। प्रो. सिंह ने हिंदी विभाग द्वारा की जा रही विभिन्न गतिविधियों की जानकारी भी प्रो. खुई को दी। विभाग के विद्यार्थियों दिव्यांश प्रताप सिंह तथा मोहित कुमार ने प्रो. खुई को महाविद्यालय की वार्षिक पत्रिका इंद्रप्रस्थ तथा विभाग की हस्तलिखित पत्रिका हस्ताक्षर के ताज़ा अंक भेंट किये।

हिंदू महाविद्यालय के वरिष्ठ अध्यापक प्रो. रामेश्वर राय ने कहा कि चीन से तकनीक तथा विज्ञान के साथ साहित्य के क्षेत्र में भी प्रेरणा ली जानी चाहिए जहाँ अनुवाद की ऐसी शानदार परम्परा बन गई है। प्रो. राय ने कहा कि प्राकृतिक उपमाएं अनुवाद में भले ही बड़ी चुनौती हों किंतु भारतीय संस्कृति में सौंदर्य को हमेशा से ही प्रकृति से अभिन्न माना गया है और देह से मुक्त होकर प्रकृति की ओर उन्मुखता सौंदर्य की व्यापकता को और बढ़ा देता है। कमल की उपमा का उदाहरण देकर उन्होंने कहा कि कमल संभावनाओं एवं सात्विकता को व्यक्त करता है क्योंकि वह सूर्य के उदय के साथ खिलता है।

कार्यक्रम के समापन पर विभाग के अध्यापक डॉ. पल्लव ने आभार प्रकट किया। कार्यक्रम में हिंदी विभाग एवं ईस्ट एशियन स्टडीज के अनेक शोधार्थी एवं विद्यार्थी उपस्थित रहे।

मूलभूत समस्याओं को लेकर लोगों में आक्रोश

कांग्रेस नेताओं ने लोगों के साथ जलदाय विभाग के अधिकारियों का घेराव किया

भीलवाड़ा में लोगों ने जलदाय विभाग के अधिकारियों का घेराव किया।

भीलवाड़ा, (निसं)। जलदाय विभाग, चम्बल परियोजना और सीवरेज ठेकेदार की लापरवाहियों का खामियाजा इन दिनों शहरवासी भुगत रहे हैं। आए दिन अलग-अलग कॉलोनियों में पाइप लाइन तोड़े जाने और जलापूर्ति प्रभावित होने की खबरें आम हो गई हैं, लेकिन इन विभागों की तरफ से कोई ध्यान नहीं दिया जा रहा है, इसलिए शुक्रवार को कांग्रेस नेताओ ने लोगों के साथ जलदाय विभाग के अधिकारियों का घेराव करते हुए पीपा बजा कर उन्हें कुंभकर्ण नींद से जगाने का प्रयास किया। नेता प्रतिपक्ष धर्मेंद्र पारीक और सेवादल के मनोज पालीवाल के नेतृत्व में बड़ी संख्या में लोग विभाग के कार्यालय पहुंचे और पांच सूत्रीय मांगों को लेकर एक ज्ञापन सौंपा। इस दौरान लोगों ने अधिकारियों का घेराव करते हुए पीपा बजाकर उन्हें आमजन की समस्याओं को सुनने के लिए जगाने का प्रयास किया। ज्ञापन में शहर में पर्याप्त जलापूर्ति करने, निश्चित तारीख और समय पर आपूर्ति करने, सीवरेज द्वारा बार- बार पाइप लाइन को बाधित करने के संबंध में स्थाई तौर पर निर्णय करने, दूषित जल जो लीकेज के कारण पाइप लाइनों में आ जाता है उसका सर्वे करवा ठीक करने और शहर के सभी हेंडपैपों को और पुरानी जलदाय विभाग की ट्यूबवेल दुरस्त करने की मांग की गई।

कुश्ती प्रतियोगिता में अश्विनी बिश्नोई का पदक जीतने पर स्वागत

अश्विनी बिश्नोई ने 15 वर्ष आयु और 65 किलोग्राम भार वर्ग में स्वर्ण पदक जीता

भीलवाड़ा, (निसं)। पहलवानी के क्षेत्र में एक बार फिर भीलवाड़ा की बेटी ने जिले का नाम पूरे देश में ही नहीं दुनिया में रोशन किया है। जॉर्डन की राजधानी अम्मान में संपन्न हुई एशियन कुश्ती प्रतियोगिता में भारत के लिए गोल्ड मेडल जीतने वाली अश्विनी बिश्नोई भीलवाड़ा की बेटी है, जिसने विदेशी सरजमीं पर अपनी काबिलियत और बलबूते पर देश और प्रदेश के साथ अपने परिवार का नाम रोशन किया है। पदक जीतने पर रेलवे स्टेशन पर अश्विनी बिश्नोई का आतिशबाजी के साथ भव्य स्वागत करने के बाद जुलूस निकाला गया।

- **अश्विनी बिश्नोई का भीलवाड़ा रेलवे स्टेशन पर आतिशबाजी के साथ भव्य स्वागत करने के बाद जुलूस निकाला गया**

जब अश्विनी बिश्नोई के एशियाई कुश्ती चैंपियनशिप में 15 वर्ष आयु और 65 किलोग्राम भार वर्ग में स्वर्ण पदक जीतने की खबर सुनते ही उसके घर शुभकामनाओं का तांता लग गया। 15 वर्षीय एशियन चैंपियन ने 65 किलोग्राम भार वर्ग में लगातार दूसरी बार भारत के लिए गोल्ड मेडल जीतकर अपने देश और माता-पिता का नाम रोशन किया है।

विजेता अश्वनी बिश्नोई ने चीन की पहलवान को हराकर स्वर्ण पदक अपने नाम किया। भीलवाड़ा की इस खिलाड़ी की एशियन कुश्ती प्रतियोगिता में यह लगातार दूसरी जीत है। अश्विनी के पिता मुकेश बिश्नोई एक मिल में मजदूरी करते हैं।

जानकारी के मुताबिक मुकेश बिश्नोई खुद भी पहलवान थे, लेकिन घर की जिम्मेदारियों और आर्थिक स्थिति कमजोर होने की वजह से आगे कुश्ती नहीं लड़ पाए और देश के लिए कुश्ती में मेडल जीतने का सपना अधूरा ही रह गया। अब उनका मेडल जीतने का सपना उनकी बेटी ने पूरा किया है। बेटी के भीलवाड़ा पहुंचने पर शहरभर ने उसका स्वागत किया। रेलवे स्टेशन पर आतिशबाजी के साथ भव्य स्वागत करने के बाद जुलूस निकाला गया, जिस पर कई जगह शहरवासियों ने पुष्प वर्षा कर अश्विनी बिश्नोई का स्वागत किया।

जैन समाज की 111 प्रतिभावान बेटियों का सम्मान

उदयपुर, (का.सं.)। सामाजिक संस्था श्री महावीर युवा मंच संस्थान, महिला प्रकोष्ठ द्वारा सौ फीट रोड स्थित शुभकेसर गार्डन में शुक्रवार को जैन समाज की 111 प्रतिभावान बेटियों का सम्मान समारोह हुआ। महिला प्रकोष्ठ की अध्यक्षा ऋतु मारू एवं महामंत्री अमिता डांगी ने बताया कि समारोह में मुख्य अतिथि शहर विधायक ताराचंद जैन व समारोह की अध्यक्षता जयनारायण विश्व विद्यालय के रजिस्ट्रार ओपी जैन ने की। सम्मानित अतिथि के रूप में राजसमंद विधायिका दीप्ति किरण माहेश्वरी, संस्थान के मुख्य संरक्षक राजकुमार फत्तावत एवं बडाला क्लासेज के निदेशक राहुल बडाला थे।

इस अवसर पर विधायक ताराचंद जैन ने कहा कि बेटियां दो परिवारों की धरोहर होती है। इसको सहेजना और संवारना समाज कर्तव्य है। 90 प्रतिशत से अधिक अंक लाने वाली 111 जैन समाज की बेटियों ने अपने टेलेन्ट से अपने आप का सिद्ध किया है। समाज भी इन बेटियों के प्रति अपना दायित्व समझते हुए इन्हे हर क्षेत्र में आगे बढ़ाने का प्रयास करें। संस्थान के मुख्य संरक्षक एवं सकल जैन समाज के अध्यक्ष राजकुमार फत्तावत ने कहा कि संस्थान की महिला प्रकोष्ठ ने केवल बेटियों का सम्मान कर एक अनुठी पहल की है। इस अवसर पर फत्तावत ने प्रतिवर्ष जैन समाज की 5 बेटियों को गोद लेकर इनकी शिक्षाए भरण-पोषण आदि का कार्य करने का भामाशाह जयन्ती पर संकल्प लिया एवं प्रकोष्ठ की बहिनों से सभी बेटियों को स्मार्ट व सशक्त गर्ल्स बनाने का आव्हान किया।

आयोजन की संयोजिका प्रिया झगडावत, चित्रलेखा तलेसरा, सुनीता बेलावत ने बताया कि सभी अतिथियों ने 111 बेटियों को प्रशस्ति पत्र, मेडल, उपरणा, श्रीफल व तिलक द्वारा सम्मानित किया गया। इस अवसर पर संस्थान के अध्यक्ष अशोक कोठारी, महामंत्री विजयलक्ष्मी गलूंडिया, बीजेएस अध्यक्ष यशवंत कोठारी, कार्यकारी अध्यक्ष दीपक सिंघवी, महामंत्री भूपेन्द्र गजावत, जेजेसी अध्यक्ष सुधीर चित्तौड़ा, कार्यकारी अध्यक्ष अरूण मेहता, महामंत्री सोनाली जैन, बीजेएस प्रदेश महामंत्री श्याम नागोरी, कोर्डिनेटर चन्द्रप्रकाश चौरडिया आदि मौजूद रहे।

राशिफल शनिवार 29 जून, 2024

पंडित अनिल शर्मा

आषाढ़ मास, कृष्ण पक्ष, अष्टमी तिथि, शनिवार, विक्रम संवत 2081, उत्तरा भाद्रपद नक्षत्र प्रात: 3:49 तक, शोभन योग सांय 6:54 तक, कौलव करण दिन 2:20 तक, चन्द्रमा आज मीन राशि में संचार करेगा।

ग्रह स्थिति: सूर्य-मिथुन, चन्द्रमा-मीन, मंगल-मेष, बुध-मिथुन, गुरू-वृष, शुक्र-मिथुन, शनि-कुम्भ, राहु-मीन, केतु-कन्या राशि में।

आज बुध कर्क राशि में दिन 12:27 पर प्रवेश करेगा। शानि वक्री रात्रि 12:40 पर होगा। आज बोहरा अष्टमी, पंचक है।

श्रेष्ठ चौघड़िया: शुभ 7:22 से 9:05 तक, चर 12:30 से 2:12 तक, लाभ-अमृत 2:14 से 5:38 तक।

राहूकाल: 9:00 से 10:30 तक। सूर्योदय 5:40, सूर्यास्त 7:20

मेष

घर-गृहस्थी के खर्चों में अनावश्यक वृद्धि हो सकती है। पारिवारिक कार्यों के कारण भागदौड़ रहेगी। आज अनर्गल कार्यों में समय खराब हो सकता है।

सिंह

अपनी कार्य योजना को सीमित रखें। आवश्यक कार्यों में विलम्ब हो सकता है। बनते कार्य बिगड़ सकते हैं। नवीन कार्यों को टालना ठीक रहेगा।

धनु

घर-परिवार में अतिथियों का आगमन बना रहेगा। परिवार में आपसी वाद-विवाद टालना ठीक रहेगा। खान-पान के कारण स्वास्थ्य खराब हो सकता है। व्यावसायिक/आर्थिक स्थिति ठीक रहेगी।

वृष

आर्थिक/वित्तिय मामलों के लिए दिन अच्छा रहेगा। आय में वृद्धि होगी। अटका हुआ धन प्राप्त होगा। व्यावसायिक कार्यों में व्यस्तता अभी यथावत बनी रहेगी।

कन्या

व्यावसायिक कार्यों के लिए दिन अच्छा रहेगा। व्यावसायिक कार्य सुगमता से बनने लगेंगे। व्यावसायिक आय में वृद्धि होगी। परिवार में आपसी सहयोग-समन्वय बना रहेगा।

मकर

परिवार में मन को प्रसन्न करने वाले संदेश प्राप्त होंगे। मित्रों/रिश्तेदारों के सहयोग से अटके हुए कार्य बनने लगेंगे। घर-परिवार में महत्वपूर्ण कार्य सम्पन्न हो सकते हैं।

मिथुन

व्यावसायिक कार्यों के लिए बाहर जाना पड़ सकता है। नौकरीपेशा व्यक्तियों को अतिरिक्त जिम्मेदारी मिल सकती है। व्यावसायिक कार्य सुगमता से बनने लगेंगे। आर्थिक स्थिति ठीक रहेगी।

तुला

व्यावसायिक कार्यों के संबंध में शुभ संदेश प्राप्त होंगे। अटके हुए कार्य बनने लगेंगे। व्यावसायिक कार्य व्यवस्थित होने लगेंगे। आर्थिक स्थिति में सुधार होगा।

कुंभ

व्यावसायिक कार्यों से संबंधित वार्ता सफल रहेगी। प्रयासों में उचित सफलता मिलेगी। नौकरीपेशा व्यक्तियों को उच्चाधिकारियों का सहयोग मिलेगा। आर्थिक स्थिति अच्छी रहेगी। धार्मिक कार्यों में सहभागिता रहेगी।

कर्क

नवीन कार्यों के संबंध में सकारात्मक आश्वासन प्राप्त होंगे। अटके हुए कार्य बनने लगेंगे। व्यावसायिक प्रयासों में उचित सफलता मिलेगी। परिवार में मनोरंजन पर खर्च हो सकता है।

वृश्चिक

व्यावसायिक आर्थिक मामलों मामलों में लापरवाही ठीक नहीं रहेगी। व्यावसायिक कार्यों में विलम्ब हो सकता है। आर्थिक स्थिति में सुधार होगा। परिवार में धार्मिक-सामाजिक समारोह सम्पन्न हो सकते हैं।

मीन

मनोस्थिति में सुधार होगा। मानसिक तनाव से राहत मिलेगी। मनोबल-आत्मविश्वास बढ़ेगा। आवश्यक कार्य योजनानुसार बनने लगेंगे। व्यावसायिक वार्ता के लिए दिन अच्छा रहेगा।

जयपुर • कोटा • बीकानेर • उदयपुर • अजमेर • जालोर • हिण्डौनसिटी • चूरू

राष्ट्रदूत

उदयपुर

Rashtradoot

epaper.rashtradoot.com

फोनः- 2418945 फैक्सः- 0294-2410146 वर्षः 31 संख्याः 236 प्रभात उदयपुर, शनिवार 29 जून, 2024 आर.जे. 7202 पृष्ठ 8 मूल्य 2.50 रु.

लोकसभा में राहुल गाँधी व राज्यसभा में खड़गे का माइक ''म्यूट''?

सोशल मीडिया पर दिनभर वायरल रही यह खबर

-रेण मित्तल-
-राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो-

नई दिल्ली, 28 जून। क्या प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी स्वयं अपने दुश्मन बन गए हैं? क्या उनकी ज़िद भाजपा को क्षति पहुँचा रही है और ऐसा परिदृश्य पैदा कर रही है, जिसमें ऐसा लग रहा है कि, वो आम आदमी के मुद्दों के साथ जुड़े हुए नहीं हैं?

भाजपा के एक वरिष्ठ सदस्य ने कहा कि, यदि संसद में नीट के मुद्दे पर बहस की अनुमति दे दी जाती तो यह भाजपा के हित में होता और एक बार जब मुद्दे पर पूरी तरह बहस हो जाती तो उसको लेकर जो दबाव बन रहा है वो थोड़ा कम हो जाता और ऐसा लगता है कि, भाजपा इस मुद्दे को लेकर चिंतित है तथा देश के युवाओं के लिए बोल रही है।

लेकिन, हुआ क्या? ओम बिड़ला तथा जगदीप धनखड़ ने विपक्ष को यह मुद्दा उठाने नहीं दिया।

लोकसभा में विपक्ष के नेता, राहुल गाँधी का माइक स्विच ऑफ था और यह खबर अब वायरल हो गई है। ओम बिड़ला का कहना है कि, उन्होंने ऐसा नहीं किया क्योंकि माइक का बटन उनके पास नहीं है।

- **सूत्रों के अनुसार, राहुल गाँधी ने जब लोकसभा में नीट फर्जीवाड़े का मुद्दा उठाया तो, उनका माईक कथित तौर पर स्विच ऑफ था, जब राज्यसभा में खड़गे ने यही मुद्दा उठाया तो उनका माईक भी म्यूट था।**
- **राहुल गाँधी और मल्लिकार्जुन खड़गे दोनों ने इस पर गंभीर आपत्ति जताई।**
- **इस मसले पर भाजपा में भी सुगबुगाहट देखी जा रही है। सूत्रों के अनुसार, एक वरिष्ठ भाजपा सांसद ने कहा कि, संसद में नीट पर बहस की अनुमति दे दी जाती तो नीट मसले पर बढ़ता दबाव कुछ कम हो जाता और युवा वर्ग में मैसेज जाता कि भाजपा को उनकी फिक्र है।**
- **एक वरिष्ठ नेता ने कहा कि, मोदी यह दिखा रहे हैं कि, सब कुछ उनके नियंत्रण में है, और कुछ भी नहीं बदला।**
- **विपक्ष के एक वरिष्ठ नेता ने यह भी कहा कि, अगर मोदी अपने तौर तरीके बदल लेते तो यह मैसेज जाता कि वे ''कमजोर'' हो गए हैं, शायद इसीलिए मोदी पुरानी कार्यशैली पर ही चल रहे हैं।**

मल्लिकार्जुन खड़गे को उठकर सदन के वैल में जाना पड़ा क्योंकि, राज्य सभा में जगदीप धनखड़ ने विपक्ष के नेता को बोलने की अनुमति देने से इन्कार कर दिया और उनका माइक भी म्यूट कर दिया गया।

एक वरिष्ठ नेता ने कहा, मोदी यह दिखाने की कोशिश कर रहे हैं कि, सब कुछ 17वीं लोकसभा जैसा ही है, कुछ भी बदला नहीं है। यह भी कि, सब कुछ उनके आदेश अनुसार ही होता है।

विपक्ष के एक नेता का कहना है कि, यह काल्पनिक परिदृश्य भाजपा को अधिक हानि पहुँचाएगा, जितना मोदी को अहसास भी नहीं है। इसमें कोई संदेह नहीं है कि, मोदी हिले हुए हैं। वो अभी भी विपक्ष के नेताओं को बोलने नहीं देने की पुरानी रणनीतियों पर चल रहे हैं। माइक म्यूट कर देना और पूरी ताकत से अपना एजेण्डा आगे बढ़ाने जैसी युक्तियाँ अब सशक्त व मौन नेता की छवि को लाभ नहीं पहुँचा रही है।

अब यदि मोदी किसी अलग अवतार में आते हैं तो यह ऐसा होगा मानो वो स्वीकार कर रहे हैं कि, अब वो एक कमज़ोर नेता हैं जो बैसाखी के सहारे चल रहा है तथा स्वयं अपनी नियति का मालिक नहीं है।

लेकिन संसद के पिछले कुछ दिन दर्शाते हैं कि, मोदी अपनी काल्पनिक दुनिया में रहना चाहते हैं, फिर चाहे पार्टी को कुछ भी नुकसान हो।

एकलपट्टा केसों की जांच के लिए समिति गठित

जयपुर, 28 जून। प्रदेश में एकल पट्टों से संबंधित प्रकरणों की निष्पक्ष जांच के लिए राज्य सरकार ने समिति का गठन किया है। मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा के निर्देश पर पूर्व न्यायाधीश आर.एस. राठौड़ की अध्यक्षता में इस समिति का गठन किया गया है। साथ ही, गृह विभाग के अतिरिक्त मुख्य सचिव एवं नगरीय विकास एवं आवासन विभाग के प्रमुख शासन सचिव इस समिति के सदस्य होंगे।

उल्लेखनीय है कि पूर्ववर्ती सरकार

- **मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने महत्वपूर्ण निर्णय लेते हुए पूर्व न्यायाधीश आर. एस.राठौड़ की अध्यक्षता में जांच समिति गठित की और कहा कि एकल पट्टा केसों की निष्पक्ष जांच होगी।**

के कार्यकाल में एकल पट्टा प्रकरण में हुई अनियमितताओं पर न्यायालय से केस वापिस लेने के लिए कमेटी गठित की गई थी। लेकिन कमेटी में तत्कालीन शहर विकास मंत्री शांति धारीवाल के कार्यालय से संबंधित अधिकारियों को शामिल किया गया था। इससे उक्त कमेटी की निष्पक्षता पर सवाल उठे थे।

पूर्व न्यायाधीश आर.एस. राठौड़ की अध्यक्षता में नव गठित समिति

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

अंततोगत्वा 5 महीने बाद रिहा हुए झारखंड के पूर्व मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन

झारखंड हाईकोर्ट ने सोरेन को जमानत देते हुए कहा कि, उनके खिलाफ प्रथम दृष्टया मनी लॉण्डरिंग का कोई केस नहीं बनता है

-डॉ. सतीश मिश्रा-
-राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो-

नई दिल्ली, 28 जून। झारखंड के पूर्व मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन को मनी लॉन्डरिंग केस में हाई कोर्ट से जमानत मिल जाने के बाद उन्हें रांची की बिरसा मुण्डा जेल से रिहा कर दिया गया। यह घटना राजनीति में इसलिए महत्वपूर्ण है कि इस बात की पूरी संभावना है कि कुछ माह बाद प्रदेश में होने वाले विधानसभा चुनावों में इंडिया ब्लॉक मजबूत होगा।

जैसे ही सोरेन जेल से बाहर निकलकर आए उनके पक्ष में जे.एम.एम. के हजारों समर्थकों ने जश्न मनाया और उनके पक्ष में नारे लगाए।

जेल से रिहाई के बाद मीडिया से बात करते हुए सोरेन ने कहा ''मुझे 5 माह तक जेल में रखा। हम यह भी गौर से देख रहे हैं कि न्याय प्रक्रिया में महीने या कुछ दिन ही नहीं बल्कि वर्षों का समय लग रहा है। आज संपूर्ण देश के लिए यह एक संदेश है कि हमारे खिलाफ एक षडयंत्र रचा गया था।''

''जो संघर्ष हमने शुरू किया था और जो संकल्प हमने लिए थे उनको मूर्तरूप देने के लिए हम काम करेंगे।''

सोरेन को जमानत उनकी याचिका पर सुनवाई व कोर्ट द्वारा दो सप्ताह तक आदेश सुरक्षित रखने के बाद दी गई है।

न्यायाधीश रोंगोन मुखोपाध्याय की एकल बैंच ने सोरेन को 50,000 रूपये के एक जमानत बाँड एवं इतनी ही राशि के दो मुचलकों पर जमानत मंजूर की है।

सोरेन के वकील ने मीडिया से कहा कि कोर्ट ने पूर्व मुख्यमंत्री को प्रथम दृष्टया दोषी नहीं माना है।

- **हाईकोर्ट की सिंगल जज बैंच ने सोरेन को 50 हजार रुपये के बेल बॉण्ड और इतनी ही राशि के दो मुचलकों पर जमानत दी।**
- **ई.डी. ने यह कहकर जमानत का विरोध किया कि, सोरेन प्रभावशाली व्यक्ति हैं और रिहा होकर वे अपने प्रभाव का दुरुपयोग कर सकते हैं। पर हाईकोर्ट ने कहा कि, सोरेन प्रथम दृष्टया अपराधी नहीं हैं और जमानत मिलने के बाद उनके कोई अपराध करने की संभावना नहीं है।**
- **झारखंड के पूर्व मुख्यमंत्री को ई.डी. ने जमीन के एक सौदे में मनी लॉण्डरिंग की जांच के दौरान इसी वर्ष 31 जनवरी को गिरफ्तार किया था। तब से सोरेन रांची की बिरसा मुंडा जेल में ही थे।**

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

विधानसभा चुनाव में स्टालिन का सिरदर्द बनेंगे तमिल सुपरस्टार विजय

तमिलनाडू के इस लोकप्रिय स्टार ने साफ कर दिया है कि, वे तमिलनाडू विधानसभा चुनाव लड़ेंगे

-लक्ष्मण वैंकट कुची-
-राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो-

नई दिल्ली, 28 जून। फिल्म अभिनेता विजय, तमिलनाडू में नशीले पदार्थों की अवैध बिक्री के नियंत्रण में द्रमुक और मुख्यमंत्री एम.के. स्टालिन के कथित रूप से विफल रहने के खिलाफ खुलकर सामने आ गए हैं। उन्होंने इस पर आश्चर्य व्यक्त किया है कि ''राज्य के सभी ईमानदार और सत्यनिष्ठ लोग क्या कर रहे हैं।''

विजय ने सभी राजनीतिक दलों को एक ही लकड़ी से हांकते हुए कहा कि राजनीति में अच्छे लोगों की जरूरत है। चैन्नई में आयोजित छात्रों के एक अभिनन्दन कार्यक्रम में दिए गए संबोधन में विजय ने राज्य की राजनीतिक दुर्दशा पर टिप्पणी की और उनकी इस टिप्पणी को लोकसभा और विधानसभा के अगले चुनावों के मद्देनज़र चुनावी तैयारी के रूप में देखा जा रहा है।

- **विजय ने इन दिनों तमिलनाडू के मुख्यमंत्री व द्रमुक के मुखिया एम.के. स्टालिन के खिलाफ मोर्चा खोल रखा है और आरोप लगाया है कि, सरकार नशीली दवाओं के कारोबार पर नियंत्रण करने में बुरी तरह नाकाम रही है।**
- **तमिलनाडू की राजनीति हमेशा से तमिल फिल्म इंडस्ट्री का प्रिय मैदान रही है। करूणानिधी, एम.जी. रामचंद्रन, सभी का फिल्मों से गहरा जुड़ाव रहा है, और अब एक्टर विजय भी इस क्षेत्र में जोर आजमाना चाहते हैं।**
- **विजय युवा वर्ग में बेहद लोकप्रिय हैं। हर धर्म और जाति के उनके प्रशंसक हैं। राजनीति में उनके आगमन की खबर से सत्तारुढ़ पार्टी में बैचेनी बढ़ने लगी है।**
- **विजय ने युवाओं में बढ़ती नशे की लत व नशे के कारोबार पर निशाना साधकर अपने इरादों का संकेत दे दिया है।**

विजय, तमिलनाडू की उन फिल्मी हस्तियों में से एक बनना चाहते हैं, जिन्होंने मुख्यमंत्री की कुर्सी तक पहुँचकर बड़ा नाम कमाया है। एम.जी. रामचन्द्रन और उनके संरक्षण में रहीं, जे. जयललिता तथा द्रमुक सुप्रीमो एवं पटकथा लेखक, एम. करूणानिधि,

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

'पशु चिकित्सकों की रिटायरमैंट आयु 62 साल क्यों नहीं'

जयपुर, 28 जून (का.सं.)। राजस्थान हाईकोर्ट ने पूछा है कि पशु चिकित्सकों की रिटायरमैंट आयु सीमा 60 साल क्यों है 62 साल क्यों नहीं। हाई कोर्ट ने इस मामले में अतिरिक्त मुख्य वित्त सचिव, प्रमुख कार्मिक सचिव और संयुक्त पशुधन सचिव सहित चिकित्सा सचिव से जवाब तलब

- **राजस्थान हाईकोर्ट ने अतिरिक्त मुख्यसचिव, प्रमुख कार्मिक सचिव और संयुक्त पशुधन सचिव से जवाब मांगा है। ज्ञातव्य है कि, एम.बी.बी.एस. चिकित्सक 62 वर्ष की आयु में रिटायर होते हैं, पर पशु चिकित्सकों को 60 वर्ष की आयु में रिटायर कर दिया जाता है।**

किया है। हाई कोर्ट की खंडपीठ ने यह आदेश डॉ. पदमचंद जैन व अन्य की याचिकाओं पर सुनवाई करते हुए यह आदेश दिया। अदालत ने इन अधिकारियों से पूछा है कि जब एम.बी.बी.एस. चिकित्सकों की

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

'मनी लॉण्डरिंग रोकने में भारत विश्व में सबसे आगे'

अंतर्राष्ट्रीय संस्था, फाइनैंशियल एक्शन टॉस्क फोर्स ने कहा कि, भारत के वित्तीय नियम और पूंजी प्रवाह पर निगरानी करने वाली संस्थाएं काफी सशक्त हैं

-अंजन रॉय-
-राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो-

नई दिल्ली, 28 जून। भारत को एक ऐसे देश के रूप में मान्यता मिली है जो मनी लॉण्डरिंग और टैरर फण्डिंग की गतिविधियों की रोकथाम में वैश्विक रूप से अग्रणी है। भारत के वित्तीय नियमन तथा वित्तीय त्रुटियों की निगरानी का सिस्टम भारत के और यहाँ आने वाली बकायदा वित्तीय गड़बड़ियों को दूर करने में प्रभारी रूप से काम करते हैं।

भारत को यह मान्यता, पूरी दुनिया और देशों के भीतर मनी लॉण्डरिंग, टैरर फायनैंसिंग व अनियमित वित्तीय त्रुटियों की रोकथाम करने वाली एक वैश्विक संस्था फायनैंशियल एक्शन टॉस्क फोर्स (एफ.ए.टी.एफ.) ने दी है। यह अंतर सरकारी संस्था एक वैश्विक निगरानी एजेंसी है। भारत को सिंगापुर के एक विशेष एकांश द्वारा पारस्परिक मूल्यांकन के बाद ''रैग्यूलर फॉलोअप'' श्रेणी में रखा गया। यह श्रेणी पर्यवेक्षण और जाँच के स्वीकार्य मापदण्डों की एक मान्यता है।

इस प्रकार की मान्यता उपयोगी है क्योंकि यह मान्यता मिलने के बाद देश को वित्तीय सैक्टर के ग्लोबल प्लेयर्स के लिए सुरक्षित गंतव्य माना जाता है। इससे देश की व्यापारिक संस्थाओं की वैश्विक वित्तीय

- **फाइनैंशियल एक्शन टॉस्क फोर्स (एफ.ए.टी.एफ.) टैरर फंडिंग, मनी लॉण्डरिंग और विभिन्न देशों से होने वाले गैर कानूनी वित्तीय लेन-देन पर नज़र रखती है।**
- **भारत 2010 में इस संस्था में शामिल हुआ था, तबसे ही भारत में गैर कानूनी वित्तीय प्रवाह पर कड़ा नियंत्रण रखा जाता है।**
- **भारत ने अधिकांश अन्तर्राष्ट्रीय अकाउन्टिंग स्टैण्डर्ड्स अपना रखे हैं जो बेहद कठोर हैं।**

बाजारों तक पहुँच में भी सुधार होता है।

यह वैश्विक क्रेडिट रेटिंग एजेन्सीज़ से उच्च क्रेडिट रेटिंग प्राप्त करने के समान है। एफ.ए.टी.एफ. से मान्यता प्राप्त करने के लिए किसी देश को ग्लोबल अकाउन्टिंग स्टैण्डर्स भी व्यवहार में लाने पड़ते हैं।

भारत ने वर्षों पहले, अधिकांश इन्टरनैशनल अकाउन्टिंग स्टैण्ड्र्स अपना लिए थे, जो व्यवहारिक रूप से थोड़े सख्त होते हैं। एफ.ए.टी.एफ. का व्यवहारिक उपयोग वश्विक आतंकवाद के प्रसार के विरोध में 1990 के दशक में शुरु किया गया था। पश्चिमी देशों ने आरंभ में इसकी शुरुआत ऑर्गनाइज़ेशन कोर इकोनॉमिक को-ऑपरेशन एण्ड डवलपमैंट (ओई.सी.डी.) के नेतृत्व में की थी।

कुछ ही अन्य देशों को भारत जैसी श्रेणी में रखा गया है।

पाकिस्तान ने प्राय: सीमा पार आतंकवाद को प्रोत्साहित किया है और ऐसी बेहिसाब वित्तीय त्रुटियों में उनकी भागीदारी रही है। मनी लॉण्डरिंग की रोकथाम में पाकिस्तान की एफ.ए.टी.एफ. रैंकिंग बहुत नीचे है।

वित्तीय सहायता व संसाधन उपलब्ध कराए बिना सीमा पार आतंकी गतिविधियां नहीं हो सकतीं। ऐसी गतिविधियां को फण्डिंग करने का प्रत्यक्ष परिणाम है वैश्विक आतंकवाद। भारत वर्ष 2010 में एफ.ए.टी.एफ. बिरादरी का हिस्सा बना था और वह तब से ही अनियंत्रित वित्तीय गड़बड़ियों पर कठोर प्रतिबंध लगाता रहा है। एक सदस्य देश के रूप में भारत मनी लॉण्डरिंग और टैरर फण्डिंग के खिलाफ उपाय करने को बाध्य है।

टैलिकॉम कंपनियों ने मोबाइल रीचार्ज 27% तक महंगा किया

नई दिल्ली, 28 जून। देश की दोनों ही प्रमुख टेलीकॉम कंपनियों जियो और एयरटेल ने अपने रीचार्ज प्लान्स की कीमतों में इजाफा कर दिया है। जियो ने करीब ढाई साल बाद अपने रीचार्ज प्लान्स कीमतों में इजाफा किया है। जहां एयरटेल ने अपने प्लान्स को 600 रुपये

- **जियो ने रीचार्ज प्लान में 12-27 प्रतिशत की बढ़ोतरी की है तथा एयरटेल ने अपने रीचार्ज प्लान्स को 600 रुपये तक महंगा कर दिया है।**

तक महंगा किया है, वहीं जियो के प्लान्स की कीमतों में 27 परसेंट तक की बढ़ोतरी हुई है।

दोनों कंपनियों ने 5 जी सर्विस लॉन्च के बाद अपने प्लान्स में ये बड़ी बढ़ोतरी की है। इससे पहले भी टेलीकॉम कंपनियों ने कुछ प्लान्स को रिवाइज किया था, लेकिन इस बार पूरे

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

दो राजनैतिक घटनाक्रमों से तिलमिलाए नीतीश दिल्ली पहुँचे

आज होने वाली जद (यू) की नैशनल एग्ज़िक्युटिव बैठक में नीतीश बड़ा बयान दे सकते हैं

-श्रीनंद झा-
-राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो-

नई दिल्ली, 28 जून। बिहार के मुख्यमंत्री नीतीश कुमार जनता दल (यूनाइटेड) की राष्ट्रीय कार्यकारिणी की बैठक के लिए आज दिल्ली पहुँचे। बैठक शनिवार को शुरु होगी। यह बैठक हाल ही की दो महत्वपूर्ण राजनीतिक घटनाओं की पृष्ठभूमि में हो रही है। नीतीश सरकार ने आरक्षण कोटा में बढ़ाने की जो घोषणा की थी, उसे पटना हाई कोर्ट ने खारिज कर दिया और दूसरी घटना है, भाजपा के वरिष्ठ नेता अश्विनी चौबे द्वारा हाल ही में दिया गया वक्तव्य, जिसमें उन्होंने कहा है कि, भाजपा को 2025 का विधानसभा चुनाव स्वयं अपने बल पर लड़ना चाहिए।

हाई कोर्ट के आदेश से जहाँ नीतीश कुमार बचाव की मुद्रा में आ गए हैं, वहीं, चौबे की टिप्पणियाँ ऐसे समय में शर्मिंदगी का कारण बनी हैं, जबकि, नरेन्द्र मोदी सरकार अपने सरवाइवल के लिए मुख्य रूप से नीतीश की पार्टी पर निर्भर है।

संभावना है कि, अपनी दिल्ली यात्रा के दौरान नीतीश कुमार प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी और गृह मंत्री अमित शाह के साथ मीटिंग में चौबे की टिप्पणी का मसला उठाएंगे।

- **नीतीश कुमार के आरक्षण कोटा बढ़ाने के फैसले को पटना हाईकोर्ट ने रद्द कर दिया है, जिससे नीतीश की भारी किरकिरी हुई है।**
- **नीतीश को आशंका है कि, कि हाईकोर्ट इस फैसले से राष्ट्रीय जनतादल के नेतृत्व वाले महागठबंधन को लाभ होगा। इसी से आशंकित होकर वे विधानसभा चुनाव एक साल देरी से, महाराष्ट्र, हरियाणा व झारखंड के चुनावों के साथ, कराने पर जोर दे रहे हैं।**
- **भाजपा ने ना केवल नीतीश के इरादों पर चुप्पी साध रखी है, बल्कि भाजपा के एक वरिष्ठ नेता अश्विनी चौबे ने तो यह तक कह डाला कि, भाजपा को विधानसभा चुनाव अकेले लड़ना चाहिए।**
- **इससे यह संकेत मिलता है कि, बिहार में भाजपा और जद (यू) के बीच सब कुछ ठीक नहीं है, जबकि केन्द्र में भाजपा सरकार नीतीश के समर्थन पर आश्रित है।**
- **समझा जाता है कि, नीतीश इस मसले को प्रधानमंत्री मोदी व गृहमंत्री अमित शाह के समक्ष उठाएंगे, साथ ही राष्ट्रीय कार्यकारिणी की बैठक में ऐसी रणनीति पेश करेंगे जिससे जद (यू) तथा उनकी खुद की प्रासंगिकता बनी रहे।**

जद (यू) के दो नेताओं (राजीव रंजन उर्फ लल्लन सिंह और राम नाथ ठाकुर) को मोदी के मंत्रिमण्डल में शामिल किया गया है और जद (यू) ने स्पीकर के लिए भाजपा की पसंद, ओम बिड़ला का समर्थन भी किया है।

लेकिन, बिहार में भाजपा और जद (यू) के बीच सब कुछ ठीक नहीं लग रहा है। इस बारे में अटकलबाजिया उस समय शुरु हुईं जब, भाजपा नेता और उप मुख्यमंत्री सम्राट चौधरी, मुख्यमंत्री नीतीश कुमार की कॉल आने पर जल्दबाजी में एक महत्वपूर्ण मीटिंग छोड़कर चले गए। यह मीटिंग भाजपा महामंत्री विनोद तावडे ने हाल में संपन्न लोकसभा चुनावों में पार्टी के प्रदर्शन की समीक्षा करने के लिए बुलाई थी तथा मीटिंग में नवम्बर 2025 में होने वाले राज्य विधानसभा चुनावों के लिए रणनीतियों पर भी चर्चा होनी थी।

आरक्षण के मामले पर हाई कोर्ट का आदेश आने के बाद आर.जे.डी. के नेतृत्व वाले महागठबंधन की लोकप्रियता में वृद्धि होने की आशंका में कुमार इस अनुचित मांग पर दबाव देते रहे हैं कि बिहार में विधानसभा चुनाव एक वर्ष के लिए टाल दिए जाए और बिहार चुनाव महाराष्ट्र, हरियाणा व झारखण्ड में होने वाले चुनावों के साथ कराए जाए। भाजपा इस विचार पर शांत है।

कल होने वाली राष्ट्रीय कार्यकारिणी की बैठक में कुमार प्रभावी रणनीति के साथ आने का प्रयास करेंगे ताकि उनकी पार्टी और उनकी स्वयं की राजनीतिक प्रासंगिकता बरकरार रहे।

कुमार को एक चतुर नेता के रूप में जाना

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

बारिश का पानी शशि थरूर के घर में घुसा

नई दिल्ली, 28 जून। दिल्ली में शुक्रवार को हुई बारिश से कई इलाकों में पानी भर गया। सड़कों पर वाहन पानी में डूबे नजर आए। भारी बारिश के कारण दिल्ली की सड़कों पर कई किलोमीटर लंबा ट्रैफिक जाम भी नजर आया। कांग्रेस सांसद शशि थरूर ने बारिश की वजह से अपने लुटियंस दिल्ली के घर में फिर से पानी भर जाने की कहानी

- **शशि थरूर ने कहा, मैंने सुबह उठकर देखा तो मेरे घर के हर कमरे में एक फुट पानी था।**

एक्स पर शेयर की। उन्होंने एक वीडियो शेयर करते हुए बताया कि, सुबह जागने पर उनके घर के हर कमरे में एक फुट पानी था।

एक्स पोस्ट में उन्होंने लिखा, ''कारपेट्स, फर्नीचर, बिल्कुल हर चीज खराब हो गई। शायद मोहल्ले के स्टॉर्म वॉटर ड्रेनेज भर गए थे, इसलिए पानी

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

कोटा में सवा तीन इंच बरसात से कई इलाके जलमग्न, नदी-नालों में उफान आया

बारिश होने से जनजीवन अस्त-व्यस्त, निचली बस्तियों और कॉलोनी में बारिश का पानी भरा

कोटा में भारी बरसात के चलते डकनिया रेलवे स्टेशन के स्टैंड में खड़े वाहन पानी में डूब गए।

कोटा, (निसं)। कोटा में मानसून सीजन की अब तक की सबसे तेज बारिश गुरुवार रात को हुई है। गुरुवार शाम 8 बजे से बारिश का क्रम शुरू हुआ, जो शुक्रवार अल सुबह तक जारी था। शुक्रवार दोपहर में भी शहर के कुछ स्थानों पर बरसात का दौर चला। मौसम विभाग के अनुसार 24 घंटे में 85.9 मिलीमीटर यानी 3.38 इंच बारिश हुई है। बारिश होने से जनजीवन अस्त-व्यस्त भी हुआ है। कई निचली बस्तियों और कॉलोनी में बारिश का पानी भर गया है।

कोटा के उपनगरीय रेलवे स्टेशन डकनिया पर स्मार्ट स्टेशन बनाने का निर्माण कार्य जारी है। ऐसे में नालों के अवरुद्ध होने के चलते स्टेशन की पार्किंग में पानी प्रवेश कर गया। इसी तरह से बोरखेड़ा, स्टेशन, जवाहर नगर, बजरंगनगर, प्रेमनगर क्षेत्र में निचली बस्ती और कॉलोनी में पानी भर गया। दूसरी तरफ देवली अरब रोड पर महिलाओं ने सड़क जाम कर दिया। मामला सीवरेज लाइन डालने के दौरान सड़क को खोद देने का था। अब वहां पर बारिश हो जाने के चलते आवागमन पूरी तरह से बाधित हो गया है। जहां पर देर रात को पुलिस भी पहुंची थी और लोगों से समझाईश की थी जिसके बाद महिलाओं ने रास्ता खोल दिया था। गुरुवार रात को हुई बारिश को मिलाकर इस सीजन में अब तक कोटा में 212 मिलीमीटर बारिश हो चुकी है। अच्छी बारिश गिरने के बावजूद न्यूनतम तापमान में बढ़ोतरी हुई है। बारिश के बाद नदी नालों में उफान आने से मगरमच्छों का खतरा बढ़ गया है। मगरमच्छ नदी नालों से निकलकर कॉलोनी और खाली प्लाटों में पहुंच रहे हैं। सड़कों पर उनकी चहलकदमी नजर आ रही है।

लाड़पुरा रेंज के वनकर्मी वीरेंद्र सिंह हाड़ा ने बताया कि नाग-नागिन मंदिर से 80 फिट रोड की तरफ जा रही नहर के समानांतर सड़क के नजदीक बनी एक मल्टी स्टोरी बिल्डिंग में करीब 5 फीट लंबा मगरमच्छ का बच्चा प्रवेश कर गया था जिसकी सूचना पर लाडपुरा रेंज की टीम पहुंची थी। जिन्होंने क्रोकोडाइल का रेस्क्यू किया है। वनकर्मी हाड़ा ने बताया कि बीते दो दिनों में चार क्रोकोडाइल का रेस्क्यू अब तक कर चुके हैं।

इसी तरह से मुकुंदरा हिल्स टाइगर रिजर्व के नजदीक के इलाके में नीलगाय दलदल में फंस गई थी इसकी सूचना रेंजर प्रद्युम्न सिंह राठौड़ को मिली। इसके बाद उन्होंने मुकुंदरा हिल्स टाईगर रिजर्व के नाका प्रभारी राजवीर सिंह को मौके पर भेजा। जिन्होंने नीम की चौकी के पास तलाई में मादा नीलगाय को आधे घंटे की मशक्कत के बाद दलदल से बाहर निकाला और सुरक्षित जगह पर रिलीज किया। इस दौरान उनके साथ बॉर्डर होमगार्ड का जवान पूनम सिंह ने भी मदद की है। राजवीर का कहना है कि खाने की तलाश में मादा नीलगाय घूम रही होगी। इसी के चलते वह दलदल में फंस गई थी। उसका रेस्क्यू नहीं किया जाता तो उसकी जान चली जाती।

जोधपुर में दूसरे दिन भी बरसात जारी रही

- पावटा, मंडोर सहित अन्य क्षेत्रों में सड़कों पर पानी भरने से वाहनों का जाम लगा

जोधपुर, (कासं)। जोधपुर में शुक्रवार को दूसरे दिन भी बरसात जारी रही। आधे शहर में अच्छी बरसात हुई। भीतरी शहर में सड़कों पर नदी की तरह पानी बहने लगा। वहीं पावटा, मंडोर सहित अन्य क्षेत्रों में सड़कों पर पानी भरने से वाहनों का जाम लगा। शुक्रवार दोपहर 12 बजे के करीब हल्की बरसात का दौर शुरु हुआ जो डेढ़ बजे तक तेज हो गई। पावटा, महामंदिर, मंडोर सूरसागर आदि क्षेत्रों में तेज बरसात हुई। शहर के अलग-अलग क्षेत्रों में तेज फिर धीरे बरसात ने मौसम खुशनुमा कर दिया लेकिन उमस बरकरार रही।

इधर बकरा मंडी गंगलाव तालाब के आस-पास निचले घरों में पानी भर गया। घरों के निवासी को क्षेत्रवासियों ने बाहर निकाला। शुक्रवार को भी इन इलाकों से पानी निकालने की कवायद जारी थी ऐसे में फिर बारिश आ गई। गुरुवार को हुई बरसात में एयरपोर्ट रोड स्थित खुले नाले में 22 वर्षीय युवक तगाराम मेघवाल की मौत हो गई। मृतक के परिजनों ने महात्मा गांधी अस्पताल की मोर्चरी के बाहर धरना देकर जिम्मेदारों के खिलाफ कार्रवाई की मांग की और मुआवजे की मांग की।

गुरूवार को जोधपुर में बरसात के पानी से गटर लाइन के खुले होल में डूबने से तगाराम मेघवाल की मौत हो गई थी जिसका शुक्रवार को महात्मा गांधी अस्पताल की मोर्चरी में पोस्टमार्टम कराने हेतु तगाराम के परिजनों एवं समाज के गणमान्य लोगों ने निगम से आर्थिक सहायता, मृतक के परिवार में से एक व्यक्ति को संविदा पर नौकरी व अन्य मांग की। वार्ता के लिए नगर निगम दक्षिण महापौर वनीता सेठ पहुंची और मृतक के परिजनों को सांत्वना देते हुए परिवार के एक व्यक्ति को निगम में संविदा पर नौकरी व एक डेयरी बूथ की दुकान देने की घोषणा कर मृतक के पिता नरपतराम को 20 लाख रुपये का चेक सौंपा तथा 10 लाख रुपये और देने की घोषणा की, उसके बाद मृतक का पोस्टमार्टम कर शव परिजनों को सौंपा गया।

धौलपुर के कई क्षेत्रों में हुई बारिश लोगों के लिये आफत बनी

- बरसात के पानी का भराव होने से कई जगह पक्की दीवारें धराशाही हुई
- गाड़िया लुहारों की झुग्गी झोपड़ियां जलमग्न होने से काफी समस्या गहराई

धौलपुर, (निसं)। धौलपुर जिले के बसई नवाब क्षेत्र भर में हुई जोरदार बारिश कहीं राहत तो कहीं आफत बनी हुई है। बसई नवाब में नालों की सफाई नहीं होने से बरसात का पानी लोगों के लिए आफत बन गया है। नालों की सफाई नहीं होने से जाटव बस्ती सहित मनियां सड़क मार्ग पर चारों ओर बरसात के पानी का भराव होने से कई जगह पक्की दीवार धराशाही हो गई। वहीं गाड़िया लुहारों की झुग्गी झोपड़ियां जलमग्न होने से काफी समस्या गहरा गई है।

तेज बारिश के बीच जाटव बस्ती के राजेंद्र पुत्र तुलाराम, आकाश और हेमंत के घर के बाहर डला टीन सैट भरभरा कर जा गिरा। इस दौरान टीन सेट के नीचे सो रहे परिवार की एक महिला बेवी पत्नी मुनीष सहित कई सदस्य घायल हो गए। वहीं मुकेश जाटव की मकान की दो पट्टियां टूट गई। इधर मानसून की पहली जोरदार बारिश ने ठााम पंचायत बसई नवाब में व्यवस्थाओं की पोल खोल दी है। कल्याण सिंह सहित अन्य लोगों का आरोप है कि ग्राम पंचायत की ओर से बारिश से पूर्व नालों की सफाई नहीं कराई गई है। ऐसे में नालों की सफाई नहीं होने से निकासी अवरुद्ध बनी हुई है। जिससे चारों ओर पानी ही पानी नजर आ रहा है।

वहीं धौलपुर के राजाखेड़ा में पहली मानसून की बारिश ने फिर एक बारनगरपालिका के दावों की पोल खोल दी है। जिसके कारण गुरुवार रात में हुई बारिश ने राजाखेड़ा की गलियों को जलमग्न कर दिया। जिससे आमजन को भारी समस्या का सामना करना पड़ रहा है। गुरुवार-शुक्रवार की रात मानसूनी बारिश होने के कारण राजाखेड़ा नगरपालिका क्षेत्र के वार्ड 9 के अलावा अन्य गलियां तालाब बन गईं। जिसके कारण वार्ड निवासी घर से भी नही निकल पाए। शुक्रवार सुबह कॉलोनी में रह रहे लोगों का आक्रोश फूट गया और एकत्रित हो गए, जिन्होंने नगरपालिका प्रशासन के खिलाफ मोर्चा खोल दिया।

पुलिस अधीक्षक ने बजरी माफिया के खिलाफ कार्रवाई की

बौंली-बामनवास, (निसं)। सवाई माधोपुर पुलिस अधीक्षक ममता गुप्ता ने शुक्रवार को लालसोट- कोटा मेगा हाईवे मलारना चौड व टोंड के पास अचानक पुलिस टीम के साथ पहुंचकर अवैध बजरी खनन व परिवहन करने वालों के खिलाफ कार्रवाई की। इस दौरान एसपी ने मौके से चार ट्रेलर अवैध बजरी से भरे जब्त कर मलारना डूंगर थाने में भिजवाए, वहीं अन्य वाहन बजरी खाली कर फरार हो गए।

मलारना डूंगर थाना अंतर्गत लालसोट-कोटा मेगा हाईवे पर भाड़ोती व मलारना चौड पुलिस चौकी होते हुए भी अवैध बजरी खनन व परिवहन की लगातार शिकायतें आती रहती है। 23 जून की रात को कृषि मंत्री डॉ. किरोडी लाल मीणा ने रसूलपुरा गांव पहुंचकर मौके से अवैध बजरी से भरे वाहनों को पकड़कर एसपी ममता गुप्ता को मौके पर बुलाया था। गुरुवार को भी हाईवे पर अवैध बजरी परिवहन होता रहा। इस शिकायत के बाद शुक्रवार को पुलिस अधीक्षक ममता गुप्ता ने एक्शन लिया एवं मय टीम के मौके पर पहुंचकर बजरी खनन व परिवहन माफिया के खिलाफ कार्रवाई की। इस कार्रवाई के दौरान मलारना डूंगर थाना प्रभारी, भाड़ोती व मलारना चौड चौकी प्रभारी को जमकर लताड़ा व भविष्य में ध्यान रखने की हिदायत दी।

अनुपस्थित रहे 10 अभ्यर्थियों को अंतिम अवसर

अजमेर, (कासं)। राजस्थान लोक सेवा आयोग द्वारा राजस्व अधिकारी ग्रेड-द्वितीय एवं अधिशाषी अधिकारी वर्ग-चतुर्थ प्रतियोगी परीक्षा-2022 के तहत आयोजित पात्रता जांच में अनुपस्थित रहे 10 अभ्यर्थियों को अंतिम अवसर प्रदान किया गया है।

इन अभ्यर्थियों को 3 जुलाई सुबह 9.30 बजे आयोग कार्यालय में आवश्यक रूप से उपस्थित होना होगा। विस्तृत सूचना एवं अनुपस्थित रहे अभ्यर्थियों की सूची आयोग वेबसाइट पर उपलब्ध है। आयोग के वरिष्ठ उप सचिव अजय चौहान ने बताया कि उक्त परीक्षा के तहत पात्रता जांच के लिए 21 नवंबर 2023 को विचारित सूची जारी कर 11 से 13 दिसंबर 2023 तक काउंसलिंग का आयोजन किया गया था।

महिला कर्मचारी सहित दलाल को रिश्वत लेते पकड़ा

महिला कर्मचारी ठेकाकर्मियों की हाजिरी में 12 अटेंडेंस ज्यादा जोड़कर कमीशन मांगती थी

जोधपुर, (कासं)। जोधपुर के मथुरादास माथुर अस्पताल में एसीबी टीम ने महिला कर्मचारी सहित दलाल को रिश्वत लेते हुए पकड़ा है। महिला कर्मचारी ठेकाकर्मियों का हाजिरी रजिस्टर मेंटेन करती थी। कर्मचारियों की हाजिरी में 12 अटेंडेंस ज्यादा जोड़कर कमीशन के रुपए मांगती थी। शिकायत के बाद एसीबी की टीम ने शुक्रवार को उसे और दलाल को रिश्वत लेते दबोचा है। पकड़े जाने पर महिला कर्मचारी सिर पकड़कर रोने लगी।

एसीबी के डीवाईएसपी गोरधनराम ने बताया कि मथुरादास माथुर अस्पताल में संविदा पर नियुक्त एक कर्मचारी ने शिकायत की थी। उसने बताया था कि, हॉस्पिटल की ईसीजी टेक्नीशियन वैशाली शर्मा ठेका कर्मियों की अटेंडेंस भरती है। उन्होंने एक टेक्नीशियन के तौर पर 27 दिन हॉस्पिटल में काम किया था लेकिन इंचार्ज वैशाली शर्मा ने 40 दिन की उपस्तिथि कर रिकॉर्ड बनाकर पेमेंट पास किया। इसके बाद 12 दिन की हाजिरी ज्यादा लिखने की एवज में कमीशन के 3600 रुपए की मांग की। शिकायत मिलने पर एसीबी ने सत्यापन करवाया, जिसमें रिश्वत मांगने की पुष्टि हुई। टीम ने कार्रवाई करते हुए मथुरा दास माथुर अस्पताल मल्टी लेवल आईसीयू में एक टेक्नीशियन के ऑफिस में कार्रवाई की। परिवादी से रिश्वत के रुपए लेने के बाद वैशाली ने दलाल पीयूष शर्मा को दिए थे। इसके बाद दलाल ने कुछ रुपए उसे दिए। एसीबी ने वैशाली के बैग से 3600 रुपए की राशि बरामद कर दलाल सहित पकड़ा।

उपराष्ट्रपति जगदीप धनखड़ की पत्नी डॉ. सुदेश धनखड़ झुंझुनूं के किठाना गांव पहुंची। किठाना गांव में अपने निजी आवास पर उन्होंने ग्रामीणों से मुलाकात की। इस मौके पर भाजपा नेता राजेंद्र भांबू समेत अन्य ग्रामीणों ने डॉ. सुदेश धनखड़ का चुनरी ओढाकर स्वागत किया। इस मौके पर भांबू व ग्रामीणों ने क्षेत्र के विकास को लेकर उनके साथ चर्चा की। इसके अलावा समस्याओं के समाधान को लेकर भी बातचीत की। डॉ. सुदेश धनखड़ ने इस मौके पर कहा कि, उपराष्ट्रपति जगदीप धनखड़ आज भी झुंझुनूं के विकास के लिए सोचते रहते हैं। झुंझुनूं के विकास और उत्थान के लिए जो भी सुझाव हैं। समय-समय पर उनके पास पहुंचते हैं। जिन पर वे व्यक्तिगत रूचि रखते हुए काम करते हैं।

दिनदहाड़े बच्चे का अपहरण

हिम्मत दिखाकर अपहर्ताओं के चंगुल से छूटकर बच्चा घर पहुंच गया

श्रीकरणपुर, (निसं)। क्षेत्र के गांव रूपनगर में दिनदहाड़े 12 वर्षीय बच्चे के अपहरण का मामला सामने आया है। मोटरसाइकिल पर मुंह बांधकर आए दो अज्ञात लोगों ने घटना को अंजाम दिया। हिम्मत दिखाकर किसी तरह अपहर्ताओं के चंगुल से छूटकर बच्चा कुछ देर बाद घर पहुंच गया लेकिन घटनाक्रम को लेकर गांव में दहशत का माहौल है। ग्रामीणों ने डीएसपी से मिलकर प्रकरण में मुकदमा दर्ज करने व त्वरित कार्रवाई की मांग की।

जानकारी अनुसार ग्रामीणों के साथ आए परिवादी निशान सिंह पुत्र चंद सिंह निवासी चक 50 एफ रूपनगर ने डीएसपी संजीव चौहान को घटनाक्रम की जानकारी दी। परिवादी ने बताया कि मंगलवार दोपहर करीब सवा दो बजे उसका पुत्र करणवीर सिंह (12) घर के चौबारे पर खेल रहा था। इस दौरान घर के दरवाजे के पास मोटरसाइकिल पर आए मुंह बांधकर दो अज्ञात व्यक्ति आए। मोटरसाइकिल की आवाज सुनकर करणवीर ने नीचे देखा तो उन्होंने उसे नजदीक आने का इशारा किया। इस पर वह नीचे उतरकर दरवाजे पर आया तो उन दोनों ने करणवीर का मुंह बंद कर उसे मोटरसाइकिल पर बिठा लिया और नहर के साथ सड़क पर कस्बे की ओर रवाना हो गए। इस दौरान करणवीर ने खुद को छुड़वाने का प्रयास किया तो घर से करीब आधा किमी दूर वह अपहरणकर्ताओं के हाथों से निकलकर नीचे गिर गया। इसके बाद बाद वह नहर पर पड़े फट्टे से खेतों की ओर भाग गया और वहां खेत में ट्रैक्टर जोत रहे किसानों के पास रुका रहा। आधे-पौने घंटे बाद जब वह घर आया तो उसके हाथ व कोहनी पर चोटें लगी थी और उसकी कमीज भी फटी हुई थी। हालांकि, तब उसके परिजन उसे ढूंढ रहे थे। घर आने पर करणवीर ने सारा वाकया अपने परिजन को बताया।

कुएं में युवक का शव मिला

मालपुरा, (निसं)। डिग्गी थाना क्षेत्र के कलमंडा सड़क मार्ग पर गुरूवार की देर रात्रि को कुएं में एक युवक का शव मिला। थानाधिकारी कप्तान सिंह ने बताया कि सूचना पर तत्काल पुलिस टीम मौके पर पहुंच शव को कुएं से निकाल डिग्गी अस्पताल की मोर्चरी में रखवाया। शव की पहचान डूंगरी कलां निवासी शंकर बागरिया के रूप में की गई।

RAJASTHAN HOUSING BOARD
No. RE-X/RHB/JPR/2024-25/163 Date :- 25.06.2024
NIB: RE-X/2024-25/01
Bids for 1. Plantation Work including 5 year O & M of plants at Mahala Scheme Jaipur 2. Annual Maintenance of Community Centre Sector -26, Pratap Nagar Sanaganer Jaipur are invited from interested bidders from 01.07.2024 to 10.07.2024 up to 6:00 PM. Other particular of bid may be visited on the procurement portal (http://eproc.rajasthan.gov.in, http://sppp.raj.nic.in) of the state & https://rhb.rajasthan.gov.in of the department website.
UBN : 1 RHB2425WSOB00051 2. RHB2425WSOB00052
Raj.Samwad/C/24/1427 Resident Engineer, DIV X, Jaipur

कोटा विकास प्राधिकरण, कोटा
क्रमांक:-एफ 3/लेखा/24-25/772-780 दिनांक: 24.06.2024
अल्पकालीन निविदा सूचना संख्या: 03/2024-25
कोटा विकास प्राधिकरण, कोटा की ओर से अनुभवी संवेदकों / सेवा प्रदाता एजेन्सियों से निर्धारित प्रपत्र में ई-प्रोक्यूरमेन्ट प्रक्रिया से निम्नांकित 01 कार्य (UIK2425WLOB00143) हेतु ऑन लाईन निविदाएं आमंत्रित की जाती है। कार्य का विस्तृत विवरण, निविदा शर्तें, निविदा बेचने, प्राप्त करने एवं खोलने की दिनांक आदि सम्पूर्ण विवरण वेबसाईट https://eproc.rajasthan.gov.in, https://sppp.rajasthan.gov.in एवं http:/urban.rajasthan.gov.in/uitkota पर देखा जा सकता है।
अधिशाषी अभियंता
राज./संवाद/सी/24/1380 कोटा विकास प्राधिकरण, कोटा

कार्यालय उप निदेशक सामाजिक न्याय एवं अधिकारिता विभाग, जालोर
Email:-dio.jlr@rajasthan.gov.in, पता : नर्मदा कॉलोनी, सामतीपुरा रोड, जालोर
क्रमांक / सान्याअधि/2024/440 दिनांक :- 20.06.2024
ई-निविदा सूचना 02/2024-25
कार्यालय उप निदेशक सामाजिक न्याय एवं अधिकारिता विभाग, जालोर के अधीन छात्रावासों में चौकीदार व रसोईया जॉब बेसिस पर कार्य कराने हेतु ई-निविदा आमंत्रित की जाती है। कार्यों की अनुमानित लागत, टेण्डर बेचे जाने तथा प्राप्त करने की तारीख, टेण्डर शर्त आदि का सम्पूर्ण विवरण https://eproc.rajasthan.gov.in, https://sppp.rajasthan.gov.in पर उपलब्ध है
NIB No-SOC2425A0025
UBN No-SOC2425SLOB00039
उप निदेशक
सामाजिक न्याय एवं अधिकारिता
विभाग जालोर
DIPR/C/5036/2024

नगर निगम ग्रेटर जयपुर
पण्डित दीनदयाल उपाध्याय भवन, लालकोठी, जयपुर
क्रमांक :– जसअ/2023–24/28 दिनांक : 24.06.2024
ई–निविदा सूचना क्रमांक :– 8/2024–25
SUPPLY, DELIVERY AND INSTALLATION OF STATIC COMPACTOR MACHINES, HOOK LOADERS AND CONTAINERS WITH OPERATION & MAINTENANCE AND TRANSPORTATION OF WASTE हेतु पंजीकृत फर्म्स से ई–निविदा आमंत्रित की जाती है। निविदा प्रपत्र, विस्तृत सूचना एवं शर्तें आदि सम्पूर्ण विवरण वेबसाइट www.jaipurmc.org, www.sppp.raj.nic.in and www.eproc.rajasthan.gov.in पर स्टेट पब्लिक प्रोक्यूरमेन्ट के UBN No. JMC2425GLOB00136 पर देखी जा सकती है।
राज.संवाद/सी/24/1293 उपायुक्त (गैराज)

Bureau of Investment Promotion Rajasthan
Udyog Bhawan, Tilak Marg, Jaipur
BIP/Info/196 Date: 05.06.2024
Information of Extension of Dates
An addendum has been published regarding the RFP for procurement of services of Creative Design Partner from reputed, interested, eligible and experienced Professional firms for Bureau of Investment Promotion, Jaipur (a Government of Rajasthan undertaking). The date for online submission of bid has also been extended upto 2:00 PM of 12.07.2024. Other particulars of the bid may be visited on the procurement portals: (http://eproc.rajasthan.gov.in) and (http://sppp.raj.nic.in) of the state.
UBN No. BIP2425SLOB00004
Raj.Samwad/C/24/1368 Commissioner (Inv. & NRIs)

आमेर विकास एवं प्रबन्धन प्राधिकरण
पुरानी विधानसभा भवन, हवामहल के पास, जयपुर
टेलीफोन नम्बरः 0141–2600032 ई–मेल आई.डी. adma.jaipur@gmail.com
क्रमांकः कार्य निदेशक/एडमा/लेखा/2024–25/731 दिनांकः 25.06.2024
ई–बिड़ संख्या–03/2024–25
आमेर विकास एवं प्रबन्धन प्राधिकरण, जयपुर स्थित स्मारकों/संग्रहालयों में विभिन्न 03 कार्यों हेतु राज्य सरकारों/केन्द्र सरकार/निगमों/बोर्ड कार्यालयों में सक्षम/निर्धारित श्रेणी में पंजीकृत संवेदकों से द्विभागीय खुली बिड ई–प्रोक्योरमेन्ट प्रक्रिया के माध्यम से ऑनलाईन वेबसाईट http://eproc.rajasthan.gov.in पर आमंत्रित की जाती है जिनका विस्तृत विवरण वेबसाईट http://sppp.rajasthan.gov.in एवं http://eproc.rajasthan.gov.in पर उपलब्ध है, जो देखी व पढ़ी जा सकती है। (ई–बिड संख्या–03/2024–25 की कुल लागत राशि रूपये 160.19 लाख) NIB ADA2425A0003
बिड यू.बी.एन. नम्बर :– 1. ADA2425WSOB00006
2. ADA2425WSOB00007 3. ADA2425WSOB00008
राज.संवाद/सी/1375/2024–25 कार्यकारी निदेशक (कार्य)

राजस्थान स्टेट माईन्स एण्ड मिनरल्स लि.
(राजस्थान सरकार का उपक्रम)
एसबीयू एण्ड पीसी– रॉक फॉस्फेट, झामरकोटड़ा, पी.ओ.– झामरकोटड़ा–313015, वाया एवं जिला– उदयपुर (राजस्थान) ई मेलः– luckybhargava.rsmml@rajasthan.gov.in
ई–निविदा सूचना दिनांक .25.06.2024

निविदा संख्या एवं दिनांक	कार्य का विवरण
E-Tender No. 03/24-25 दिनांक 19.06.2024 खोलने की दिनांक 10.07.2024 UBN No. MML2425GLOB00042	सप्लाई ऑफ एम एस इ आर डब्ल्यू ब्लैक स्टील पाइप, अनुमानित राशि 19,75000/–, धरोहर राशि 39,500/– निविदा प्रपत्र मूल्य 1180/– प्रोसेसिंग राशि 1000/–
E-Tender No. 04/24-25 दिनांक 19.06.2024 खोलने की दिनांक 10.07.2024 UBN No. MML2425GSOB00043	सप्लाई, इंस्टालेशन, टेस्टिंग एंड कमीशनिंग ऑफ एल टी स्टार डेल्टा स्टार्टर पैनल सेट, अनुमानित राशि 8,00,000/–, धरोहर राशि 16,000/– निविदा प्रपत्र मूल्य 1180/– प्रोसेसिंग राशि 1000/–
E-Tender No. 05/24-25 दिनांक 19.06.2024 खोलने की दिनांक 10.07.2024 UBN No. MML2425GLOB00044	सप्लाई इंस्टालेशन, टेस्टिंग एंड कमीशनिंग ऑफ 3 पोल, 145 केवी, एस एफ 6 सर्किट ब्रेकर, अनुमानित राशि 10,78,000/–, धरोहर राशि 21,600/– निविदा प्रपत्र मूल्य 1180/– प्रोसेसिंग राशि 1000/–

विस्तृत जानकारी के लिए हमारी वेबसाईट www.rsmm.com/ www.sppp.rajasthan.gov.in, अथवा उप महाप्रबंधक (मटेरियल मैनेजमेंट) से उपरोक्त पतें पर सम्पर्क करें।
राज.संवाद/सी/24/1363 उप महाप्रबन्धक (का.एवं प्रशा.)

राजस्थान स्कूल शिक्षा परिषद्
भू– तल, ब्लॉक–6, डॉ.एस. राधाकृष्णन शिक्षा संकुल, जवाहर लाल नेहरू मार्ग, जयपुर।
फोन नं: 0141–2700459 E-Mail:- RAJSMSA.CIVIL@RAJASTHAN.GOV.IN
क्रमांकः– F-5(1)(260)RCSCE/Civil /SMSA/NIT 04 2024-25 /2024/Vol-2/D-2123 दिनांकः 26.06.2024
ई–निविदा सूचना संख्या 04 (सिविल)/2024–25
(राजकीय विद्यालय/केजीबीवी/नेताजी सुभाष चन्द्र बोस हॉस्टल/डाईट/एससीआरटी के निर्माण/मरम्मत कार्यों हेतु)
राज्य एवं केन्द्र सरकार के राजकीय/अर्द्धशासकीय/स्वायत्तशासी निकायों में सक्षम श्रेणी में निर्माण कार्यों हेतु पंजीकृत संवेदकों से समग्र शिक्षा एवं नाबार्ड योजनान्तर्गत स्वीकृत 39 राजकीय विद्यालय/केजीबीवी/नेताजी सुभाष चन्द्र बोस हॉस्टल/डाईट/एससीआरटी के निर्माण/मरम्मत कार्यों हेतु राशि रू. 16583.51 लाख (प्रति कार्य की राशि रूपये 204.46 लाख से 744.73 लाख के मध्य) बाबत् कार्यवार ई–टेण्डरिंग के माध्यम से ई–निविदाऐं 28/06/2024 प्रातः 10.00 बजे से 18/07/2024 को सायं 6.00 बजे तक आमंत्रित की जाती है।
- निविदा से सम्बधित समस्त विस्तृत विवरण वेबसाईट http://rajsmsa.nic.in, http://sppp.rajasthan.gov.in एव http://eproc.rajasthan.gov.in पर देखा जा सकता है।
- निविदा से सम्बन्धित प्रक्रिया जिला परियोजना समन्वयक, समग्र शिक्षा कार्यालय सम्बन्धित जिला के स्तर से की जावेगी ।

UBN NO.-RSE2425WLOB00309
राज.संवाद/सी/24/1392 राज्य परियोजना निदेशक, समग्र शिक्षा

निदेशक
महानिदेशक, गृह रक्षा, राजस्थान, जयपुर
फोन :- 0141-2612591, फैक्स : 0141-2612592, ई-मेल : store.hghq.ra@rajasthan.gov.in
क्रमांक : निगृर/भण्डार/18/खाली कारतूस/2022-23/-00083/8124498 दिनांक : 24.06.2024
नीलामी सूचना
सर्व साधारण को सूचित किया जाता है कि गृह रक्षा विभाग में प्रयोगशुदा कारतूसों के खाली खोखों से प्राप्त निम्नांकित धातुओं की सिल्लीयों की खुली नीलामी दिनांक 22.07.2024 को दोपहर 12.00 बजे आलू फैक्ट्री, एमआई रोड़, केन्द्रीय शस्त्र भण्डार गृह रक्षा, जयपुर में नियमानुसार गठित समिति द्वारा की जायेगी

क्र. सं.	धातु का नाम	अनुमानित मात्रा	बोली अमानत राशि (रुपये में)
1	पीतल	7474.01 किग्रा.	50,000
2	तांबा	67.520 किग्रा.	1,000
3	एल्यूमिनियम	53.140 किग्रा.	500
4	सीसा	356.240 किग्रा.	1000
5	खाली बॉक्स लोहा	लगभग 7734.00 किग्रा.	4000
6	केरियर लोहा फ्रेम	लगभग 2331 किग्रा.	
7	ड्रम लोहा (20 लीटर)	लगभग 12.5 किग्रा.	
8	एम.टी. केश 45 बॉल टी.एम.सी. (लोहा)	लगभग 50.00 किग्रा.	

नोट :– नीलामी की विस्तृत शर्ते किसी भी कार्य दिवस को निम्न हस्ताक्षरकर्त्ता के कार्यालय में उपस्थित होकर अथवा विभागीय वेबसाइट http://www.home.rajasthan.gov.in/homeguards अथवा राजस्थान सरकार के राज्य लोक उपापन पोर्टल (http://www.sppp.rajasthan.gov.in) पर देखी जा सकती है। UBN No.:- HGR2425WSLB00001
(डॉ. विष्णु कान्त)
महानिरीक्षक पुलिस, गृह रक्षा, राजस्थान, जयपुर
DIPR/C/5015/2024

एक दिवसीय प्रशिक्षण का आयोजन

उदयपुर, (कासं)। महाराणा प्रताप कृषि एवं प्रौद्योगिकी विवि, उदयपुर के प्रसार शिक्षा निदेशालय द्वारा लघु एवं सीमांत कृषक परिवारों में समन्वित कृषि प्रणाली को बढावा देने हेतु एक दिवसीय प्रशिक्षण का आयोजन प्रसार शिक्षा निदेशालय द्वारा लक्ष्मीपुरा चित्तौड़गढ़ में किया आयोजित किया।

प्रशिक्षण के आरम्भ में निदेशक प्रसार शिक्षा एवं प्रोजेक्ट इन्चार्ज डॉ. आर.ए. कौशिक ने कृषक महिलाओं को सम्बोधित करते हुए कहा कि समन्वित कृषि प्रणाली एक ऐसी प्रणाली है जिसमें कृषि के विभिन्न उद्यमों जैसे- फसल उत्पादन, पशुपालन, फल एवं सब्जी उत्पादन, मछली उत्पादन, मुर्गीपालन, दुग्ध एवं खाद्य प्रसंस्करण, वानिकी इत्यादि का इस प्रकार समायोजन किया जाता है कि ये उद्यम एक-दूसरे के पूरक बनकर किसानों को निरन्तर आमदनी प्रदान करते हैं। समन्वित कृषि प्रणाली में संसाधनों की क्षमता का न केवल सदुपयोग होता है अपितु उत्पादकता एवं लाभप्रदता में भी शीघ्रतिशीघ्र वृद्धि होती है। समन्वित कृषि प्रणाली को अपनाने से कृषि लागत में कमी आती हैं एवं रोजगार तथा आमदनी में वृद्धि होती हैं। प्रशिक्षण में डॉ. लतिका व्यास, आचार्य ने कौशल विकासा पर चर्चा कि ओर बताया की भारतवर्ष में युवाओं की आबादी दुनियाभर में सबसे ज्यादा है और इनमें से आधे युवा 25 वर्ष की आयु से कम के हैं। भारत में जनसांख्यिकीय लाभ के वर्णन में देखा जाये तो प्रत्येक वर्ष 8 लाख लोग नये रोजगार की तलाश करते हैं जिसमें सिर्फ 5.5 लाख रोजगारों का सृजन हो पाता है। प्रशिक्षण दौरान डॉ. कपिल देव आमेट, सह-आचार्य, उद्यानिकी विभाग ने कहा की कम जमीन में आमदनी को बढाने हेतु फसलो के साथ- साथ सब्जीयो की खेती करना चाहिए व बताया की फसलों में नर्सरी का विशेष महत्व होता हैं,जैसे टमाटर, बैंगन, मिर्ची, शिमला मिर्च, फूल गोभी, पत्ता गोभी, गांठ गोभी, ब्रोकली, बेसील, सेलेरी, पार्सले, लेट्यूस, पाकचोई, प्याज इत्यादि। साथ ही प्रौ ट्रे में कद्दुवर्गीय सब्जियां जैसे- खीरा, लोकी, तुरई, करेला, कदु, तरबूज, खरबूज की भी नर्सरी तैयारी की तकनीकी जानकारी का विस्तृत वर्णन किया।

अनैतिक काम कराने वाले पांच आरोपी गिरफ्तार

उदयपुर, (कासं)। प्रतापनगर एवं गोवर्धन विलास थाना पुलिस ने होटलों में दबीश दे रोजगार दिलाने का झांसा देकर युवतियों से अनैतिक काम कराने वाले पांच आरोपियों को गिरफ्तार किया तथा पन्द्रह लडकियों को रेस्क्यू किया।

जिला पुलिस अधीक्षक योगेश गोयल के निर्देश पर अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक उमेश ओझा, गोपाल स्वरूप मेवाड़ा, पुलिस उप अधीक्षक छगन पुरोहित एवं गजेन्द्रसिंह राव के सुपरविजन में प्रतापनगर थानाधिकारी भरत योगी, गोवर्धन विलास थानाधिकारी भवानीसिंह राजावत, स्पेशल टीम प्रभारी देवेन्द्र देवल के नेतृत्व में गठित दल ने विभिन्न होटलों पर कार्यवाही की। इस दौरान प्रतापनगर थाना एएसआई मोहन सिंह मय टीम ने ढिकली स्थित रूद्र विहार विला पर पहुंच कर दबीश दी इस दौरान वहा मौजूद दिल्ली से आई तीन महिलाओं को रेक्स्यू कर दलाल सुनिल कुमार पुत्र सतबीर सिंह यादव निवासी पहलवास रेवाड़ी हरियाणा एवं तारक कीर्तनिया पुत्र गोपाल कीर्तनीया तपस्ली निवासी तुगलकाबाद एक्सटेंशन काकाजी दक्षिणी दिल्ली को गिरफ्तार किया।

वहीं एसआई रणजीतसिंह के नेतृत्व में गठित दल ने देबारी क्षेत्र में स्थित डायमंड गेस्ट हाउस पर दबिश दे एमपी से लाई गई दो महिलाओं को रेस्क्यू कर गेस्ट हाउस संचालक मावराम पुत्र उदा पटेल निवासी कराकला बम्बोरा को गिरफ्तार किया। इसी तरह एसआई महेश जोशी के नेतृत्व में गठित टीम ने पुराना आरटीओं रोड़ स्थित सांवरिया गेस्ट हाउस पर छापामार मध्यप्रदेश एवं दिल्ली से झांसा देकर लाई गई चार महिलाओं को रेस्क्यू कर गेस्ट हाउस संचालक महेन्द्र पुत्र केवा पटेल निवासी गींगला को गिरफ्तार किया।

अभियान के दौरान गोवर्धन विलास थानाधिकारी भवानीसिंह राजावत के नेतृत्व में टीम दल ने बलिचा स्थित होटल सिटी प्राईड पर पहुंच कर दबीश दी। जहां मौजूद 6 लडकियों द्वारा इवेंट का काम कराने का झांसा देकर बुलाने देह व्यापार के धंधे में लगाने की जानकारी मिलने पर लडकियों को रेस्क्यू कर अशोक पुत्र देवीलाल कलाल को गिरफ्तार किया। इस दौरान मौका मिलने पर संचालक जयेश पाटीदार व जगदीश पटेल फरार हो गए। जिनकी पुलिस तलाश कर रही है। प्रारंभिक अनुसंधान में पता चला कि शहर में होटलों में इवेंट का काम करने का झांसा देकर बाहर से महिलाओं एवं लड़कियों को बुला कर उनसे देह व्यापार कराने की जानकारी मिलने पर पुलिस ने कार्यवाही की।

उदयपुर के प्रतापनगर थाना पुलिस टीम ने देह व्यापार के पांच आरोपियों को गिरफ्तार किया।

संसद घेराव में लिया भाग

उदयपुर,(कासं)। युवा कांग्रेस के राष्ट्रीय अध्यक्ष श्रीनिवास बीवी के नेतृत्व में केंद्र की पेपर लीक सरकार के खिलाफ उदयपुर देहात युवा कांग्रेस के कार्यकर्ताओं ने जिलाध्यक्ष युवा कांग्रेस उदयपुर देहात कार्यकारी बालू भील के नेतृत्व में भाग लिया। गोगुन्दा विधानसभा के युवा कांग्रेस अध्यक्ष कार्यकारी शक्तिसिंह झाला ने बताया कि पेपर लीक सरकार के खिलाफ हल्ला बोल संसद घेराव में नीट परीक्षा में हुई धांधली व पेपर लीक से देश के करोड़ो छात्रों का भविष्य खराब करने वाली केंद्र की तानाशाही सरकार के खिलाफ लड़ाई लड़ने का आव्हान किया। इस दौरान देहात जिला कांग्रेस महासचिव कुशलेश चौधरी, गोगुन्दा विधानसभा के युवा कांग्रेस सोशल मीडिया प्रभारी दिनेश जोशी, मावली विधानसभा युवा कांग्रेस महासचिव योगेश पुष्करणा आदि मौजूद रहे।

नकबजनी व ठगी की वारदात का खुलासा

उदयपुर,(कासं)। शहर की सुखेर थाना पुलिस ने नकबजनी एवं ठगी के मामले में महिला सहित पांच आरोपियों को गिरफ्तार किया है।

प्रकरण के अनुसार 10 मई को पीडित पदमा मेघवाल निवासी प्रतापपुरा सुखेर ने पुलिस थाने में प्रकरण दर्ज करवाया। जिसमें उसने बताया कि दोपहर में मेरे घर पर कोई नहीं था। सांय में घर लौटी तो सामान बिखरा पड़ा मिला एवं एक किलों से अधिक चांदी के जेवर, पांच छह तोला सोने के जेवर गायब थे। पडताल की तो मकान की खिड़की की ग्रील टूटी हुई थी। इस मामले में प्रकरण दर्ज होने पर जिला पुलिस अधीक्षक योगेश गोयल के निर्देश पर अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक उमेश ओझा, पुलिस उप अधीक्षक कैलाश चन्द्र खटीक के सुपरविजन में सुखेर थानाधिकारी हिमांशु सिंह राजावत के नेतृत्व में गठित दल ने अनुसंधान शुरू किया। इस दौरान अज्ञात व्यक्ति ने पीडित को फोन कर घर में चोरी होने की सूचना देकर वाट्सप पर चोरी हुए बैग का फोटो डाल कर पीडित से 20 हजार की ठगी कर ली। इस मामले में अनुसंधान में मिले साक्ष्यों के आधार पर हरीश उर्फ हीरालाल उर्फ हीरा निवासी मादा की बस्ती दिवेर राजसमन्द, कंचन सालवी पुत्री चुन्नीलाल साल्वी निवासी मादा की बस्सी नदासा का गुडत्रा दीवेन राजसमन्द, भूपेन्द्र भाट निवासी खोखतों का बाड़ीया कामलीघाट देवगढ राजसम्द, विशाल कुमार भाट निवासी न्यू विजय कॉलोनी भीम राजसमन्द, नरेन्द्रसिंह निवासी इन्द्रा कॉलोनी भीम राजसमन्द को गिरफ्तार किया।

भारत सरकार
GOVERNMENT OF INDIA
चिकित्सा अधीक्षक का कार्यालय
OFFICE OF THE MEDICAL SUPERINTENDENT
सफदरजंग अस्पताल एवं बी.एम.एम.कॉलेज
VMMC & SAFDARJUNG HOSPITAL
नई दिल्ली-110029 New Delhi-110029

File No.: RECTT-1/2/2023-RECRUITMENT CELL Dated: 22.02.2024

VACANCY CIRCULAR

Subject: Filling up of the posts on deputation basis in Safdarjung Hospital-reg

Applications are invited from the eligible candidates for filling up of the following posts on Deputation basis in VMMC & Safdarjung Hospital, New Delhi.

2. Details of vacancies/pay band are as under:

Sl.No.	Name of the post	Lavel as per pay Matrix	Total Vacancies
1.	Officer in charge (Ambulance)	Level 7 (Rs. 44900- Rs. 142400)	01
2.	Senior Plaster Technician	Level 4 Rs. 25500-Rs. 1100)	01
3.	Administrative Officer	Level-8 (Rs 47600-151100)	04

Note:- There is no possibility of absorption in all the above- mentioned posts.

3. For detailed advertisement, Instructions, eligibility requirements, age limit, application forms, annexures etc. please visit the website of Safdarjung Hospital (www.vmmc-sjh.nic.in)

4. The applications along with all the necessary documents as details in the notice of advertisement available on the website of Safdarjung Hospital, are to be submitted in the prescribed application. The Applications will be received in Diary Section, near Gate No. 2 of VMMC & Safdarjung Hospital, New Delhi within 30 days from the date of issue of advertisement in Employment News on any working days i.e Monday to Friday from 9.00 AM to 4.00PM and on Saturday 9.00AM to 1.00PM. (However, if last date for submission of applications falls on national holiday, Sunday or any other holiday declared by Government of India, the next working day will be assumed as closing date)

(Ashok Kumar Pal)
Deputy Director (Admn)

CBC 17145/11/0002/2425

कार्यालय नगर पालिका फतहनगर सनवाड़, जिला-उदयपुर (राज.)

क्रमांक:-न.पा.फ.स./2024-25/455 दिनांक :27/06/2024

-: लोक सूचना:-

सर्व साधारण को सूचित किया जाता है कि राजस्थान नगरीय क्षेत्र कृषि भूमि का गैर-कृषिक प्रयोजन के लिए उपयोग की अनुज्ञा एवं आवंटन नियम 2012 के तहत प्रारूप 14 नियम 16 के अन्तर्गत आवेदन प्रस्तुत किये गये है। किसी व्यक्ति को उक्त भूमि का नियमितिकरण संबंधी आपत्ति हो तो प्रकाशन दिनांक से 7 दिवस के भीतर मय दस्तावेज के पालिका में प्रस्तुत करें। बाद मयाद आवेदक के नाम से नियमन कर दिया जाएगा। जिसके पडौस रजिस्ट्री पत्र/ विक्रय इकरार नामा के आधार पर निम्नानुसार है।

क्र. सं.	आवेदक का नाम	राजस्व ग्राम का नाम	खसरा नम्बर	ले-आउट अनुसार भूखण्ड संख्या	क्षेत्रफल वर्गफीट	क्षेत्र का नाम (कॉलोनी)	पडौस
1	श्रीमती नीतू कुमारी पत्नी श्री प्रवीण कुमार जी यादव निवासी निलोद तहसील भुपालसागर, जिला चित्तौड़गढ़ (राज.)	सनवाड़	5229	-	2115 वर्गफीट	वार्ड नं.-21 पॉवर हाउस के पीछे, फतहनगर	पूर्व-श्रीमती इन्द्र यादव एवं श्री दिनेश यादव का भुखण्ड पश्चिम-श्री गजेन्द्र सिंह रावल की जमीन उत्तर-अन्य भूमि दक्षिण-आम रास्ता

अधिशाषी अधिकारी, नगर पालिका फतहनगर सनवाड़

कार्यालय नगर पालिका फतहनगर सनवाड़, जिला-उदयपुर (राज.)

क्रमांक:-न.पा.फ.स./2024-25/430 -:ऊजरदारी सूचना:- दिनांक : 25/06/2024

सर्व साधारण को सूचित किया जाता है कि निम्नांकित ने आवेदक द्वारा उपविभाजन प्रस्तुत कर नगरपालिका क्षेत्र में स्थित स्वयं के "पुश्तैनी" एवं खरीदशुदा मकान/भूखण्ड का उपविभाजन चाहा गया है। इस बाबत इनके मालिकाना हक संबंधी अगर किसी को कोई आपत्ति हो तो इस ऊजरदारी सूचना प्रकाशन के 7 दिवस में अपनी आपत्ति मय दस्तावेज के नगरपालिका कार्यालय में दर्ज करा सकते है। बाद मियाद कोई आपत्ती स्वीकार नहीं होगी तथा उपविभाजन जारी संबंधी अग्रिम कार्यवाही की जावेगी।

क्र. सं.	आवेदनकर्ता का नाम	मूल पट्टा धारी का नाम	स्थित मकान/भूखण्ड के पडौस				क्षेत्रफल
			पूर्व	पश्चिम	उत्तर	दक्षिण	वर्गफीट मे
1	श्री प्रहलाद कुमार मण्डोवरा पिता श्री नाथुलाल जी मण्डोवरा निवासी-फतहनगर वार्ड नं.20 तहसील-मावली जिला उदयपुर (राज.)	श्री उर्मिला पत्नि ओम प्रकाश, श्रीमती सीमा पत्नि विकास जी,चंचल कुमार, गणपत लाल जी पिता परशराम जी	आम रास्ता	आम रास्ता	अन्य भूमि	आम रास्ता	11400

अधिशाषी अधिकारी, नगर पालिका फतहनगर सनवाड़

कार्यालय नगर पालिका छोटी सादडी जिला-प्रतापगढ (राज.)

क्रमांक/न.पा.छो.सा/हस्ता./भ.नि.स्वी./24-25/ **उजरदारी सूचना-पत्र** दिनांक: 25.06.2024

सर्व साधारण को सूचित किया जाता है कि निम्नांकित आवेदको द्वारा मय आवश्यक दस्तावेज प्रस्तुत कर निर्माण स्वीकृति एंव हस्तानान्तरण/उपविभाजन हेतु नगरपालिका में आवेदन पेश किया है। उक्त भूखण्ड/मकान के निर्माण स्वीकृति एंव हस्तानान्तरण/उपविभाजन के संबंध में यदि किसी भी व्यक्ति को कोई एतराज हो, तो मय आवश्यक दस्तावेजो के 07 दिवस में अपना, एतराज लिखित में अधोहस्ताक्षरकर्ता के समक्ष प्रस्तुत करे। बाद अवधि किसी भी प्रकार का एतराज मान्य नही होगा और संबंधित के नाम भूखण्ड/प्लाट का हस्तान्तरण एंव निमार्ण स्वीकृति/उपविभाजन की कार्यवाही अमल में लाई जावेगी। पत्रावलियों का विवरण निम्नानुसार है :-

क्र. सं.	आवेदनकर्ता का नाम (क्रेता का नाम)	नाम विक्रेता	हस्तान्तरित/निर्माण स्वीकृति भूखण्ड/मकान का स्थान	क्षेत्रफल
1	श्री जिलानी पिता जमील हुसैन मंसुरी छोटीसादडी	श्री ओमप्रकाश पिता राधेश्याम सुथार, छोटीसादडी	अचलपुरा रोड, छोटीसादडी	542.5 वर्गफीट
2	श्री आजादर नाहर पिता फतेहलाल नाहर, छोटीसादडी	–	हिन्दु चौराहा छोटीसादडी	544 वर्गफीट
3	श्री कारूलाल पिता नारायण लाल कुमावत, छोटीसादडी	श्री दिनेश कुमार पिता भगवतीलाल जयसवाल, छोटीसादडी	पुलिस स्टेशन से नीमच रोड, चुंगी नाका तक का क्षेत्र, छोटीसादडी	452 वर्गफीट
4	श्री नरेन्द्र राव मराठा पिता भेरूराव मराठा, छोटीसादडी	श्रीमति सीमा राव पत्नि संजय राव मराठा, छोटीसादडी	गांधी चौराहा से अचलपुरा जाने वाले मार्ग पर, छोटीसादडी	1080 वर्गफीट
5	श्री वेद प्रकाश पिता कारूलाल कुमावत, छोटीसादडी	श्री विनयचन्द पिता अमृतलाल लसोड, नि. छोटीसादडी हाल जलोदा जागीर, छोटीसादडी	रिलायंस पेट्रोल पम्प के पीछे, छोटीसादडी	1753.5 वर्गफीट
6	श्रीमति स्नेहलता पत्नि शोभा लाल आंजना, छोटीसादडी	–	राजस्व कॉलोनी के पीछे, तहसील कार्यालय के पास, छोटीसादडी	1266 वर्गफीट
7	श्रीमति स्नेहलता पत्नि शोभा लाल आंजना, छोटीसादडी	–	राजस्व कॉलोनी के पीछे, तहसील कार्यालय के पास, छोटीसादडी	1272 वर्गफीट
8	श्रीमति अलका धोबी पत्नि दीपक धोबी, छोटीसादडी	श्रीमति लक्ष्मी बाई पत्नि हीरालाल गांछा, छोटीसादडी	गोमाना दरवाजा बोहर, विद्या निकेतन स्कुल के सामने, छोटीसादडी	921.66 वर्गफीट
9	श्री गुणवंत लाल पिता शंकरलाल आंजना, नि. बसेडा, छोटीसादडी	श्री राजमल पिता शंकरलाल आंजना, बसेडा, छोटीसादडी	निम्बाहेडा रोड, गोकुल धाम सोसायटी, छोटीसादडी	1200 वर्गफीट

राज.संवाद/सी/1379/2024-25 अधिशाषी अधिकारी

राष्ट्रीय इलेक्ट्रॉनिकी एवं सूचना प्रौद्योगिकी संस्थान (नाइलिट)

रा.इ.सू.प्रौ.सं NIELIT

जनशक्तिकरण राष्ट्रीय सेवा में

इलेक्ट्रॉनिकी एवं सूचना प्रौद्योगिकी मंत्रालय, भारत सरकार

सत्यमेव जयते

इलेक्ट्रॉनिकी एवं सूचना प्रौद्योगिकी मंत्रालय, भारत सरकार की स्वायत्त वैज्ञानिक संस्था

सम्पूर्ण भारत में उपस्थिति

52 नाइलिट केंद्र
700+ मान्यता प्राप्त संस्थान
9000+ सुविधा केंद्र

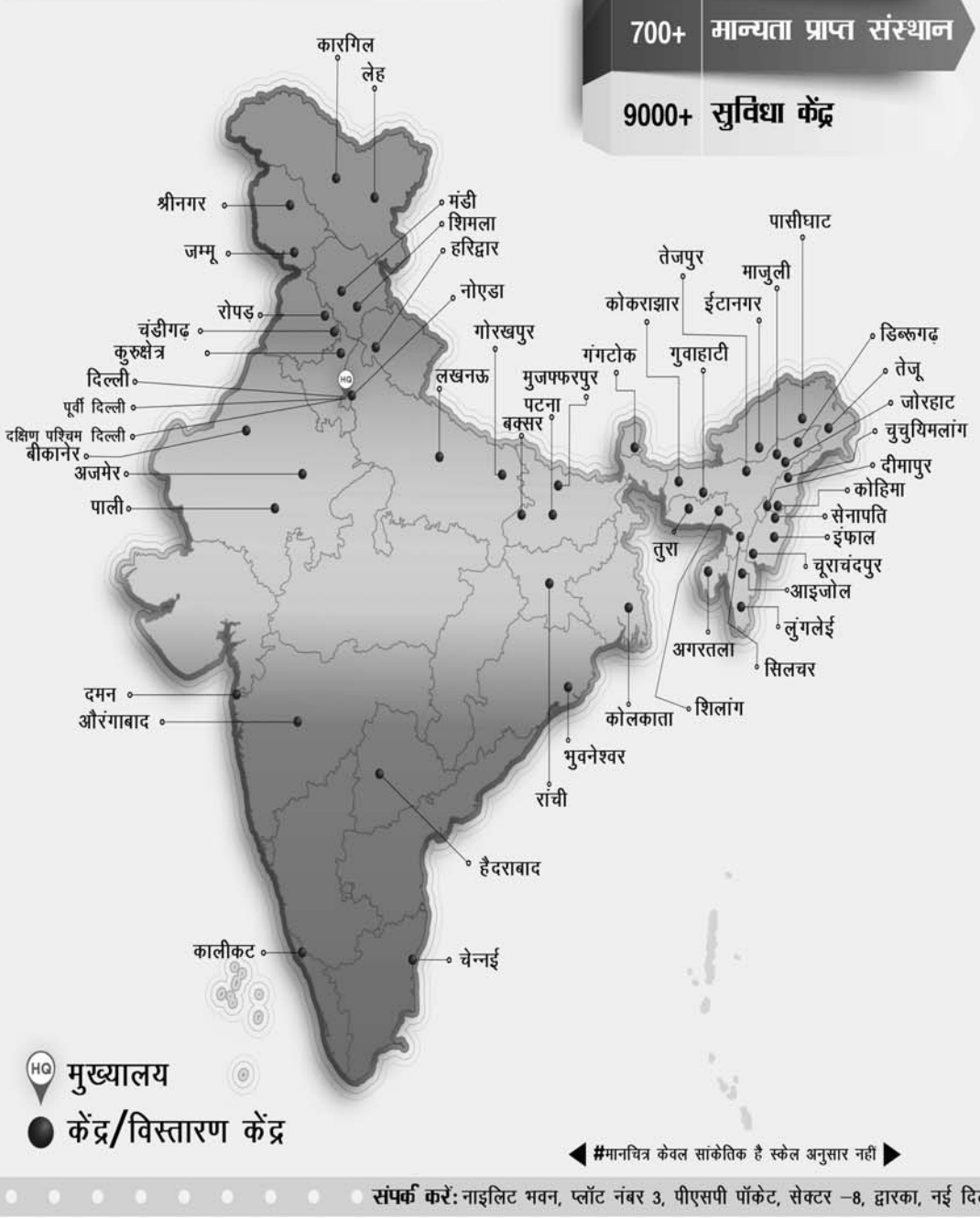

#मानचित्र केवल सांकेतिक है स्केल अनुसार नहीं

डिग्री कोर्स (2024-25 सत्र)

स्नातकोत्तर मास्टर डिग्री कोर्स	अंतिम तिथि एवं केंद्र
एम.टेक.-इलेक्ट्रॉनिक डिजाइन एवं टेक्नोलॉजी	(कालीकट में 12 जून, गोरखपुर में 31 अगस्त)
एम.टेक.- एंबेडेड सिस्टम	(कालीकट में 12 जून)
एम.टेक.- वी.एल.एस.आई डिजाइन	(गोरखपुर में 31 अगस्त)
मास्टर ऑफ कंप्यूटर एप्लीकेशन	(आइजोल में 28 जून, इंफाल में 19 जुलाई, कश्मीर में 30 जून)
मास्टर ऑफ साइंस (इलेक्ट्रॉनिक्स)	(आइजोल में 28 जून)
एम. एससी. कंप्यूटर साइंस, (डाटा साइंस स्पेशलिटी सहित)	(रोपड़ में 10 जून)
एम.एससी. इनफॉरमेशन टेक्नोलॉजी	(रोपड में 19 जून, इंफाल में 19 जुलाई, कश्मीर में 30 जून)

स्नातक डिग्री कोर्स	अंतिम तिथि एवं केंद्र
कंप्यूटर एप्लीकेशन में स्नातक	(रोपड़ में 10 जून, अगरतला में 14 अगस्त, आइजोल में 28 जून इंफाल में 21 जून, कश्मीर में 30 जून)
बी.एस.सी. (आनर्स)- कंप्यूटर साइंस	(रोपड़ में 10 जून)
बी.एस.सी.-इन्फॉर्मेशन टेक्नोलॉजी	(कश्मीर में 30 जून)

डिप्लोमा कोर्स	अंतिम तिथि एवं केंद्र
कंप्यूटर एप्लीकेशन में स्नातकोत्तर डिप्लोमा	(रोपड़ में 10 जून, इंफाल में 19 जुलाई)
कंप्यूटर साइंस और टेक्नोलॉजी में डिप्लोमा	(अगरतला में 14 अगस्त)
इलेक्ट्रॉनिक्स एवं टेलीकम्युनिकेशन में डिप्लोमा	(अगरतला में 14 अगस्त, आइजोल में 28 जून)
कंप्यूटर साइंस एवं इंजीनियरिंग में डिप्लोमा	(आइजोल में 28 जून, इंफाल में 21 जून 2024)
इलेक्ट्रॉनिक्स एवं कम्यूनिकेशन इंजीनियरिंग में डिप्लोमा	(इंफाल में 21 जून 2024)

इलेक्ट्रॉनिकी एवं सूचना प्रौद्योगिकी में अनुसंधान एवं विकास

- सुस्थापित इनोवेशन इनक्यूबेशन एवं स्टार्ट अप सैल
- सुस्थापित ऑनलाइन रिमोर्ट हार्डवेयर प्रयोगशाला
- विकसित स्वदेशी कलर डॉपलर अल्ट्रासाउंड सेंटर
- डिजिटल फोरेसिक डाटा केन्द्र एवं अन्वेषण प्रयोगशाला की स्थापना

एन.सी.वी.ई.टी अनुमोदित
APPROVED
प्रशिक्षण प्रमाण पत्र प्रदाता निकाय और मूल्यांकन एजेंसी

नाइलिट मान्यता प्राप्त संस्थानों की सूची के लिए
स्कैन करें

डिजिटल सशक्त राष्ट्र निर्माण की ओर

पिछले 3 वर्षों में 24.26 लाख+ युवाओं को कुशल बनाया

आंकड़े लाख में
2020-21: 7.77
2021-22: 8.54
2022-23: 7.95

तकनीकी शिक्षा में परिवर्तन

नाइलिट वर्चुअल अकादमी

एक आधुनिकतम एआई युक्त ऑनलाइन प्लेटफार्म जो प्रौद्योगिकी एवं मनोविज्ञान परिदृश्य से प्रेरणा लेते हुए विद्यार्थीयों पेशेवरों एवं संगठनों की उभरती आवश्यकताओं को पूरा करने के लिए सदैव अध्ययन अनुभव उपलब्ध करा रहा है।

- सहयोगात्मक अध्ययन एवं सहकर्मियों से वार्ता
- निजीकृत वार्ता सामग्री
- मोबाइल द्वारा अभिगम्यता एवं समर्थन
- वर्चुअल सिमुलेशन प्रयोगशाला
- मान्यता प्राप्त प्रमाण पत्र
- स्थानीय भाषा में समर्थन

पंजीकरण के लिए
स्कैन करें

CBC/06102/12/0002/2425

संपर्क करें: नाइलिट भवन, प्लॉट नंबर 3, पीएसपी पॉकेट, सेक्टर -8, द्वारका, नई दिल्ली -110077 कॉल सेंटर :- 91-11-2530 8303 contact@nielit.gov.in @NIELITIndia

सार-समाचार

नौकरी दिलाने के नाम पर ठगी

डूंगरपुर, (निसं)। विदेश में नौकरी देने के नाम पर एक युवक से 31 लाख 72 हजार की ठगी करने का मामला सामने आया है। पीडित ने ठगी करने वाले 7 लोगों के खिलाफ नामजद दोवडा थाने में गुरुवार रात को मामला दर्ज कराया है। बनकोडा निवासी दीपक पुत्र विनोद उपाध्याय ब्राइट वे इमिग्रेशन के नाम व शैली से मध्यम वर्ग के लोगों को विदेश में नौकरी दिलाने का कार्य करता है। जिसका सोशल मीडिया पर सुभाष नगर जयपुर निवासी राहुल व अजय से संपर्क हुआ। उनकी कंपनी के माध्यम से लोगों को विदेश में नौकरी दिलाने के नाम पर वीजा दिलाने का विश्वास दिलाया। इस पर दीपक ने जयपुर स्थित कार्यालय में जाकर मुलाकात की। इसके बाद दीपक को चंडीगढ की अभिलक्ष शर्मा व सुभाष नगर जयपुर निवासी रोहित नायर से फोन से संपर्क कराया।उन्होंने कनाडा इमीग्रेशन लॉयर में स्वयं की दो कंपनियां के माध्यम से व्यवसाय का संचालन करना बताया। इनकी बातों में आकर दीपक ने चारों लोग सहित अभिलक्ष की पत्नी आकांक्षा शर्मा की जांच पडताल की। पता सही पाए जाने पर पीडित को विश्वास हो गया। इस पर आरोपियों ने षड्यंत्र पूर्वक मिलीभगत कर पीडति के ग्राहकों की वीजा उपलब्ध कराने की प्रक्रिया को आगे बढाने 15 लाख नकद देने की बात की। इस पर पीडित ने 13 जनवरी 2024 को स्काई सरफेज ट्रेवल्स कृष्णा सुभाष नगर जयपुर में जाकर आरोपी राहुल व अजय को तय राशि दी। पीडित से ग्राहकों को वीजा उपलब्ध कराने के नाम अलग-अलग दिन में 16 लाख 72 हजार रुपए ऑन लाइन ट्रांजेक्शन किए। पीडित ने सभी आरोपियों से संपर्क किया लेकिन फोन बंद आया तो जयपुर ऑफिस पहुंचा तो यहां पर ताले नजर आने के बाद धोखाधडी का माजरा समझ में आया तो अन्य एजेंटों से इसकी जानकारी जुटाई तो संदीप नाम के युवक ने पीडित को वीडियो कॉल कर आरोपी राहुल व अजय को दिखाया और कहा की मेरे रुपए वसूल होने के बाद आपके रुपए लौटा दूंगा कह कर फोन बंद कर दिया।

गर्भवती महिला की मौत

डूंगरपुर, (निसं)। थाना क्षेत्र के पिपलादा गांव में एक गर्भवती महिला की तबीयत बिगड गई। परिजन उसे डूंगरपुर हॉस्पिटल लेकर आए। जहां डॉक्टर ने उसे मृत घोषित कर दिया। हाजा कलासुआ ने बताया की उसकी पत्नी रेखा कलासुआ गर्भवती है। उसके लास्ट महीना चल रहा था। गुरुवार रात करीब 10 बजे रेखा की तबीयत अचानक बिगड गई। उसके सीने में दर्दए घबराहट की शिकायत होने लगी। वहींए उल्टियां भी हुई। तबीयत बिगडने पर देर रात को उसे डूंगरपुर हॉस्पिटल लेकर आएए लेकिन डॉक्टर ने जांच के बाद उसे मृत घोषित कर दिया। मां की मौत के साथ ही गर्भ में पल रहे बच्चे की भी मौत हो गई। इसके बाद शव को डूंगरपुर अस्पताल के मोर्चरी में रखवाया गया। घटना की सूचना सदर थाना पुलिस को दी गई। जहां पुलिस की ओर से पोस्टमॉर्टम की कार्रवाई की जाएगी। पति हाजा कलासुआ ने बताया की उनके 3 बच्चे पहले से है। जिसमें 2 बेटे और 1 बेटी है। तीनों बच्चों के सिर से मां का साया उठ गया।

दो दिवसीय कॉनक्वेल 6 जुलाई से

उदयपुर, (कासं)। जीतो उदयपुर चेप्टर की मेबजानी में आगामी 6 व 7 जुलाई को हॉली माउण्ट रिसॉर्ट में दो दिवसीय जीतो राजस्थान जोन का कॉनक्वेल का आयोजन होगा। जीतो उदयपुर चेप्टर अध्यक्ष विनोद फान्दोत एवं कार्यक्रम संयोजक संजय भण्डारी ने बताया कि ष्प्रमंथन इंस्पायर टूडे एण्ड ट्रांसफर्म टूमारोष्ष् की थीम पर जीतो राजस्थान जॉन का कॉनक्वेल कार्यक्रम में राजस्थान राज्य के 10 चेप्टरों से करीब 1500 से अधिक सदस्य इस आयोजन में शामिल होंगे। राजस्थान जोन के चीफ सेकेट्री महावीर चपलोत ने बताया कि कार्यक्रम के मुख्य अतिथि असम राज्यपाल गुलाबचंद कटारिया होंगे।चीफ सेकेटरी धर्मेश नवलखा, महिला विंग अध्यक्षा विजयलक्ष्मी गलूंडिया व युथ विंग अध्यक्ष दिव्याद दोशी ने बताया कि कार्यऋम में मोटिवेशनल गुरु सोनू शर्मा, हैप्पीनेस कोच संचार विशेषज्ञ आयशा गनी आदि प्रस्तुति देंगे।

दुष्कर्म का आरोपी गिरफ्तार

डूंगरपुर, (निसं)। साबला थाना पुलिस ने नाबालिग का अपहरण कर दुष्कर्म करने वाले आरोपी को गिरफ्तार किया है। आरोपी एक नाबालिग का अपहरण कर भगा ले गया और उसके साथ दुष्कर्म की वारदात को अंजाम दिया। मामले में आरोपी पिछले एक महीने से फरार चल रहा था। पुलिस आरोपी से पूछताछ कर रही है। साबला थानाधिकारी ने बताया कि 20 मई को थाना क्षेत्र निवासी एक पिता ने नामजद रिपोर्ट दर्ज करवाई थी। रिपोर्ट में बताया था कि आरोपी उसकी नाबालिग बेटी को बहला फुसला कर भगा ले गया। इसके बाद आरोपी ने नाबालिग के साथ रेप किया। पुलिस ने मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी थी। पुलिस ने आरोपी को पकडने के लिए कई जगह दबिश दी,लेकिन वह पकड में नहीं आया। पुलिस ने सफलता हासिल करते हुए शुक्रवार को आरोपी को गिरफ्तार कर लिया है। पुलिस ने मामले में आरोपी को कोर्ट में पेश किया। जहां से आरोपी को न्यायिक अभिरक्षा में भेज दिया है।

उदयपुर के झाडोल में ढाई इंच बारिश

उदयपुर, (कासं)। मानसून के पहले दौर में मेवाड के कई क्षेत्रों में उम्मीद अनुरूप बारिश का क्रम बना हुआ है। बीती रात उदयपुर जिले सहित प्रदेश में कई जगह मध्यम से तेज बारिश का दौर चला। उदयपुर जिले में झाडोल में 24 घंटे में करीब ढाई इंच बारिश हुई। शुक्रवार सुबह भी उदयपुर शहर सहित कई जगह हल्की से मध्यम बारिश हुई। जलसंसाधन विभाग के अनुसार शुक्रवार सुबह आठ बजे तक उदयपुर शहर में 2 मिलीमीटर, मावली 11, खेरवाडा 19, ऋषभदेव 29, झाडोल 64, भींडर 4, कुराबड 19,कानोड 43, सेई डेम 43, देवास 22 और कोटडा में 12, सज्जनगढ बांसवाडा 33 मिलीमीटर, सोम कमला आंबा डूंगरपुर 41, आसपुर 36, देलवाडा राजसमंद 41, राजसमंद 4०, सलूंबर जयसमंद 26 मिलीमीटर बारिश हुई।

मारपीट करने के आरोप में दो बदमाश गिरफ्तार

डूंगरपुर, (निसं)। कोतवाली थाना पुलिस ने रात्रि के समय मोटरसाइकिल पर सवार से शराब के लिए पैसे मांगने और आनाकानी करने पर मारपीट करने के आरोप में दो बदमाशों को गिरफ्तार किया है।

कोतवाली पुलिस के अनुसार प्रार्थी राकेश पिता नारायणलाल मीणा निवासी रीछा फला मछलैया थाना निठाउवा थाने पर उपस्थित होकर प्रकरण दर्ज करवाया कि वह व साथी सोहन पुत्र 21 जून को गुजरात अहमदाबाद से मोटरसाईकिल लेकर रीछा आने के लिये निकले थे समय

- **अपहरण के मुख्य आरोपी सहित तीन जने गिरफ्तार, बोलेरे जब्त**

करीब 1० बजे शाम को पुराना बस स्टेण्ड पहुंचे जहां चाय-नाश्ता कर आगे की ओर बढे थे, कि अज्ञात बदमाशों ने रास्ते में रोककर शराब के लिए पैसे मांगे। जब उन्हें मना करने पर मारपीट पर उतारू हो गये,जिससे हम दोनो ही जमीन पर गिर गये। जब हम उठते तब तक वे अंधेरे का फायदा उठाकर भाग निकले। इस घटना में राकेश के दाहिने हाथ व कंधे पर अन्दरूनी चोटे आई व फैक्चर हो गया। जब कि सोहन को भी अन्दरूनी चोटे आई। दर्ज प्रकरण पर पुलिस ने दल का गठन कर ऐसे बदमाशों की सरगर्मी से तलाश प्रारंभ कर कमलेश पुत्र बाबूलाल हडात निवासी छेला खेरवाडा तथा राजेन्द्र पुत्र गोविन्द आमलिया निवासी रेंटा को गिरफ्तार कर न्यायालय में पेश किया जहां से न्यायिक अभिरक्षा में भेज दिया।

इसी प्रकार अन्य मामले में जिले के आंतरी कब्जे से गत दिनों एक युवक का अपहरण करने के आरोप में वरदा पुलिस ने अपहरण के मुख्य आरोपी सहित तीन जनों को गिरफ्तार कर लिया है तथा प्रयुक्त में ली गई बोलेरे वाहन को भी जब्त कर लिया है। पुलिस सूत्रों के अनुसार आंतरी कस्बे में गत 21 जून अज्ञात बदमाशानों द्वारा विपिन पिता मोतीलाल डामोर निवासी आंतरी फला झालरी को सफेद बॉलरो गाडी मे डालकर अपहरण कर ले गये थे जिस पर उसकी पीडित मां ने थाने पर रिपोर्ट दर्ज करवाई थी। पुलिस ने मामले की गभीरता को देखते हुए त्वरित कार्यवाही कर पीडित को दस्तयाब कर घटना में प्रयुक्त वाहन बोलेरो को डिटेन किया जो मामले की गंभीरता को देखते हुए उच्चाधिकारियों के निर्देशानुसार थाना हाजा पर गठीत टीम की गई। गठित टीम द्वारा शुक्रवार को घटना का मुख्य आरोपी सुरेश उर्फ शैम्पु अहारी को इसकी बहन के घर नवाडेरा थाना कोतवाली से तथा घटना के साथी सुन्दर पुत्र शंकर खांट व साहिल उर्फ शैलु पिता विशाल खांट निवासी सांसरपुर फला आमलीफला को थाना चौरासी के अनपुरा गावं से गिरफ्तार कर घटना में प्रयुक्त बोलेरो वाहन को आरोपी सुन्दर से जब्त कर ली है। उक्त आरोपी से पूछताछ जारी है।

कोतवाली पुलिस ने शराब के लिए पैसे मांगने और मारपीट करने के मामले में दो जनों को गिरफ्तार किया।

स्थायीकरण की मांग को लेकर सी.ई.ओ. को दिया ज्ञापन

बांसवाड़ा, (निसं)। राज. शिक्षक संघ राष्ट्रीय ने जिला संयोजक दिनेश मईडा, सह संयोजक दिलीप पाठक, वरिष्ठ उपाध्यक्ष बंसीलाल डिंडोर और जिला मीडिया प्रभारी जनक भट्ट के नेतृत्व में जिला परिषद के मुख्य कार्यकारी अधिकारी को तृतीय श्रेणी शिक्षक लेवल 1 के शिक्षकों के स्थायीकरण की मांग को लेकर ज्ञापन दिया।

जिला संयोजक दिनेश मईडा ने बताया कि 2021-22 में 800 तृतीय श्रेणी अध्यापकों की भर्ती हुई थी। उक्त सभी अध्यापकों के स्थायीकरण आदेश इस सत्र 2024 में होने है। प्रारम्भिक शिक्षा विभाग से प्राप्त सूचना के अनुसार लगभग 200 शिक्षकों के स्थायीकरण की फाइल मुख्य कार्यकारी अधिकारी स्तर पर कार्य प्रगति के अभाव में लंबित हैं। जिले में लगभग 400 एल-1 शिक्षको की भर्ती हुई थी जिसमें से अधिकांश शिक्षको की नियुक्ति तिथि 31 मई थी। जिला शिक्षाधिकारी प्रारंभिक से प्राप्त जानकारी के अनुसार कार्यालय ने लगभग 200 शिक्षको के स्थायीकरण की फाइल पूर्ण कर जिला परिषद कार्यालय को पिछले कई दिनों से आगामी प्रक्रिया पूर्ण करने के लिए प्रेषित की है लेकिन अभी तक स्थायीकरण के आदेश नहीं हो पा रहे है। ऐसे में विलंब के कारण शिक्षको में रोष व्याप्त है। वही राज्य के अन्य जिलों में विभागीय स्तर पर तत्परता बताते हुए स्थायीकरण के आदेश जारी हो चुके है। शिक्षकों के स्थायीकरण के अभाव शिक्षकों के वेतन निर्धारण, पीएल और मेडिकल आदि सुविधाओं से वंचित रह रहे हैं। राज.शिक्षक संघ राष्ट्रीय ने संबद्ध अधिकारियों से शिक्षकों के जल्द से जल्द स्थायीकरण की मांग करते हुए चेतावनी दी कि अन्यथा संगठन को आंदोलन करने को विवश होना पडेगा। जिला मीडिया प्रभारी जनक भट्ट ने बताया कि ज्ञापन पर जिगर सिंह राव, हर्षराज सिंह चौहान, जिमेश सुथार आदि मौजूद रहे।

जिला परिषद के सी.ई.ओ.को शिक्षकों के स्थायीकरण की मांग को लेकर ज्ञापन देता शिक्षक संघ राष्ट्रीय का प्रतिनिधि मंडल।

राष्ट्रीय संगोष्ठी आयोजित

उदयपुर, (कासं)। जनार्दन राय नगर राजस्थान विद्यापीठ (डीम्ड टू बी विवि) उदयपुर के विज्ञान संकाय के जंतु विज्ञान विभाग की ओर से प्रतापनगर स्थित आईटी सभागार में जलवायु परिवर्तन का जैव विविधता पर प्रभाव विषय पर आयोजित एक दिवसीय राष्ट्रीय संगोष्ठी का शुभारंभ कुलपति प्रो. एस. एस. सारंगदेवोत, वरिष्ठ सीए एवं समाजसेवी डॉ. श्याम सिंघवी, मुख्य अतिथि केन्द्रीय विवि हरियाणा की प्रो. नीरजा धनकर, विशिष्ठ अतिथि एमपीयूटी के पूर्व डीन प्रो. विमल शर्मा, मुख्य वक्ता पूर्व डीन प्रो. एल. एल. शर्मा, निदेशक डॉ सपना श्रीमाली, सांयकालीन निदेशक डॉ. जय सिंह जोधा ने मां सरस्वती के समक्ष दीप प्रज्वलित करके किया।

अध्यक्षता करते हुए प्रो. सारंगदेवोत ने कहा कि जलवायु परिवर्तन आज पुरी दुनिया को प्रभावित कर रहा है इससे आमजन ही प्रभावित नहीं हो रहा है वरन् जैव विविधता पर भी इसका असर हो रहा है। जल, नदी व जंगल हमारे लिए केवल प्राकृतिक वस्तुएॅ नहीं हैं, ये तो हमारे अस्तित्व व आत्मा से जुडे हैं। इनसे हमें उतना ही प्रेम है जितना स्वयं से है। पर्यावरण सुरक्षित रहेगा तभी मानव सभ्यता जीवित रहेगी।

छात्र के साथ हुई रैगिंग के खिलाफ सौंपा ज्ञापन

राजसमंद, (निसं)। पिछले दिनों डूंगरपुर मेडिकल कॉलेज में प्रथम वर्ष के छात्र प्रथम व्यास के साथ हुई रैगिंग जैसी अमानवीय घटना को लेकर विप्र फाउंडेशन एवं सर्व ब्राह्मण समाज ने विप्र फाउंडेशन जिलाध्यक्ष शांतिलाल पालीवाल के नेतृत्व में मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा के नाम जिला कलक्टर डॉ भंवरलाल को ज्ञापन सौंप कर रोष व्यक्त किया। विप्र प्रवक्ता पं गौरव पालीवाल ने बताया कि पिछले दिनों डूंगरपुर मेडिकल कॉलेज के छात्र प्रथम व्यास के साथ 48 डिग्री सेल्सियस जैसे तापमान में 35० उठक बैठक लगवाई गई। जिस कारण उस छात्र की हालत बेहद गंभीर हो गई और उसे अहमदाबाद अस्पताल में भर्ती करवाया गया।

जहां छात्र को डायलेसिस तक की नौबत आ गई। जिलाध्यक्ष शांतिलाल पालीवाल ने कहा कि उस छात्र के साथ इस अमानवीय कृत्य करने वाले छात्रों को कडी से कडी सजा दिलवाई जाए जिससे भविष्य में ऐसी घटनाओं से बचा जा सके। जिला महामंत्री भरत पालीवाल ने कहा कि प्रथम व्यास के परिवार को चिकित्सा एवं आर्थिक सहायता प्रदान की जाए एवं प्रथम व्यास को राज्य सरकार सुरक्षा प्रदान करें। प्रदेश उपाध्यक्ष हेमंत पालीवाल ने कहा कि राजस्थान में रैगिंग जैसी घटनाओं को सख्ती से रोका जाएं। इस दौरान प्रदेश उपाध्यक्ष गोपाल पालीवाल, प्रदेश सचिव शशिकांत महाकाली, प्रदेश महिला सचिव सविता पारीक, वीसीसीआई जिलाध्यक्ष गोविंद सनाढ्य, महामंत्री अरुण बागोरा आदि मौजूद रहे।

ट्रक चौराहा के प्रवेश द्वार पर खड्डा व कीचड़ से हादसे की आशंका

भीम, (निसं)। सार्वजनिक निर्माण विभाग द्वारा निर्मित मुख्यमंत्री बजट घोषणा वर्ष 2023-24 के तहत भीम से कामलीघाट वाया टॉडगढ़ मंडावर निर्माण कार्य में ठेकेदार की लापरवाही से आम जनता को परेशानी हो रही है। उपखंड मुख्यालय के ट्रक चौराहा के प्रवेश द्वार पर ही गहरा खड्डा एवं कीचड़ होने से दुपहिया वाहन चालकों तथा पैदल राहगीरों के फिसलकर हादसे की आशंका बनी हुई है।

भीम से कामलीघाट वाया टॉडगढ़ मंडावर सड़क निर्माण के दौरान धर्मेशपुरी, टॉडगढ़ रोड, बस स्टैंड आदि कई जगह पर विद्युत पोल सड़क के बीच लगे रहने से कभी भी दुर्घटनाएं हो सकती है। पीडब्ल्यूडी विभाग के जेईएन बलराम मीणा ने बताया कि मुख्यमंत्री बजट घोषणा योजना 2023-24 के तहत स्वीकृत भीम से कामलीघाट वाया टॉडगढ़ मंडावर तक कुल 36.50 किलोमीटर सड़क की लागत 50 करोड रुपए है तथा इस सड़क निर्माण कार्य को 5 अक्टूबर 2023 को प्रारंभ किया गया है। आगामी 4 अगस्त 2024 तक कार्य पूर्ण करने की तिथि है तथा इस सड़क निर्माण कार्य में सड़क शुद्धीकरण व चौड़ाईकरण का कार्य शामिल है तथा सड़क के दोनों और ढाई फीट की नाली का निर्माण किया जाएगा।कस्बे के धर्मेशपुरी टॉडगढ़ रोड ट्रक चौराहा आदि क्षेत्र के ग्रामीणों ने बताया की सार्वजनिक निर्माण विभाग की लापरवाही के कारण मुख्य बाजार के अंतर्गत रोडवेज बस स्टैंड रोड पर कई महीनों से रोड का निर्माण बहुत ही धीरे चल रहा है। रोड ठेकेदार की मनमानी के चलते बिना नाली बनाये आधा रोड बनाया गया है। जिससे रोड पर गन्दा पानी कीचड़ के रूप में दुर्घटनाओं का कारण बना हुआ हैं। नालियों के पानी के लिए कोई अस्थाई व्यवस्था बिना किये ठेकेदार द्वारा अधूरा काम छोड़कर दूसरी जगह काम शुरू किया गया है। जबकि यह मार्ग टॉडगढ़ से भीम का मुख्य मार्ग है जो हर समय व्यस्त रहता है। महिलाओं और बुजुर्गों का तो इस व्यस्त मार्ग से निकलना असम्भव हो गया है।

इसी मार्ग पर कई बार बाइक सवार इस रोड पर गिर पड़े जिससे उन्हें गम्भीर चोट भी आयी है। सार्वजनिक निर्माण विभाग के अधिकारियों की ठेकेदार से सांठगांठ होने के कारण ठेकेदार धीमी गति से मनमर्जी के अनुसार काम कर रहा है। कई बार परेशान दुकानदारों द्वारा रोड के ठेकेदार से बात करने पर ठेकेदार द्वारा सन्तुष्ट जवाब नहीं मिला। विजय सिंह मीणा एक्सईएन सार्वजनिक निर्माण विभाग खंड भीम ने बताया कि कस्बे के ट्रक चौराहे से टॉडगढ़ रोड पर 90 मीटर तक सीसी रोड कार्य प्रारंभ है , सीसी तराई पूर्ण होने के बाद दूसरी तरफ कार्य प्रारंभ कर दिया जाएगा। इस सड़क के बीच एक मीटर चौड़ाई का बीचों-बीच डिवाइडर निर्माण भी किया जाएगा। उस दौरान बिजली पोल अन्यत्र स्थापित करने के लिए विद्युत विभाग को अवगत करा दिया गया है।

उपखंड मुख्यालय के ट्रक चौराहा के प्रवेश द्वार पर खड्डा एवं कीचड़ होने से दुपहिया वाहन चालकों व पैदल राहगीरों के फिसलकर हादसे की आशंका बनी हुई है।

श्रीमद्भागवत कथा महोत्सव का समापन

राजसमंद, (निसं)। श्रीहरि ने कृष्ण अवतार में पृथ्वी लोक पर दुर्जनों दुष्टों एवं पापियों का संहार कर प्राणि मात्र को भयमुक्त किया। कंस, पुतना व कालिया नाग जैसी आसुरी वृत्तियों का विनाश एवं अहंकारी दुर्योधन, व दु:शासन जैसे दुर्जनों का मान मर्दन व सर्वनाश कर धर्म की पुर्नस्थापना की। तब पृथ्वी पापाचार, अत्याचार व दुराचार के भार से मुक्त हुई। प्रभु ने मानव कल्याण के लिए अनेक लीलाएं रची एवं निष्काम कर्म व भक्ति का संदेश दिया और अपनी समस्त लीलाएं पूर्ण कर पुन: वैकुण्ठ धाम प्रस्थान कर गए। सातवें दिन मृत्यु के श्राप से श्रापित राजा परीक्षित एवं शुकदेव भगवान संवाद के आखरी चरण का वर्णन करते हुए संत विजय हरिप्रभु ने ये उद्गार व्यक्त किए। शहर की पुरानी सब्जी मण्डी प्रांगण में जनता मंच व स्थानीय इस्कॉन केन्द्र की ओर से आयोजित श्रीमद् भागवत कथा महोत्सव के अंतिम दिन गुरूवार रात उन्होंने कई प्रसंगों का वर्णन किया। उन्होंने कहा कि मृत्यु सन्निकट होने के बाद भी राजा परीक्षित तनिक भी भयग्रस्त नहीं हुए तथा प्रभु कथा श्रवण करते रहे। दिव्य कथा श्रवण के पुण्य फल से श्रीहरि की ऐसी कृपा हुई कि प्रभु स्वयं परीक्षित को अपने साथ वैकुण्ठ धाम ले गए। शुकदेव भगवान कहते है कि जो व्यक्ति अपने हृदय को पवित्र रखकर श्रद्धापूर्वक भागवत कथा श्रवण करता है तो भगवान उसके हृदय में प्रकट हो जाते हैं।

नशा नहीं करने का लिया संकल्प

उदयपुर, (कासं)। जनार्दनराय नागर राजस्थान विद्यापीठ डीम्ड टू बी विश्वविद्यालय के संघटक नर्सिंग विभाग की ओर से शुक्रवार को प्रतापनगर स्थित आईटी सभागार में युवाओं को धुम्रपान के प्रति जागरूक करने के उद्देश्य से आयोजित जागरूकता कार्यक्रम का शुभारंभ कुलपति प्रो. एस.एस. सारंगदेवोत, कुल प्रमुख भंवर लाल गुर्जर, पीठ स्थविर डॉ. कौशल नागदा, मुख्य वक्ता डॉ. पीसी जैन, आईटी निदेशक प्रो. मंजू मांडोत, कोर्डिनेटर मुकेश चैधरी ने मॉ सरस्वती की प्रतिमा के सम्मुख दीप प्रज्जवलित कर किया। प्रारंभ में मुकेश चैधरी ने अतिथियों का स्वागत करते हुए एक दिवसीय जागरूकता कार्यक्रम की जानकारी दी।

- **युवा राष्ट्र, समाज की धरोहर : प्रो. सारंगदेवोत**
- **धूम्रपान के प्रति युवाओं को किया जागरूक**

प्रो. सारंगदेवोत ने युवाओं का आव्हान किया कि वे बुरी आदतों से बचे। युवा समाज, राष्ट्र की धरोहर है। देश की उन्नित के लिए व्यसन मुक्त भारत जरूरी है, लाखों योनिया पार कर मनुष्य जीवन मिलता है इसे व्यर्थ में न गवाये। किसी व्यक्ति को नशे की लत लग जाने पर उससे पुन: निकलना बडा मुश्किल होता है।मुख्य वक्ता जिला व्यसनमुक्त भारत के सदस्य, वरिष्ठ चिकित्सक व जल मित्र डॉक्टर पीसी जैन ने कहा कि नशा छोडने में नशे के रोगी को तीन तरह के डर हमेशा सताते रहते हैं। पहला मैं नशा छोडने के समय होने वाले विड्रॉल सिम्टम्स अर्थात विदाई के दर्दों को कैसे सहन करूंगा, दूसरा नशा छुडाने हेतु न जाने कैसा इलाज होगा कहीं इलेक्ट्रिक शॉक ना लगाना पड जाए, तीसरा कहीं दूसरे लोगों को इसका पता ना लग जाए। इन तीनों डरो को नर्स जो कि रोगी के संपर्क में अधिक समय रहती है उसे भावात्मक रूप से इन डरो से दूर कर सकती है जिससे नशा मुक्त होने में रोगी का आत्मविश्वास बढ जाता है। प्रारंभ में नशा क्यों होता है इसके 12 एफ, नशा छुडाने के भी सात डी, और नशे के रोगी से बात करने के पांच ऐ के बारे में विस्तार से समझाया। सभी तरह के नशे शराब ,तंबाकू, अफीम ,गांजा , एम डी के बारे में संक्षिप्त जानकारी डॉक्टर पीसी जैन ने सबको दी। तंबाकू चाहे वह चबाने वाली हो या धूम्र पान करने वाली हो को उन्होंने दीमक की तरह घातक माना। दिन में कुछ समय मोबाइल- व्रत रखने का सभी से आठाह किया गया।नशा छुडाने हेतु एक एक्सरसाइज सभी से करवाई और अंत में नशा गीत एवं नृत्य भी किया गया। सभी ने नशा न करने का संकल्प लिया एवं हर माह कम से कम दो नशावान को नशा मुक्त करने का संकल्प लिया।कार्यक्रम में नर्सिंग समन्वयक मुकेश चैधरी, अंकिता कँवर, डिम्पल आमेटा , जिगिशा मुर्डिया सहित बडी संख्या में विद्यार्थी उपस्थित थे।

जागरूकता कार्यक्रम का शुभारंभ प्रो.सारंगदेवोत, कुल प्रमुख भंवर लाल गुर्जर ने सरस्वती प्रतिमा के सम्मुख दीप प्रज्जवलित कर किया।

सार-समाचार

डूबने से दो युवकों की मौत

उदयपुर, (कासं)। शहर में शुक्रवार सुबह पानी में अलग-अलग डूबने से दो युवकों की मौत हो गई। एक घटना अम्बामाता थाना क्षैत्र फतहसागर झील में व दूसरी घटना भूपालपुरा थाना क्षेत्र में स्थित गंगु कुंड पर हुई जहां नहाने गए युवक पानी में डूब गए।शुक्रवार सवेरे इन्द्रा कॉलोनी मादडी रोड़ टेकरी सूरजपोल निवासी मंथन अधिकारी (24) पुत्र देवेन्द्र अधिकारी अपने चाचा पुष्पेन्द्र सिंह अधिकारी तथा चचेरी बहन नित्यांशी के साथ फतहसागर पर नहाने गया था। जहां तैरने के दौरान मंथन पानी में डूब गया। मंथन तैरना सीख रहा था और ट्यूब लेकर चल रहा था। दूरी पर जाने के बाद उसके हाथ से ट्यूब छूट गया और हड़बड़ाहट में वह पानी में गोते खाने लगा और डूब गया। युवक को डूबता देख चिल्लाने पर लोगों ने उसे बचाने का प्रयास किया लेकिन उसका पता नहीं चल पाया। सिविल डिफेंस की रेस्क्यू टीम ने मौके पर पहुंच मृतक को बाहर निकाल एमबी चिकित्सालय पहुंचाया। जहां चिकित्सकों ने उसे मृत घोषित कर दिया। इस पर एएसआई नरेन्द्रसिंह ने मृतक पोस्टमार्टम करवा शव परिजनों को सौंप दिया। वहीं भूपालपुरा थाना क्षैत्र में महासतिया स्थित गंगू कूण्ड पर नहाने आए प्रहलाद (39) पुत्र नाथूलाल खटीक की पानी में डूबने से मौत हो गई। प्रहलाद सवेरे नहाने गया था जहां पानी मे डूबता देख लोगों के चिल्लाने पर उसे बचाने का प्रयास किया लेकिन वह भी डूब गया। पर सिविल डिफेंस की टीम ने मौके पर पहुंच कर उसे बाहर निकाला। एएसआई हीरसिंहने मृतक का पोस्टमार्टम करवा शव परिजनों को सोंप दिया।

नकदी लूटने वाले पांच गिरफ्तार

उदयपुर, (कासं)। जल जीवन मिशन योजना के श्रमिकों के साथ मारपीट कर नकदी लूट की वारदात करने वाले पांच आरोपियों को ऋषभदेव थाना पुलिस ने गिरफ्तार किया। प्रकरण के अनुसार 10 जून करे पीडित चरणसिंह पुत्र तेजसिंह रावत ठेकेदार जल जीवन मिशन योजना बिलख गडावत ऋषभेव ने पुलिस थाने में रिपोर्ट दी। जिसमें उसनेबताया कि 9 जून को मै व साथी मजदूरी प्रतापसिंह, भरतसिंह, रतनसिंह, अभिषेक, उम्मेद व साथी ग्राम पंचायत भवन गडावत के छत पर सो रहे थे। इस दौरान नकाब पहने आए 10-15 लोगो ने तलवार दिखाते हुए धमकाया तथा मारपीट कर 15 हजार रूपये नकदी, मशीनों का डीजल, फ्यूजन मशीन, मोबाईल ले गए तथा जाते समय जीप के कॉच फोड़ कर फरार हो गए। इस मामले में प्रकरण दर्ज होने पर जिला पुलिस अधीक्षक योगेश गोयल के निर्देश पर अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक अंजना सुखवाल, पुलिस उप अधीक्षक राजीव राहर के सुपरविजन में ऋषभदेव थानाधिकारी घनश्यामसिंह के नेतृत्व में एसआई रामलाल, एएसआई श्यामसुन्दर मय टीम ने अनुसंधान में मिले साक्ष्यों के आधार पर साहिल उर्फ सागर पुत्र लक्ष्मण मीणा, संजय पुत्र भगवानलाल मीणा, नमीष पुत्र गुन्जारीलाल मीणा, अभिषेक पुत्र माणकलाल मीण,अविनाश पुत्र राजकुमार मीणा को गिरफ्तार किया। पुलिस आरोपियों से पूछताछ कर रही है।

होटलकर्मी ने की आत्महत्या

उदयपुर, (कासं)। शहर के सुखेर थाना क्षेत्र में होटलकर्मी ने फांसी लगा आत्महत्या कर ली। पुलिस से प्राप्त जानकारी के अनुसार गुरूवार रात में सुल्तानजी का खेरवाड़ा झाड़ोल हाल शौभागपुरा निवासी दयालाल पुत्र हुरमाजी गमेती ने होटल की छत पर फांसी लगा आत्महत्या कर ली। रात में दयालाल ने अपने भाई को सवेरे गांव चलने के लिए फोन पर बातचीत की थी। सवेरे फोन नहीं उठाने पर भाई ने होटल कर्मियों को फोन कियां इस पर तलाश की तो वह छत पर फांदे पर लटका हुआ मिला। इसकी सूचना मिलने पर सुखेर थानाधिकारी हिमांशुसिंह राजावत ने मौके पर पहुंच कर फंदे से निचे उतार चिकित्सालय मोर्चरी में रखवाया। इस पर हेडकांस्टेबल जसवन्तसिंह ने मृतक का पोस्टमार्टम करवा शव परिजनों को सौंप दिया। पुलिस ने मामले की जांच शुरू की।

5 परीक्षाओं के परिणाम घोषित

उदयपुर, (कासं)। मोहन लाल सुखाडिया विवि द्वारा आज 5 परीक्षाओ के परीक्षा परिणाम परीक्षा नियंत्रक डॉ. आर. सी. कुमावत द्वारा घोषित कराये गए। परीक्षा नियंत्रक डॉ कुमावत ने जानकारी प्रदान करते हुए बताया कि जारी किए ०5 परीक्षा परिणामों के अन्तर्गत एम.ए. प्रथम सेमेस्टर (एनइपी) इतिहास, जैनोलॉजी और प्राकृत, संगीत (वाद्य और सितार), समाजशास्त्र, एलएलबी तृतीय वर्ष के परिणाम घोषित किए गए हैं। घोषित परिणाम की विस्तृत जानकारी विश्वविद्यालय की वेबसाइट पर उपलब्ध है। विवि द्वारा इस माह में 25 परिणाम पहले ही घोषित किये जा चुके है। इस अवसर पर कुलपति प्रोफेसर सुनीता मिश्रा ने सभी उत्तीर्ण विद्यार्थियों को शुभकामनाएं दी। उन्होंने बताया की विवि के अन्य मुख्य परिणाम भी अतिशीघ्र आगामी सप्ताह में घोषित किए जाएगें।

जेवरात, पर्स व मोबाइल लूटा

उदयपुर, (कासं)। शहर के बापूबाजार स्थित टाइटन शोरूम के समीप अज्ञात बदमाश महिला को बातों में लगा सम्मोहित कर जेवरात, पर्स व मोबाइल लेकर फरार हो गए। घटना शाम 4.30 बजे की बताई जा रही है। घटना के बाद दोनों संदिग्ध ऑटो में सवार होकर फरार हो गए। ऑटो चालक ने उन्हें ठोकर चौराहे पर उतारने की बात कही। पुलिस मामले की जांच व आरोपियों की तलाश में जुटी है।

प्रतिभाओं का सम्मान

बांसवाड़ा, (निसं)।राबाउमावि चंद्रपोल गेट में सत्र 2०23-24 में 1०वीं व 12वीं बोर्ड में 75 प्रतिशत से अधिक अंक अर्जित करने वाली 10० छात्राओं का सम्मान किया गया। विद्यालय की प्राची जैन ने कक्षा दसवीं में 94.67 फीसदी अंक अर्जित कर प्रथम स्थान, अंशिका राज ने 93.50फीसदी अंक अर्जित कर द्वितीय एवं श्रेया राजोरा ने 93.17 फीसदी अंक अर्जित कर तृतीय स्थान प्राप्त कर विद्यालय व जिले का गौरव बढाया।

टर्न लेती पिच पर मोईन अली से गेंदबाजी नहीं करवाना रणनीतिक चूक थी। भारत ने वास्तव में अच्छा प्रदर्शन किया और उन्होंने हमारी तुलना में परिस्थितियों से बेहतर सामंजस्य बिठाया। - **जोस बटलर**

इंग्लैंड के कप्तान, सेमीफाइनल में मिली हार पर कहा।

खेल जगत

आज का खिलाड़ी

रोहित शर्मा

रोहित शर्मा ने बतौर कप्तान भारत के लिए अपने 5000 रन पूरे कर लिए हैं और विराट कोहली, एमएस धोनी, अजरुद्दीन और सौरव गांगुली की एलीट लिस्ट में शामिल हो गए हैं। भारत के लिए बतौर कप्तान रोहित से पहले इन चारों खिलाड़ियों ने 5 हजार या उससे ज्यादा रन बनाने का कमाल किया था। भारत के लिए बतौर कप्तान सबसे ज्यादा रन बाने वाले खिलाड़ी विराट कोहली हैं जिन्होंने 12883 रन बनाए हैं तो एमएस धोनी 11207 रने के सात दूसरे नंबर, अजहरुद्दीन बतौर कप्तान 8095 रन बनाए थे जबकि गांगुली ने 7643 रन कप्तान के रूप में बनाए थे।

क्या आप जानते हैं ?... जिम्माब्बे के तातेन्द्र तेबु ने मई 2004 में श्रीलंका के विरुद्ध अपनी टीम की कप्तानी करके सबसे कम उम्र का टैस्ट कप्तान बनने का रिकॉर्ड अपने नाम कर लिया।

आज मिलेगा टी-20 वर्ल्ड कप 2024 का चैम्पियन

बारबाडोस में भारत और दक्षिण अफ्रीका के बीच महाभिड़ंत

टी-20 में 26 मुकाबलों में भारत ने दक्षिण अफ्रीका को 14 बार हराया

भारत जीता तो दूसरी बार तथा दक्षिण अफ्रीका जीता तो पहली बार उठायेगा कप

बारबाडोस, 28 जून। बारबाडोस में शनिवार 29 जून को भारत और साउथ अफ्रीका के बीच टी20 वर्ल्ड कप 2024 का फाइनल मुकाबला खेला जाना है। भारतीय समयानुसार ये मुकाबला रात 8 बजे खेला जाना है। वहीं भारतीय टीम रोहित शर्मा की अगुवाई में पिछले 11 सालों का सूखा खत्म कर ट्रॉफी अपने नाम करना चाहेगी। जबकि पहले बार फाइनल में पहुंची साउथ अफ्रीकी टीम भी भारत के खिलाफ खिताब जीत कर इतिहास के पन्नों में अपना नाम दर्ज करना चाहेगी।

टी20 वर्ल्ड कप में किस टीम का पलड़ा भारी है? आंकड़े बताते हैं कि साउथ अफ्रीका के खिलाफ टी20 मैचों में भारतीय टीम का पलड़ा भारी रहा है। भारत और साउथ अफ्रीका की टीमें टी20 फॉर्मेट में 26 बार आमने-सामने हुई है। जिसमें भारत ने साउथ अफ्रीका को 14 बार हराया है, जबकि 1 मैचोंमें हार का सामना करना पड़ा है। भारत और साउथ अफ्रीका की टीमें न्यूट्रल वेन्यू पर 2 बार आमने-सामने हुई है। दोनों बार साउथ अफ्रीकी टीम को हार का सामना करना पड़ा है। इस तरह इन आंकड़ों से साफ हे कि टी20 फॉर्मेट में साउथ अफ्रीका के खिलाप भारतीय टीम का दबदबा रहा है, लेकिन ये देखना मजेदार होगा कि फाइनल में क्या होता है?

टीम इंडिया की संभावित प्लेइंग इलेवन में रोहित शर्मा (कप्तान), विराट कोहली, ऋषभ पंत (विकेटकीपर), सूर्यकुमार यादव, हार्दिक पंड्या, शिवम दुबे, रविंद्र जडेजा, अक्षर पटेल, जसप्रीत बुमराह, कुलदीप यादव और अर्शदीप सिंह। तथा साउथ अफ्रीका की संभावित प्लेइंग इलेवन में क्विंटन डी कॉक (विकेटकीपर), रीजा हेंड्रिक्स, एडेन मार्कराम (कप्तान), हेनरिक क्लासेन, डेविड मिलर, ट्रिस्टन स्टब्स, मार्को जानसन, केशव महाराज, कैगिसो रबाडा, एनरिक नॉर्टजे और तबरेज शम्सी होंगे।

मैं टी-20 वर्ल्ड कप जीतना चाहता हूं : द्रविड़

बारबाडोस, 28 जून। भारतीय टीम शनिवार को आईसीसी टी20 वर्ल्ड कप 2024 फाइनल मैच के लिए बारबाडोस में जब मैदान पर उतरेगी तो कोच के तौर पर इस टीम के साथ राहुल द्रविड़ का ये आखिरी मैच होगा। द्रविड़ का कार्यकाल बीते नवंबर में वनडे वर्ल्ड कप के बाद ही खत्म हो गया था लेकिन टीम प्रबंधन ने टी20 वर्ल्ड कप तक उन्हें इस जिम्मेदारी निभाने का आग्रह किया था। टी20 वर्ल्ड कप के भारतीय प्रसारक ने सोशल मीडिया पर डू इट फॉर द्रविड़ ट्रेंड कर रहा है। वहीं राहुल द्रविड़ ने इस पर कहा कि, इस वैश्विक खिताब को किसी व्यक्ति के लिए नहीं बल्कि टीम के लिए जीतना चाहते हैं। द्रविड़ के लिए वर्ल्ड कप जीतना कोई व्यक्तिगत गौरव का क्षण नहीं होगा ये टीम की उपलब्धी होगी। उनके मुताबिक भारत अगर वर्ल्ड चैंपियन बनता है तो ये टीम के प्रयास और रोहित शर्मा की प्रेरणादयी कप्तानी का परिणाम होगा। द्रविड़ ने अपने विचारों को साफ करते हुए स्टार स्पोर्ट्स से कहा कि मैं बस अच्छा क्रिकेट खेलना चाहता हूं।

शेफाली का दोहरा व मंधाना के शतक से भारत का पहले दिन का स्कोर 500 के पार

शेफाली वर्मा ने एनाबेल सदरलैंड का रिकॉर्ड तोड़ा, महिला टेस्ट में सबसे तेज दोहरा शतक लगाने वाली बल्लेबाज बनी

चेन्नई, 28 जून। शेफाली वर्मा (205) के एतिहासिक दोहरे शतक और स्मृति मंधाना (149) की शतकीय पारी के साथ भारत की महिला टीम ने शुक्रवार को एकमात्र टेस्ट मैच के पहले दिन दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ चार विकेट पर 525 रन बनाकर मैच पर अपनी मजबूत पकड़ बना ली है। आज यहां एम ए चिदंबरम स्टेडियम में भारतीय महिला टीम ने टॉस जीतकर पहले बल्लेबाजी करने का फैसला किया। शेफाली वर्मा और स्मृति मंधाना की सलामी जोड़ी ने बेहतरीन बल्लेबाजी का मुजाहिरा करते हुए मैदान के चारों ओर शॉट लगाते हुए पहले विकेट के लिये 292 रनों की रिकार्ड साझेदारी की। 52वें ओवर में डेलमी टकर ने स्मृति मंधाना को आउटकर इस साझेदारी को तोड़ा। स्मृति ने 161 गेंदों 27 चौकों और एक छक्के की मदद से (149) रन बनाये।

मंधाना के बाद बल्लेबाजी करने आयी सतीश शुभा (15) रन बनाकर पवेलियन लौट गई। 75वें ओवर में रन लेने के प्रयास में शेफाली वर्मा दुर्भाग्यपूर्ण तरीके से रनआउट हो गई। उन्होंने 197 गेंदों में 23 चौके और आठ छक्के लगाते हुए (205) रनों की ऐतिहासिक पारी खेली। जेमिमाह रॉड्रिग्स (55) रन बनाकर आउट हुई। दिन का खेल समाप्त होने तक भारत ने 98 ओवर में चार विकेट पर 525 रन बनाकर मैच पर अपनी मजबूत पकड़ बना ली है। दिन का खेल समाप्त होने के समय कप्तान हरमनप्रीत कौर नाबाद (42) और ऋचा घोष नाबाद (43) की पर थी। दक्षिण अफ्रीका की ओर से डेलमी टकर को दो विकेट मिले। नडीन डी क्लर्क ने एक बल्लेबाज को आउट किया।

ओलंपिक में शामिल होने वाले खिलाड़ियों को राष्ट्रपति ने दी बधाई

नई दिल्ली, 28 जून। राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू ने अगले महीने 26 जुलाई से 11 अगस्त तक चलने वाले पेरिस ओलंपिक में भाग लेने वाले भारतीय खिलाड़ियों को बधाई दी है। उन्होंने कहा कि भारत 2036 के ओलंपिक की मेजबानी की तैयारी कर रहा है। राष्ट्रपति ने संसद के दोनों सदनों की संयुक्त बैठक में अपने अभिभाषण में कहा कि, मेरी सरकार के प्रभावी प्रयासों का परिणाम है कि भारत के युवा खिलाड़ी वैश्विक मंचों पर रिकॉर्ड संख्या में पदक जीत रहे हैं। पेरिस ओलंपिक के लिए 100 से ज्यादा भारतीय खिलाड़ियों ने क्वालीफाई किया है, जिसमें रिकॉर्ड 21 निशानेबाज भी शामिल हैं। उनका लक्ष्य पिछले टोक्यो ओलंपिक में देश द्वारा हासिल किए गए अब तक के सर्वश्रेष्ठ सात पदकों से आगे बढ़ने का होगा। राष्ट्रपति ने कहा कि, कुछ ही दिन बाद पेरिस ओलंपिक शुरू होने जा रहा है।

अफगानिस्तान की घरेलू सीरीज की मेजबानी कर सकता है ग्रीनपार्क

कानपुर, 28 जून। लगभग तीन साल बाद ग्रीनपार्क स्टेडियम में एक अंतरराष्ट्रीय टेस्ट मैच मिलने के बाद से ही कानपुर में जुलाई-अगस्त में दो देशों के बीच न्यूट्रल अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट सीरीज आयोजित किये जाने की संभावनाओं को बल मिल गया है।

कोपा कप : पनामा ने अमेरिका को हराकर ग्रुप-सी में अपनी उम्मीदें कायम रखीं

अमेरिका, 28 जून जोस फजार्डो के देर से किये गए गोल की बदौलत पनामा ने अमेरिका को गुरूवार रात 2-1 से हराकर कोपा-अमेरिका के क्वार्टरफाइनल में पहुंचने की अपनी उम्मीदें कायम रखीं। मर्सिडीज-बेंज स्टेडियम में 18वें मिनट में टूर्नामेंट के मेजबान को 10-पुरुषों तक सीमित कर दिया गया था जब टिमोथी वेह को रॉडरिक मिलर पर एक हिंसक चैलेंज के लिए सीधे लाल कार्ड दिखाया गया था।

शिन्हुआ की रिपोर्ट के अनुसार, इस झटके के बावजूद, संयुक्त राज्य अमेरिका चार मिनट बाद फोलारिन बालोगुन के माध्यम से आगे बढ़ गया, जिन्होंने एंटोनी रॉबिन्सन के साथ तालमेल के बाद बाएं पैर से शॉट लगाकर गेंद को शीर्ष-दाएं कोने में पहुंचा दिया।

राइट-बैक सीज़र ब्लैकमैन ने 18-यार्ड बॉक्स के बाहर से निचले प्रयास से गोलकीपर मैट टर्नर को हराकर लगभग तुरंत ही बराबरी कर ली। पनामा ने गेंद पर लगभग 75 फीसदी कब्जे को नियंत्रित किया और संयुक्त राज्य अमेरिका की तुलना में लगभग तीन गुना अधिक पास पूरे किए, जो पीछे बैठकर अपने विरोधियों पर पलटवार करने से संतुष्ट थे।

हालाँकि, मध्य अमेरिकी टीम के पास अन्य विचार थे, और फजार्डो ने अब्दील अयार्ज़ा के पास के बाद 12 गज की दूरी से गोल करके बढ़त दोगुनी कर दी। मैच में एक और मोड़ तब आया जब पनामा के एडलबर्टो कैरासक्विला ने समय से दो मिनट पहले क्रिश्चियन पुलिसिक को गिरा दिया, एक ऐसा अपराध जिसके कारण ह्यूस्टन डायनेमो के मिडफील्डर को सीधे लाल कार्ड मिला।

लेकिन पनामा ने देर से आए दबाव को झेलते हुए टूर्नामेंट में अपनी पहली जीत हासिल की। थॉमस क्रिस्टियनसेन की टीम अब ग्रुप सी में तीसरे स्थान पर है, उसके अंक उरुग्वे और संयुक्त राज्य अमेरिका के बराबर हैं लेकिन गोल अंतर के कारण तीसरे स्थान पर है।

त्रिशा जॉली-गायत्री गोपीचंद की जोड़ी यूएस ओपन के क्वार्टरफाइनल में

टेक्सास, 28 जून। त्रिशा जॉली और गायत्री गोपीचंद की भारतीय जोड़ी यूएस ओपन 2024 बैडमिंटन टूर्नामेंट में महिला युगल स्पर्धा के क्वार्टरफाइनल में पहुंच गई। गुरुवार को अमेरिका में टेक्सास के फोर्ट वर्थ कन्वेंशन सेंटर में खेले गये मुकाबले में त्रिशा-गायत्री की भारतीय जोड़ी ने एक गेम से पिछड़ने के बाद विश्व नंबर 83 सीह पेई शान और हंग एन-त्ज़ु को 16-21, 21-11, 21-19 से हराया।

भारतीय जोड़ी को 16 ऑफ राउंड के मुकाबले में अपने विरोधियों को हराने में 54 मिनट लगे। क्वार्टरफाइनल में त्रिशा-गायत्री का मुकाबला रुई हिरोकामी और जापान की युना काटो से होगा। वहीं प्रियांश राजावत भी चीनी ताइपे के हुआंग यू काई को हराकर पुरुष एकल स्पर्धा के क्वार्टरफाइनल में पहुंच गए हैं। प्रियांश ने अपने प्रतिद्वंद्वी को 35 मिनट में 21-18, 21-16 से हराकर अंतिम आठ में प्रवेश किया। क्वार्टरफाइनल में प्रियांशु का मुकाबला चीन के लेई लान शी से होगा। इस बीच, भारत की मालविका बंसोड़ ने दूसरे दौर में चेक गणराज्य की टेरेज़ा स्वाबिकोवा को 15-21, 21-19, 21-14 से हराया।

रूपल चौधरी को एथलीट बनने के लिए करनी पड़ी थी भूख हड़ताल

अब पेरिस में दिखायेंगी दमखम

नई दिल्ली, 28 जून। उत्तर प्रदेश के मेरठ से आने वाली रूपल चौधरी ने पेरिस ओलंपिक 2024 के लिए क्वालीफाई कर लिया है। इस युवा एथलीट के लिए यहां तक का सफर तय करना आसान नहीं था। रूपल को एथलेटिक्स को करियर बनाने के लिए पिता के सामने भूख हड़ताल तक करनी पड़ी थी। पश्चिमी यूपी के मेरठ से लगभग 15 किलोमीटर दूर जैनपुर गांव में लड़कियां नहीं दौड़ती हैं।

स्पोर्ट्स स्टार से बातचीत में रूपल के पिता ओमवीर चौधरी ने कहा, 'हमारा एक पारंपरिक गांव है।' ओमवीर गन्ना किसान हैं। रूपल ने साल 2016 में एथलेटिक्स को करियर बनाने का फैसला लिया। रूपल ने नेशनल फेडरेशन कप में प्रिया मोहन जैसी खिलाड़ी को पछाड़कर खूब सुर्खियां बटोरीं। रूपल चौधरी ने कहा, 'मैंने रियो ओलंपिक 2016 में पीवी सिंधु और साक्षी मलिक को पदक जीतते हुए देखा। इसके बाद मैंने भी एथलीट बनने का फैसला लिया। मैं यह नहीं जानती थी कि इसके लिए मुझे क्या करना होगा, लेकिन मैंने ये फैसला लिया।'

मेरठ में एक ही स्टेडियम है। लेकिन ओमवीर बेटी को वहां ले जाने के लिए राजी नहीं थे। बकौल रूपल, ' पहले वह (पिता) मुझे स्टेडियम ले जाने के लिए राजी हो गए। लेकिन बाद में वह कोई ना कोई बहाना करके टालने लगे। उन्हें संभवत: ऐसा लगा कि बाद में मैं अपना फैसला बदल लूंगी।'

राजधानी

जे.डी.ए. के तत्कालीन सचिव सहित अन्य के खिलाफ एफ.आई.आर. दर्ज करने के आदेश

- **अतिरिक्त मुख्य महानगर मजिस्ट्रेट क्रम-2 महानगर, प्रथम ने जेडीए ट्रिब्यूनल के आदेश की अनदेखी व फर्जीवाडा करने से जुड़े मामले में आदेश दिये**

जयपुर, (का.सं.)। अतिरिक्त मुख्य महानगर मजिस्ट्रेट क्रम-2 महानगर, प्रथम ने जेडीए ट्रिब्यूनल के आदेश की अनदेखी व फर्जीवाडा करने से जुडे मामले में जेडीए के तत्कालीन सचिव उज्ज्वल राठौड, मुख्य प्रवर्तन अधिकारी रघुवीर सैनी, जोन 9 प्रवर्तन नियंत्रक धर्मसिंह व उप प्रवर्तन नियंत्रक राजेश शर्मा के खिलाफ गांधी नगर पुलिस थाने को एफआईआर दर्ज करने के आदेश दिए हैं। अदालत ने यह आदेश एचएस अडवानी के परिवाद पर दिए।

अदालत ने माना कि प्रथम दृष्टया आरोपियों ने जेडीए अपीलीय अधिकरण के आदेश की अवहेलना कर नए सिरे से दुर्गा कुमारी के अतिक्रमण को वैध घोषित करने के लिए कार्यालय टिप्पणियां तैयार की। इससे परिवादी के अधिकारों पर विपरीत प्रभाव पडने की संभावना से इनकार नहीं किया जा सकता।

परिवाद में कहा कि उसे रेलवे मेन्स हाउसिंग को-ऑपरेटिव सोसायटी की आनन्द विहार योजना में भूखंड संख्या-14 का पट्टा 19 जून 1994 को जारी किया था। वहीं उसकी खातेदारी से बाकी रही 2 बीघा 7 बिस्वा जमीन को 0.83 हैक्टेयर बताते हुए दुर्गादेवी ने पट्टा मांगा। जबकि उसे 0.59 हैक्टेयर जमीन का ही पट्टा मिल सकता था, लेकिन दुर्गाकुमारी को गलत तरीके से पट्टा जारी करने का आदेश हो गया। इसके खिलाफ परिवादी ने जेडीए में शिकायत की, लेकिन उसकी शिकायत के बाद भी अतिक्रमण के खिलाफ कार्रवाई नहीं की गई।

वहीं जेडीए के अफसरों ने मिलीभगत कर एक फर्जी रिपोर्ट बनाई जिसमें अतिक्रमण नहीं होना बताया। इसके खिलाफ परिवाद दायर कर जेडीए के तत्कालीन अफसरों के खिलाफ मामला दर्ज करने का आग्रह किया। जिस पर सुनवाई करते हुए अदालत ने संबंधित अधिकारियों के खिलाफ एफआईआर दर्ज करने के आदेश दिए हैं।

72 घंटे पहले नोटिस दिए बिना होटल बिल्डिंग पर नहीं करें कार्रवाई : हाईकोर्ट

जयपुर। राजस्थान हाईकोर्ट ने आदेश दिए हैं कि दिल्ली रोड पर स्थित कान्हा होटल पर कार्रवाई से 72 घंटे पहले नोटिस दिए बिना उसकी बिल्डिंग पर कोई कार्रवाई नहीं करे। जस्टिस अशोक जैन की अवकाशकालीन एकलपीठ ने यह आदेश कान्हा होटल्स की ओर से दायर याचिका में पेश प्रार्थना पत्र पर सुनवाई करते हुए दिए। अदालत ने कहा कि इस मामले में नियमित कोर्ट की ओर से विस्तृत सुनवाई की जरूरत है। ऐसे में यह उचित नहीं है कि अवकाशकालीन कोर्ट प्रकरण के किसी पहलू पर विचार करे। अदालत ने कहा कि समाचार पत्र मे प्रकाशित समाचार के आधार पर होटल की बिल्डिंग को तोडने की आशंका मात्र पर यह प्रार्थना पत्र दायर किया गया है।

केन्द्र सरकार की ओर से अतिरिक्त सॉलिसिटर जनरल आरडी रस्तोगी ने अदालत को बताया कि याचिकाकर्ता ने वर्ष 2018 से वर्ष 2022 तक कूकस के पास पांच सितारा होटल का निर्माण कर उसे ताज होटल्स को लीज पर दे दिया। याचिकाकर्ता ने जेडीए से वर्ष 2011 में नक्शे पास कराए थे, लेकिन तय अवधि में निर्माण आरंभ नहीं किया गया। होटल नाहरगढ वन्य जीव अभ्यारण्य से सिर्फ 95 मीटर दूर है। जबकि इससे एक किमी में इस तरह की गतिविधि नहीं हो सकती। ऐसे निर्माण के लिए पर्यावरण स्वीकृति लेनी होती है, लेकिन याचिकाकर्ता ने स्वीकृति नहीं ली। याचिकाकर्ता ने गत वर्ष राष्ट्रीय वन्य जीव बोर्ड के स्वीकृति लेने के लिए प्रार्थना पत्र पेश किया। जिसे बोर्ड ने गत 22 फरवरी को खारिज कर दिया। इसके बाद गत दिनों ईको सेन्सेटिव जोन की मॉनिटरिंग कमेटी ने इसे तोडने के लिए जेडीए को लिखा। एएसजी ने कहा कि याचिकाकर्ता ने ऐसा आदेश पेश नहीं, जिससे साबित हो की जेडीए होटल तोडने जा रहा है और जेडीए का पक्षकार भी नहीं बनाया गया है। दोनों पक्षों को सुनने के बाद अदालत ने होटल पर कार्रवाई से 72 घंटे पूर्व नोटिस देने को कहा है।

उपमुख्यमंत्री से वार्ता के बाद परिवहन निरीक्षक संघ की हड़ताल समाप्त

उपमुख्यमंत्री व परिवहन एवं सड़क सुरक्षा मंत्री डॉ. प्रेमचंद बैरवा से शुक्रवार को परिवहन निरीक्षक संघ ने मुलाक़ात की।

जयपुर। उपमुख्यमंत्री व परिवहन एवं सड़क सुरक्षा मंत्री डॉ. प्रेमचंद बैरवा से शुक्रवार को मुलाक़ात के बाद परिवहन निरीक्षक संघ की हड़ताल ख़त्म हुई। जिसके बाद सोमवार से परिवहन निरीक्षक काम पर लौट सकेंगे।

डॉ बैरवा ने अपने निवास पर परिवहन निरीक्षक संघ के पदाधिकारियों के साथ बैठक कर वार्ता की जिसके परिणामस्वरूप निरीक्षक संघ ने हड़ताल ख़त्म करने का निर्णय लिया। उपमुख्यमंत्री ने स्पष्ट किया कि राज्य सरकार प्रदेश के हर एक कर्मचारी के हितों के प्रति संवेदनशील है। उन्होंने कहा कि विभाग के समस्त अधिकारी कर्मचारी उच्च मनोबल के साथ प्रदेश हित में कार्य करें। उन्होंने परिवहन निरीक्षक के साथ मारपीट मामले में सक्षम स्तर पर वार्ता कर दोषियों के ख़िलाफ़ कड़ी कार्यवाही का आश्वासन दिया ताकि भविष्य में इस तरह के कृत्यों की पुनरावृत्ति को रोका जा सकें।

उपमुख्यमंत्री ने संगठन के पदाधिकारियों से विभाग में निरीक्षकों की उच्च पदों पर पदौनिति के अवसरों की माँग पर भी सकारात्मक चर्चा की। उपमुख्यमंत्री ने सभी माँगो पर उचित कार्यवाही करने का आश्वासन दिया। परिवहन निरीक्षक संघ ने उपमुख्यमंत्री की इस पहल और उनके सकारात्मक रूख के प्रति विश्वास व्यक्त करते हुए उनका आभार जताया। इस मौके पर राजस्थान परिवहन संघ के अध्यक्ष राजेश चौधरी, महासचिव अनिल बसवाल सहित संगठन के पदाधिकारी मौजूद रहे।

मुख्यमंत्री रोजगार उत्सव में जयपुर के 1276 अभ्यर्थी लेंगे भाग

जयपुर। मुख्यमंत्री रोजगार उत्सव के तहत 29 जून को जयपुर के मानसरोवर स्थित टैगोर इंटरनेशनल स्कूल में राज्य स्तरीय समारोह का आयोजन होगा। कार्यक्रम में मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा नवनियुक्त कार्मिकों से संवाद करेंगे। जिला कलक्टर प्रकाश राजपुरोहित ने राज्य स्तरीय मुख्यमंत्री रोजगार उत्सव के सफल आयोजन के लिए अतिरिक्त जिला कलक्टर (प्रथम) सुरेश कुमार नवल को प्रभारी अधिकारी एवं अतिरिक्त जिला कलक्टर (उत्तर) अल्का विश्नोई को सह प्रभारी अधिकारी नियुक्त किया है। साथ ही जिला कलक्टर ने आवश्यक व्यवस्थाएं एवं इंतजाम सुनिश्चित करने के लिए संबंधित विभागों के अधिकारियों को जिम्मेदारियां सौंपी है।

मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा की अध्यक्षता में आयोजित होने वाले राज्य स्तरीय समारोह में जयपुर एवं जयपुर ग्रामीण के 1500 से ज्यादा नवनियुक्त कार्मिक शिरकत करेंगे। उन्होंने बताया कि जयपुर जिले में नियुक्ति पाने वाले 1276 एवं जयपुर ग्रामीण जिले में नियुक्ति प्राप्त करने वाले 230 सहित दोनों जिलों के 1506 नवनियुक्त कार्मिक राज्य स्तरीय समारोह के साक्षी बनेंगे।

पंचम के सुरों में डूबा मन

जयपुर। शहर में आयोजित एक विशेष संगीत संध्या ने सभी का मन मोह लिया।

इस कार्यक्रम का आयोजन प्रमुख शौकिया कलाकारों धीरज झमरिया और किशोर सराओगी ने किया, जो पेशेवर रूप से निर्माण और वास्तुकला व्यवसाय में संलग्न हैं।

विधानसभा सत्र को लेकर कंट्रोल रूम की स्थापना

जयपुर। सोहलवीं राजस्थान विधानसभा के द्वितीय सत्र की बैठक 3 जुलाई से प्रारम्भ होने जा रही है।

सत्र के दौरान प्राप्त होने वाले तारांकित एवं अतारांकित सहित अन्य प्रस्तावों के जवाब सही समय पर भिजवाने के लिए कलक्ट्रेट में कंट्रोल रूम की स्थापना की गई है।

जिला कलक्टर प्रकाश राजपुरोहित ने बताया कि कंट्रोल रूम कार्यदिवस के अतिरिक्त राजकीय अवकाश के दिनों में भी सुबह 8 बजे से रात 10 बजे तक दो पारियो में संचालित किया जाएगा।

अतिरिक्त जिला कलक्टर (पूर्व) नियंत्रण कक्ष के प्रभारी अधिकारी तथा संस्थापन अधिकारी विनोद शर्मा सह प्रभारी होंगे।

नियंत्रण के मोबाइल नंबर-9785273342 है। नियंत्रण कक्ष के संचालन के लिए 12 अधिकारियों और कर्मचारियों की ड्यूटी लगाई गई है। नियंत्रण कक्ष को प्राप्त होने वाले विधानसभा प्रश्न अथवा ध्यानाकर्षण, विशेष उल्लेख प्रस्ताव रजिस्टर में दर्जकर तत्काल संबंधित शाखा में प्रेषित किया जाएगा।

संबंधित शाखा प्रभारी द्वारा तत्काल जवाब प्रेषित कर नियंत्रण कक्ष प्रभारी को अवगत कराया जाएगा।

येदियुरप्पा के खिलाफ नाबालिग से रेप मामले में चार्जशीट दाखिल हुई

बैंगलुरु, 28 जून। कर्नाटक के पूर्व मुख्यमंत्री बीएस येदियुरप्पा पर नाबालिग लड़की के यौन उत्पीड़न के आरोप लगे हैं। मामले की जांच कर रही सी.आई.डी. ने आरोपपत्र में कहा कि भाजपा नेता और 3 अन्य आरोपियों ने पीड़िता और उसकी मां को चुप रहने के लिए पैसे दिए थे।

81 वर्षीय येदियुरप्पा पर यौन

- चार्जशीट में नाबालिग से जबरदस्ती करने व पैसों का लालच देकर पीड़िता को चुप रहने एवं डराने धमकाने के आरोप लगाये गये हैं।

अपराधों से बच्चों का संरक्षण (पॉक्सो) अधिनियम की धारा 8 (यौन उत्पीड़न के लिए सजा), भारतीय दंड संहिता की धारा (यौन उत्पीड़न), 204 (साक्ष्य के रूप में दस्तावेज या इलेक्ट्रॉनिक रिकॉर्ड को नष्ट करने) और 214 (अपराधी की जांच के बदले में उपहार की पेशकश) के तहत आरोप लगाए गए हैं।

दिल्ली एन.सी.आर. मानसून पूर्व बारिश में जलमग्न हुआ

भारी बारिश के कारण इंदिरा गांधी अंतर्राष्ट्रीय हवाई अड्डे के टर्मिनल-1 पर पार्किंग की छत गिरने से 6 लोग घायल हुये

- सूत्रों के अनुसार टर्मिनल की छत गिरने से वहां खड़ी टैक्सियां व कारें इसकी चपेट में आ गईं तथा उनमें बैठे छः लोग घायल हो गये। राहत एवं बचाव कार्य चल रहा है।
- नागरिक उड्डयन मंत्री के. राममोहन नायडू ने कहा कि, वे खुद हालात पर निगरानी रखे हुये हैं।
- दिल्ली एन.सी.आर. में गुरुवार को प्री मानसून बारिश शुरु हुई, रात भर बारिश होने से दिल्ली के अधिकांश इलाकों में पानी भर गया।

नई दिल्ली, 28 जून (वार्ता)। दिल्ली और राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र (एनसीआर) में गुरुवार देर रात से हो रही बारिश के कारण इंदिरा गांधी अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डा के टर्मिनल-1 की छत गिर गई, जिसकी चपेट में कई टैक्सियां और कारें आ गईं और इनमें बैठे छह लोग घायल हो गए।

प्राप्त जानकारी के अनुसार यह घटना शुक्रवार को तड़के पांच बजे घटित हुयी। राहत एवं बचाव कार्य जारी है। दमकल सेवा के अधिकारियों ने बताया कि टर्मिनल-1 की छत की शीट के अलावा सपोर्ट बीम भी ढह गया है। इससे टर्मिनल के पिक-अप और ड्रॉप एरिया में खड़ी कारों को नुकसान पहुंचा। घायलों को अस्पताल में भर्ती कराया गया है। हवाई अड्डा पर दमकल की तीन गाड़ियां मौजूद हैं।

नागरिक उड्डयन मंत्री के. राम मोहन नायडू ने घटना पर प्रतिक्रिया व्यक्त करते हुए एक्स पर लिखा, "मैं निजी तौर पर हालात पर नजर रख रहा हूं। सभी एयरलाइंस को टर्मिनल-1 पर प्रभावित यात्रियों की सहायता करने की सलाह दी गई है। घटनास्थल पर राहत एवं बचाव टीमें काम कर रही हैं। बचाव अभियान अभी भी जारी है।"

दिल्ली-एनसीआर में गुरुवार को मानसून पूर्व की पहली बारिश हुई। लगातार हो रही बारिश के कारण रातभर में दिल्ली-एनसीआर के कई इलाकों में जलजमाव हो गया, जिसके कारण लोगों को काफी दिक्कतों का सामना करना पड़ा। राष्ट्रीय राजधानी में कुछ जगहों पर तीन से चार फीट तक पानी भर गया है। दिल्ली में मिंटो रोड पर भारी जलजमाव के बीच एक गाड़ी पूरी तरह डूब गई है। इसके अलावा के शांति पथ सहित विभिन्न इलाकों में सड़कों पर भारी जलभराव हो गया है।

मानसून ने गुरुवार (27 जून) को उत्तर भारत के तीन राज्यों और दो केंद्र शासित प्रदेशों में दस्तक दी। मानसून ने गुरुवार को उत्तराखंड, हिमाचल प्रदेश, जम्मू-कश्मीर, लद्दाख और पंजाब के कुछ हिस्सों को कवर कर लिया। गौरतलब है कि दक्षिण-पश्चिमी मानसून 11 जून से ही पश्चिम बंगाल, बिहार और झारखंड में रुका हुआ था।

दिल्ली, हरियाणा और चंडीगढ़ में मानसून 27 से 30 जून तक एंट्री ले सकता है।

मानसून तीन जुलाई तक दिल्ली को पूरी तरह कवर कर लेगा। मौसम विभाग के अनुसार पांच से आठ जुलाई तक हरियाणा, पंजाब, चंडीगढ़ और राजस्थान पूरी तरह कवर हो जाएंगे।

'पशु ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

रिटायरमैंट उम्र साठ साल से बढ़ाकर 62 साल की गई है तो फिर पशु चिकित्सकों को साठ साल की उम्र में ही क्यों रिटायर किया जा रहा है।

याचिका में बताया गया कि राज्य सरकार ने एम.बी.बी.एस. डॉक्टर्स की रिटायरमैंट आयु 60 साल से बढ़ाकर 62 साल कर दी है, लेकिन पशु चिकित्सकों की रिटायरमैंट आयु को नहीं बढ़ाया गया है और उन्हें 60 साल में ही रिटायर किया जा रहा है। जबकि केन्द्र व राज्य सरकार ने पशु चिकित्सकों को भी अपनी सेवाओं में हर तरह से समान रखा गया है। ऐसे में पशु चिकित्सकों की रिटायरमेंट आयु नहीं बढ़ाना गलत है।

'खड़गे के आचरण ने संसदीय मर्यादा को दाग लगा दिया है'

राज्यसभा के सभापति जगदीप धनखड़ ने कहा, मैं पीड़ित हूं और दुखी हूं कि नेता प्रतिपक्ष खुद वैल में आ गए, आज तक कभी ऐसा नहीं हुआ

- सदन की कार्यवाही के दौरान सभापति धनखड़ ने सदन में चल रहे हंगामे के दौरान बेहद नाराज़ लहजे में कहा कि, "आप तो एक प्रकार से नाच रहे हैं, क्या ऐसा होना चाहिए?"

नई दिल्ली, 28 जून। राज्यसभा में विपक्षी सदस्यों द्वारा नीट-यूजी परीक्षा के पेपर लीक मामले में सरकार को घेरते हुए हंगामा किए जाने के बीच सभापति जगदीप धनखड़ ने शुक्रवार को कहा कि नेता प्रतिपक्ष मल्लिकार्जुन खरगे स्वयं आसन के समक्ष आ गए जो पहले कभी नहीं हुआ। उन्होंने कहा कि संसदीय इतिहास में आज का दिन दागी हो गया है। मैं पीड़ित हूं और दुखी हूं कि नेता प्रतिपक्ष खुद वेल में आ गए। आज तक कभी ऐसा नहीं हुआ।

सभापति ने यह टिप्पणी उस समय की जब विपक्ष के सदस्य राष्ट्रपति अभिभाषण पर धन्यवाद प्रस्ताव को लेकर हो रही चर्चा के दौरान लगातार हंगामा कर रहे थे। राष्ट्रीय पात्रता सह प्रवेश परीक्षा-स्नातक (नीट-यूजी) से जुड़ी कथित अनियमितताओं, राष्ट्रीय परीक्षा एजेंसी (एनटीए) की 'नाकामी' और पेपर लीक से जुड़े मुद्दों पर विपक्षी सदस्य आज सुबह सदन की कार्यवाही शुरू होने के बाद से ही चर्चा कराने की मांग पर हंगामा कर रहे थे।

हंगामे के कारण सदन की कार्यवाही आरंभ होने के करीब आधे घंटे के भीतर दोपहर 12 बजे तक के लिए स्थगित कर दी गई। इसके बाद बैठक दोबारा शुरू होने पर भाजपा के सुधांशु त्रिवेदी ने राष्ट्रपति अभिभाषण पर धन्यवाद प्रस्ताव पर चर्चा पर अपनी बात को आगे बढ़ाया।

त्रिवेदी के भाषण के बीच ही सदन के नेता जे पी नड्डा ने चर्चा में व्यवधान को लेकर विपक्षी सदस्यों पर निशाना साधा।

नड्डा की बात खत्म होते ही सभापति धनखड़ ने कहा, 'आज का दिन भारतीय संसद के इतिहास में इतना दागी हो गया है कि प्रतिपक्ष के नेता स्वयं आसन के समक्ष आए हैं।' उन्होंने कहा, 'ऐसा कभी नहीं हुआ है। मैं पीड़ित हूं। मैं अचंभित हूं। भारतीय संसदीय परंपरा इतनी गिर जाएगी कि प्रतिपक्ष के नेता आसन के समक्ष आएंगे, उप नेता (विपक्ष के) आसन के समक्ष आएंगे।' इसके बाद उन्होंने सदन की बैठक दोपहर दो बजे तक के लिए स्थगित कर दी।

इससे पहले सदन के नेता नड्डा ने राष्ट्रपति अभिभाषण पर धन्यवाद प्रस्ताव को लेकर हो रही चर्चा में विपक्ष द्वारा उत्पन्न किए जा रहे व्यवधान की ओर संकेत करते हुए कहा कि बृहस्पतिवार को सदन की कार्य मंत्रणा समिति की बैठक में यह तय हुआ था कि राष्ट्रपति अभिभाषण के धन्यवाद ज्ञापन पर चर्चा के लिए 21 घंटे आवंटित किए जाएं। उन्होंने बताया कि इस बैठक में कांग्रेस के उप नेता और तृणमूल कांग्रेस के नेता शामिल थे।

उन्होंने कहा कि यह अपने आप में रिकार्ड है क्योंकि इससे पहले इस चर्चा के लिए कभी 21 घंटे आवंटित नहीं किए गए। उन्होंने कहा कि बैठक में सहमति होने के बावजूद आज सबेरे कार्यस्थगन का प्रस्ताव लाया गया। भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के अध्यक्ष ने कहा कि ऐसा नहीं है कि पहले नीट का मुद्दा नहीं था। उन्होंने कहा कि नीट का मुद्दा कार्य मंत्रणा समिति में उठाया जा सकता था किंतु उनकी (विपक्षी नेताओं की) मंशा नहीं थी, उनकी मंशा सदन को बाधित करने की थी।

नड्डा ने आरोप लगाया कि कांग्रेस इस बात को लेकर प्रतिबद्ध थी कि उसे चर्चा में भाग नहीं लेना है। उन्होंने कहा, 'वे पहले ही तय कर चुके थे, वे पहले से ही कृत संकल्पित थे इसलिए (चर्चा में भाग लेने वाले) वक्ताओं की सूची में किसी कांग्रेस नेता का नाम नहीं है। यह दर्शाता है कि वे चर्चा को लेकर गंभीर नहीं हैं।' उन्होंने कहा कि राष्ट्रपति अभिभाषण के धन्यवाद प्रस्ताव को लेकर होने वाली 21 घंटे की चर्चा के दौरान विपक्ष के पास इस बात का पूरा अवसर है कि वे नीट के मुद्दे को उठाकर अपनी पूरी बात रखें।

उन्होंने कहा कि सरकार उनका जवाब देने के लिए प्रतिबद्ध है और जवाब दिया भी जाएगा।

हंगामे के दौरान आसन के समक्ष आकर नारेबाजी कर रहे विपक्षी सदस्यों में से एक की ओर इशारा करते सभापति ने कहा, 'आप तो एक प्रकार से नाच रहे हैं। क्या ऐसा होना चाहिए?' उन्होंने तृणमूल कांग्रेस सदस्य एवं पत्रकार सागरिका घोष का नाम लेते हुए कहा, 'आप हर सप्ताह स्तंभ लिखती हैं, क्या आप जीवन भर यही चाहती थीं।'

शंघाई कॉरपोरेशन ऑर्गनाइजेशन की बैठक में शामिल नहीं होंगे प्र.मंत्री मोदी

कज़ाकस्तान में होने वाली इस बैठक में शामिल होने विदेश मंत्री एस. जयशंकर जायेंगे

- एस.सी.ओ. में भारत, चीन, रूस, पाकिस्तान, कजाकस्तान, किर्गिस्तान, ताजीकिस्तान और उज्बेकिस्तान सदस्य हैं।

नई दिल्ली, 28 जून। कजाकिस्तान की राजधानी अस्ताना में अगले सप्ताह होने वाले शंघाई सहयोग संगठन (एस.सी.ओ.) के शिखर सम्मेलन में शामिल होने के लिए प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी नहीं जाएंगे। अब भारत का प्रतिनिधित्व विदेश मंत्री एस. जयशंकर करेंगे। विदेश मंत्रालय ने शुक्रवार को यह जानकारी दी। एससीओ शिखर सम्मेलन तीन और चार जुलाई को होगा और इस दौरान क्षेत्रीय सुरक्षा हालात और संपर्क एवं व्यापार को बढ़ावा देने के तरीकों पर मुख्य रूप से चर्चा होने की उम्मीद है।

विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता रणधीर जायसवाल ने शुक्रवार को साप्ताहिक प्रेस वार्ता में कहा, "एससीओ शिखर सम्मेलन में भारतीय प्रतिनिधिमंडल का नेतृत्व विदेश मंत्री एस. जयशंकर करेंगे।" शिखर सम्मेलन में अफगानिस्तान में हालात, यूक्रेन में जारी युद्ध और एससीओ सदस्य देशों के बीच समग्र सुरक्षा सहयोग को बढ़ावा देने पर चर्चा होने की उम्मीद है।

एससीओ में भारत, चीन, रूस, पाकिस्तान, कजाकिस्तान, किर्गिस्तान, ताजीकिस्तान और उज्बेकिस्तान सदस्य हैं। यह एक प्रभावशाली आर्थिक और सुरक्षा समूह है, जो सबसे बड़े अंतरक्षेत्रीय अंतरराष्ट्रीय संगठनों में से एक के तौर पर उभरा है। एससीओ शिखर सम्मेलन में आमतौर पर भारत की ओर से प्रधानमंत्री हिस्सा लेते हैं।

एससीओ शिखर सम्मेलन के मेजबान देश कजाखिस्तान के राष्ट्रपति कासिम जोमार्त तोकायेव ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को टेलीफोन करके एससीओ शिखर सम्मेलन में भाग लेने के लिए अस्ताना आमंत्रित किया था। उन्होंने दुनिया में सबसे बड़ी लोकतांत्रिक प्रक्रिया के सफल संचालन और ऐतिहासिक तौर पर तीसरी बार लगातार प्रधानमंत्री निर्वाचित होने पर मोदी को बधाई भी दी थी।

बारिश का पानी ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

को निकालने की कोई जगह नहीं बची है।" थरूर ने मजाकिया तरीके से ट्वीट में आगे कहा, "मैंने अपने संसद के साथियों को बताया कि मैं नाव के बिना वहां नहीं पहुंच पाऊंगा। लेकिन शहर में सड़कों से पानी निकालने में कामयाबी हासिल कर ली गई और मैं समय पर संसद पहुंच गया!"

दिल्ली में शुक्रवार की सुबह भारी बारिश के बीच कई इलाकों में जलभराव हो गया, इस दौरान शहर के मुख्य इलाकों में बाढ़ जैसी स्थिति पैदा होने के साथ यातायात बाधित हो गया। शहर के विभिन्न स्थानों से आ रहीं तस्वीरों के अनुसार कई इलाको में जल भराव से लंबा जाम लग गया है। इस दौरान विशेषकर कार्यालय समेत अपने कार्यस्थल जाने वाले लोगों समेत अन्य यात्रियों को अधिक परेशानियों का सामना करना पड़ा।

नई दिल्ली रेलवे स्टेशन में जलमग्न सड़कों पर यात्रियों को अपने बच्चों को लेकर घुटनों तक पानी से होकर गुजरना पड़ा। कुछ इलाकों में मेट्रो स्टेशनों में भी पानी भर गया, जिससे लोगों को परेशानियों का सामना करना पड़ा। पुलिस के अनुसार जलभराव के कारण अणुव्रत मार्ग पर लाल बत्ती के दोनों ओर 100 मीटर और लाडो सराय लाल बत्ती से दोनों तरफ यातायात प्रभावित है। रिंग रोड पर धौला कुआं फ्लाईओवर के नीचे नारायणा से मोती बाग की ओर दोनों दिशाओं पर यातायात धीमा है। आजाद मार्केट अंडरपास में वीर बंदा बैरागी मार्ग पर यातायात प्रभावित है।

टैलिकॉम ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

पोर्टफोलियो को बदल दिया गया है।

जियो ने अपने प्लान्स की कीमतों में 27 परसेंट तक की बढ़ोतरी की है। इस मौके पर जियो के चेयरमैन, आकाश अंबानी ने कहा, नए प्लान्स की शुरुआत इंडस्ट्री इनोवेशन को आगे बढ़ाने और 5 जी और ए.आई. टैक्नोलॉजी में निवेश के जरिए विकास को आगे बढाने की दिशा में एक कदम है।

जियो ने अपनी प्रेस रिलीज में कहा, अनलिमिटेड 5जी सर्विस 2 जीबी और उससे ऊपर वाले सभी प्लान्स में मिलेगी। नए प्लान्स की कीमत 3 जुलाई 2024 से लागू होगी। इन्हें सभी टचपॉइंट और चैनल्स से एक्सेस किया जा सकेगा। जियो के साथ ही एयरटेल ने भी अपने रिचार्ज प्लान्स की कीमतों में इजाफा कर दिया है। कंपनी का कहना है कि भारत में एक बेहतर टेलीकॉम बिजनेस चलाने के लिए कंपनी का 300 ए.आर.पी.यू. रुपये से ऊपर होना चाहिए। यानी एवरेज रेवेन्यू पर यूजर, कंज्यूमर्स से होने वाली औसत कमाई है।

एयरटेल का कहना है कि, उन्होंने प्लान्स की कीमतों में बढ़तोतरी को कम से कम रखने की कोशिश की है. एंट्री लेवल प्लान्स की कीमतों में 70 पैसे प्रतिदिन से भी कम दर पर इजाफा किया गया है।

अंततोगत्वा 5 महीने बाद...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

वरिष्ठ वकील अरुणाभ चौधरी ने मीडिया से कहा कि "कोर्ट ने माना है कि वे प्रथम दृष्टया इस अपराध में दोषी नहीं है और ऐसी भी कोई संभावना नहीं है कि याचिकाकर्ता जब जमानत पर होगा तो कोई अपराध करेगा।"

प्रवर्तन निदेशालय (ई.डी.) ने झारखंड मुक्ति मोर्चा (जे.एम.एम.) के कार्यकारी अध्यक्ष सोरेन को 31 जनवरी को मनी लॉन्डरिंग केस से जुड़ी जाँच के दौरान उन्हें गिरफ्तार किया था। गिरफ्तार के बाद से 48 वर्षीय राजनीतिज्ञ रांची की बिरसा मुण्डा जेल में बंद थे।

कोर्ट में शुक्रवार को सुनवाई के दौरान प्रवर्तन निदेशालय (ई.डी.) का प्रतिनिधित्व कर रहे एस.वी. राजू ने यह कहते हुए सोरेन की जमानत याचिका पर आपत्ति प्रकट की थी कि सोरेन एक प्रभावशाली व्यक्ति है और वो पहले भी प्रदेश की सरकारी मशीनरी का प्रयोग करके स्वयं को बचाने की कोशिश कर चुके है। "यदि जमानत दी गई तो वे सरकारी मशीनरी का दुरुपयोग करके चल रही जाँच में बाधा उत्पन्न करने का प्रयास करेंगे।"

राजू ने अपनी दलील में कहा कि सोरेन की योजना झारखंड के बारगैन स्थान पर एक बैंक्वेट हॉल बनाने की थी और उनके भवन निर्माण वास्तुकार मित्र विनोद सिंह ने उनको मोबाइल के माध्यम से उसका नक्शा भेजना था। उन्होंने यह भी उल्लेख किया कि सर्वे के दौरान, सिंह ने बारगैन की उस भूमि को भी पहचाना था और अपने बयान में सिंह ने स्वीकार किया था कि उन्होंने मुख्यमंत्री के कार्यालय से निर्देश मिलने पर जमीन का विवरण उपलब्ध कराया था।

सुप्रीम कोर्ट के वकील कपिल सिब्बल एवं मिनाक्षी अरोड़ा ने भी सोरेन के केस की पैरवी की थी कहा कि मनी लॉन्डरिंग का कोई केस नहीं था बल्कि यह एक "राजनीतिक प्रतिशोध" था। यह केन्द्र सरकार के द्वारा ई.डी. का दुरुपयोग करते हुए एक दुर्भावनापूर्ण कार्यवाही है।"

झारखंड में विधानसभा के चुनाव इस वर्ष नवम्बर-दिसम्बर माह में हो सकते हैं और जे.एम.एम. चुनावी मैदान में इंडिया गठबंधन के एक सहयोगी दल के रूप में उतरेगी। सोरेन, जिन्हें जनता "पीड़ित" के तौर पर देख रही है, इससे जे.एम.एम. को "सहानुभूति" का लाभ मिलेगा।

एकलपट्टा ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

एकल पट्टों से जुड़े प्रकरणों की निष्पक्ष जांच कर राज्य सरकार को रिपोर्ट प्रस्तुत करेगी।

विधानसभा चुनाव में स्टालिन का ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

सभी ने मुख्यमंत्री बनकर स्वयं को एक सफल प्रशासक एवं राजनेता सिद्ध किया। तमिलनाडू के पांच मुख्यमंत्रियों की फिल्म जगत से सम्बद्धता रही है और विजय भी अपना भाग्य आजमाने की कोशिश कर रहे हैं।

विजय, पिछले वर्ष के फरवरी माह में पहले ही "तमिलागा वेट्टरि कषगम" (टी.वी.के.) नामक एक राजनीतिक पार्टी का गठन कर चुके हैं और चेन्नई में आयोजित छात्रों के एक सार्वजनिक अभिनन्दन कार्यक्रम में उन्होंने अपनी पार्टी के अध्यक्ष के रूप में द्रमुक सरकार पर प्रहार करते हुए कहा कि "हमें अच्छे नेताओं की जरूरत है। नेताओं से मेरा तात्पर्य राजनीतिक नेताओं से नहीं है, बल्कि ऐसे व्यक्तियों से हैं जिनमें नेतृत्व के गुण हों।"

वास्तव में, उन्होंने यह कहा कि "ना केवल राजनीति बल्कि हर क्षेत्र में अच्छे नेताओं की जरूरत है, लेकिन फिल्मों के क्रेज़ी इस राज्य के लोग उनके इस बयान की व्याख्या चुनावी राजनीति में कूदने के एक अगले कदम के रूप में कर रहे है।"

उनकी एंट्री तमिलनाडू की राजनीति में निश्चित रूप से भूचाल लाएगी क्योंकि वे युवाओं में बेहद लोकप्रिय हैं और जाति एवं पंथ से परे उनको एक अच्छी-खासी फैन फॉलोइंग है। युवाओं को उनके परामर्श कि वे राजनीति की एक करियर बनाने पर विचार करें, का उनके फैंस व सपोर्टर्स स्वागत कर रहे हैं।

उन्होंने छात्रों से कहा कि वे उन्हें प्राप्त होने वाली किसी भी जानकारी के प्रत्येक पहलू को क्रॉस चैक करें। उन्होंने छात्रों को सोशल मीडिया चैनल्स और मुख्यधारा के मीडिया को लेकर भी सतर्क किया। उन्होंने छात्रों से कहा कि वे हर चीज़ देखें, किन्तु उचित सावधानी और तथ्यान्वेषण से यह विश्लेषण जरूर करें कि क्या सही है और क्या गलत। उन्होंने जनता की राय को आकार देने में सही जानकारी के महत्व पर विशेष बल दिया। उन्होंने कहा कि "तथ्यों और खबरों की जाँच से ही जनता यह समझ पाएगी कि देश वास्तव में किन मुद्दों से जुझ रहा है।"

अभिनय से राजनीति के क्षेत्र में कदम रखने जा रहे विजय ने तमिलनाडू की वर्तमान स्थिति का जिक्र करते हुए कहा कि राज्य की बढ़ती चिन्ता का विषय युवाओं में नशे की लत है।

विजय ने इस संबंध में किसी को भी संशय में नहीं रखा कि वे अब स्टालिन और उनके पुत्र उदयनिधि का मुकाबला करेंगे। उन्होंने कहा कि "वर्तमान में तमिलनाडू के युवा नशीले पदार्थों का सेवन करने लगे हैं और मैं भी एक राजनेता एवं अभिभावक के रूप में इससे भयभीत हूं। हम कह सकते हैं कि नशीले पदार्थों को नियंत्रित करना सरकार की जिम्मेदारी है, युवाओं का संरक्षण सरकार की जिम्मेदारी है, लेकिन वर्तमान सरकार ऐसा करने में विफल रही है।"

दो राजनैतिक...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

जाता है, उनकी सत्ता में बने रहने की रणनीति काफी सशक्त है। जब पिछली बार जे.डी.यू. की राष्ट्रीय कार्यकारिणी की बैठक थी तब लल्लन सिंह को पार्टी के अध्यक्ष पद से हटा दिया गया था उसका प्रभार कुमार ने स्वयं ले लिया था।

उसके कुछ समय बाद ही कुमार ने इसी वर्ष जनवरी में एन.डी.ए. में पुनः शामिल होने की घोषणा की थी। यह संभव है और संभावना भी है कि कुमार कल होने वाली राष्ट्रीय कार्यकारिणी की बैठक में कोई बड़ा राजनीतिक बयान दे सकते हैं।

राष्ट्रदूत हिन्दु संयुक्त परिवार की ओर से सोमेश शर्मा द्वारा ज्वाईन्ट मीडिया, आजाद मार्ग, मैन रोड, आयड, उदयपुर से मुद्रित एवं प्रकाशित। संपादक-राजेश शर्मा, आर.एन.आई. नं. 57928/93 जयपुर कार्यालय: सुधर्मा एम.आई.रोड, जयपुर। फोन: 2372634, 4103333-34, फैक्स : 0141-2373513 कोटा कार्यालय : पलायथा हाऊस, छत्रपति शिवाजी मार्ग, कोटा। फोन: 2386031, 2386032,फैक्स:0744-2386033 बीकानेर कार्यालय : कुम्भाना हाऊस, हनुमान हत्था, बीकानेर। फोन: 2200660, फैक्स 0151-2527371 अजमेर कार्यालय: राष्ट्रदूत भवन, चुंगी नाका के पास, अजमेर। फोन: 2627612, फैक्स:0145-2624665 जालोर कार्यालय :- जी 1/63, इन्डस्ट्रीयल एरिया, फेस प्रथम, जालोर। फोन 226422,226423, फैक्स: 02973-226424 हिण्डौनसिटी कार्यालय :- जी -1-201, रीको औद्योगिक क्षेत्र, हिण्डौनसिटी। फोन: 230200, 230400, फैक्स: 07469-230600 चूरू कार्यालय : एच-150, रीको औद्योगिक क्षेत्र, चूरू, फोन : 256906, 256907, फैक्स: 01562-256908